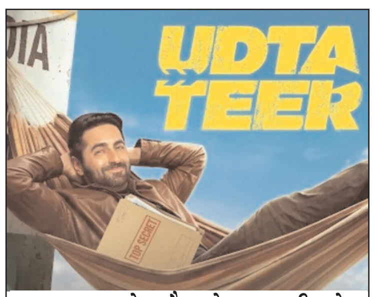

'इश्यम 3 के खौफ से 'उड़ता तीर' ने बदला रास्ता, कब रिलीज होगी आयुष्मान खुराना की फिल्म?

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिकतम - 35
न्यूनतम - 24

प्रात: कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

वर्ष 42, अंक 274 RNI NO.43285/85 संस्करण- नगर मुजफ्फरनगर शनिवार 03 अक्टूबर 2026 भाद्रपद शुक्ल 21 विक्रमी संवत पृष्ठ 12 मूल्य 4 रूपया

संक्षिप्त समाचार

दो पाकिस्तानी घुसपैठिए मारे गए, भारतीय इलाके में घुसने की कर रहे थे कोशिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स ने शुक्रवार दिन में दो पाकिस्तानी घुसपैठियों को ढेर कर दिया। ये कार्रवाई दिन के करीब 12 बजे की है। अधिकारियों के मुताबिक, इंटरनेशनल बॉर्डर पार करके दो पाकिस्तानी घुसपैठिये भारतीय

इलाके में घुसने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान बीएसएफ की टीम ने उन्हें देख लिया। जैसे ही जवानों को उन पर शक हुआ तो बीएसएफ ने कार्रवाई की, जिसमें दो पाकिस्तानी घुसपैठिए मारे गए। बीएसएफ से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक, पाकिस्तानी घुसपैठिये दोपहर करीब 12 बजे पंजाब के तरनतारन इलाके में घुसने की कोशिश कर रहे थे।

भारत एआई सैटेलाइट लॉन्च करने वाला चौथा देश बना

हैदराबाद (एजेंसी)। भारत ने ऐसा पहला एआई सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेजा है, जो सिर्फ तस्वीरें खींचकर धरती पर नहीं भेजेगा, बल्कि उनका एनालिसिस भी स्पेस में ही करेगा। इससे बॉर्डर निगरानी और आपदा में मदद मिलेगी। साथ ही तस्वीरों और डेटा को धरती तक भेजने में लगने

वाला समय और खर्च कम होगा। हैदराबाद की कंपनी टेकमीटूस्पेस का एमओआई-1ए सैटेलाइट स्पेसएक्स के ट्रांसपोर्टर-18 मिशन से रात 11.48 बजे लॉन्च किया गया। कंपनी के मुताबिक यह भारत का पहला ऑर्बिटल कंप्यूटिंग सैटेलाइट है। अमेरिका, यूरोपीय यूनियन और चीन के बाद भारत ऐसी क्षमता वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है। अभी सैटेलाइट से मिलने वाला डेटा पहले धरती पर भेजा जाता है। इसके बाद उसकी जांच होती है। नए सैटेलाइट में यह काम अंतरिक्ष में ही किया जा सकेगा।

पीएम मोदी की तारीफ, हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वैश्विक शांति के प्रयासों की प्रशंसा करना हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि गांधी जयंती के दिन पुतिन का यह बयान बताता है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत आज वैश्विक शांति की सबसे भरोसेमंद आवाज बन गया है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 23वें वल्दाई इंटरनेशनल डिस्कशन क्लब के मुख्य सत्र में

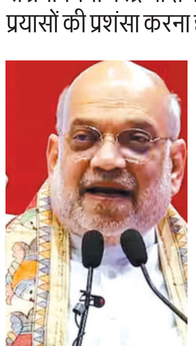

प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि वे हर मुलाकात में यूक्रेन संघर्ष को सुलझाने का मुद्दा उठाते हैं। वे ऐसे सुझाव लेकर आते हैं, जो दोनों पक्षों के लिए स्वीकार्य हैं। वे इस झगड़े को शांति से और जल्द सुलझाना चाहते हैं। केंद्रीय गृहमंत्री सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट पर लिखा, पुतिन की ओर से वैश्विक शांति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों की सराहना करना हर भारतीय को गौरवान्वित करने वाला क्षण है।

धर्म और राष्ट्र अलग-अलग नहीं, दोनों एक-दूसरे पर निर्भर

● भागवत बोले-धर्म संकट में आया तो देश भुगतेगा खामियाजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि भारत में धर्म और राष्ट्र अलग नहीं हैं। राष्ट्र का उद्देश्य धर्म है और धर्म राष्ट्र को बनाए रखने में मदद करता है। धर्म संकट में आया तो देश खामियाजा भुगतेगा। मोहन भागवत ने कहा, हमारा राष्ट्र और धर्म अलग नहीं हैं। राष्ट्र का उद्देश्य धर्म है और धर्म राष्ट्र को बनाए रखता है। दोनों एक-दूसरे पर निर्भर हैं। अगर एक मौजूद है, तो दूसरा भी मौजूद है। अगर एक नहीं है, तो दूसरा भी नहीं है। भागवत ने मुंबई में ऑल इंडिया विहार सेवा ग्रुप के 14वें सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि दुनिया विकास और पर्यावरण सुरक्षा, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पारिवारिक जीवन के बीच संतुलन खोज रही है।

भारत से ही हर समस्या का समाधान

भारत ने दूसरे देशों पर कब्जा करने या लोगों का धर्म बदलने की कोशिश किए बिना अपना ज्ञान दुनिया से साझा किया। दुनिया जानती है कि रास्ता भारत से निकलेगा। भारत के पास वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत और गीता जैसी विशाल ज्ञान परंपरा है। इसमें जैन आगम, त्रिपिटक, गुरु ग्रंथ साहिब और संतों की शिक्षाएं भी शामिल हैं।

भारत के नए नक्शे में ऑक्साई चिन का डेहरा कंपास भी शामिल

● लद्दाख पर देश के बड़े फैसले से चीन को लगेगी मिर्ची

श्रीनगर/ लद्दाख (एजेंसी)। केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख प्रशासन की सिफारिश पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने लद्दाख में 28 नए भौगोलिक जगहों को आधिकारिक तौर पर मान्यता दी है। इनमें चीन के कब्जे वाले इलाके ऑक्साई चिन का डेहरा कंपास भी शामिल हैं। अब भारत के आधिकारिक नक्शे में डेहरा कंपास के शामिल होने के बाद चीन को मिर्ची लगना तय है। बता दें कि इससे पहले भारत सरकार ने अरुणाचल प्रदेश में भी कई इलाकों को नक्शे में शामिल किया था। इन इलाकों को नया नाम दिया गया था, जिस पर चीन की बौखलाहट सामने आई थी। **28 नए भौगोलिक जगहों को मिली मान्यता-** बता दें कि लद्दाख के इलाके लगभग 38,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्रफल पर चीन का कब्जा है, जिसे ऑक्साई चिन का नाम दिया गया है। 5000 मीटर ऊंचाई वाले इस इलाके में आबादी नहीं है। इसे बर्फीला रेगिस्तान कहा जाता है मगर रणनीतिक तौर से काफी महत्वपूर्ण है।

● **पहाड़ों, घाटियों और नदियों को मिला नया नाम-** सर्वे ऑफ इंडिया के नक्शे में लद्दाख की चोटियों, पहाड़ों, दर्रों, ग्लेशियरों, घाटियों, नदियों, झीलों और जमीन को नया नाम दिया गया है। नए नामों में ज़ोरावर पीक, कनिष्क पीक, अतिशा गिरी, मार्तंड गिरी, रिंचेन जंगपो, शावयश्री गिरी, मारपा लोत्सावा री, मिलारेपा कांगरी, शिव री और महेश्वर री शामिल हैं। इस लिस्ट में करुण पीर, ड्रैक कार्पो और जोलमरी पहाड़ को शामिल किया गया है। इसके अलावा चापचिंगले दर्रा और शचमिर्क दर्रे को भी आधिकारिक नाम दिया गया है। नक्शे में पारिपक और स्कामारी ग्लेशियर और श्कोर्गा घाटी भी है।

यूसीसी लागू करने वाला गुजरात बना दूसरा राज्य

● राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिली मंजूरी, लागू हुआ कानून ● मार्च, 2026 में विधानसभा से पास हुआ था यह बिल

अहमदाबाद (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुजरात में यूनिफॉर्म सिविल कोड को लागू करने को अपनी स्वीकृति दे दी है। गुजरात में भूपेंद्र पटेल की अगुआई वाली सरकार ने यूनिफॉर्म सिविल कोड यानी समान नागरिक संहिता कानून को विधानसभा में पारित करके राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए भेजा था। उत्तराखंड के बाद अब गुजरात दूसरा राज्य हो गया है जहां पर यूनिफॉर्म सिविल कोड प्रभावी हो गया है। देश में सबसे पहले उत्तराखंड में यूसीसी लागू हुआ था। कुछ दिन पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि केंद्र सरकार 2029 से पहले सभी एनडीए शासित राज्यों में यूसीसी लागू करेगी। गुजरात में बीजेपी ने इसे 2022 विधानसभा चुनाव के संकल्प पत्र में रखा था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिलने के बाद, गुजरात भारत का दूसरा ऐसा राज्य बन गया है जिसे यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने की मंजूरी मिली है।

शुभ रहा 'शुक्रवार', मुक्केबाजों का 'गोल्डन' वार

● बॉक्सिंग में लवलीना और परवीन के बाद अंकुश भी छाए ● रेसलिंग में सुजीत कालकल सोना जीते ● महिला हॉकी में चीन से छिना गोल्ड

नागोया (एजेंसी)। एशियन गेम्स में शुक्रवार का दिन भारत के लिए बहुत ही शुभ रहा। भारतीय मुक्केबाजों ने एक मिनट के अंदर 2 गोल्ड मेडल जीते। बॉक्सर अंकुश पंघाल ने पुरुषों की 80 किग्रा वेट कैटेगरी में गोल्ड जीता। इससे ठीक एक मिनट पहले सुजीत कलकल ने रेसलिंग के पुरुषों के 65 किग्रा फ्रीस्टाइल में सोना अपने नाम किया। इससे पहले बॉक्सर परवीन हुड्डा ने विमेंस 65 किग्रा और लवलीना बोरगोहेन ने विमेंस 75 किग्रा वेट कैटेगरी में गोल्ड जीता। पहली बार 3 भारतीय मुक्केबाज एशियन गेम्स में चैंपियन बने हैं। सब ह भारतीय महिला तीरंदाजी टीम ने रिकर्व इवेंट में भी गोल्ड दिलाया। इसके साथ भारत के 15 गोल्ड मेडल हो गए हैं और वह मेडल टैली में 5वें नंबर पर पहुंच गया है। आर्चरी में महिला रिकर्व टीम ने साउथ कोरिया के दबदबे को खत्म करते हुए पहली बार एशियन गेम्स में गोल्ड जीता है। वहीं मिक्स्ड रिकर्व टीम भी इन खेलों में सिल्वर मेडल जीतने में सफल रही।

● **सुजीत कलकल ने 65 किग्रा फ्रीस्टाइल में जीता गोल्ड-** भारत के सुजीत कालकल ने पुरुषों के 65 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में गोल्ड मेडल जीत लिया। फाइनल में सुजीत ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए कुदियेव को 10-9 से हराया। मुकाबले में एक समय सुजीत 2-9 से पीछे थे और सिर्फ 1 मिनट 40 सेकंड का खेल बाकी था। इसके बाद उन्होंने लगातार टेकडाउन किए और तेजी से तीन बार 2-2 अंक जुटाकर स्कोर 8-9 तक पहुंचा दिया। आखिरी 11 सेकंड में सुजीत ने एक और टेकडाउन किया। इससे उन्हें 2 अंक मिले और उनका स्कोर 10 हो गया। इसी के साथ उन्होंने कुदियव के 9 अंकों को पीछे छोड़ते हुए गोल्ड अपने नाम कर लिया।

भारतीय विमेंस हॉकी को एशियाड में 44 साल बाद मिला गोल्ड

फाइनल में चीन को 1-0 से हराया, 13वें दिन छाए भारतीय

भारतीय विमेंस हॉकी टीम ने एशियन गेम्स में 44 साल बाद गोल्ड जीत लिया। टीम ने फाइनल में चीन को 1-0 से हराया। भारत के लिए एकमात्र गोल लालरेमसियामी ने किया। इससे पहले भारत ने 1982 में साउथ कोरिया को हराकर गोल्ड जीता था। भारत की महिला हॉकी टीम ने गोल्ड मेडल जीत लिया है। फाइनल में भारत ने चीन को 1-0 से हराया। यह एशियन गेम्स में भारतीय महिला हॉकी का 44 साल बाद पहला मेडल है। भारत ने इससे पहले 1982 में गोल्ड मेडल जीता था। इस जीत के साथ भारत ने लॉस एंजिलिस 2028 ओलिंपिक के लिए सीधे क्वालिफाई भी कर लिया है।

भारत 114 और राफेल खरीदेगा इसमें स्वदेशी हथियार लगेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने की योजना आगे बढ़ रही है। डिफेंस सेक्रेटरी राजेश कुमार सिंह ने कहा कि इस प्रोजेक्ट पर इस वित्त वर्ष के अंत तक फैसला हो सकता है। अभी कंपनियों से मिले प्रस्तावों की जांच की जा रही है। भारत इस डील में ज्यादा से ज्यादा स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल करना चाहता है। योजना के मुताबिक, ज्यादातर राफेल विमान भारत में असेंबल किए जाएंगे। इनमें भारत में बने हथियार और दूसरे सिस्टम लगाए जाएंगे। डिफेंस सेक्रेटरी ने बताया कि फ्रांस की कंपनी पहले खरीदे गए राफेल मरीन विमानों में भी भारतीय हथियार लगाने पर सहमत हो गई है। भारत के पास अभी 36 राफेल हैं, जो ऑपरेशन हैं। अप्रैल 2025 में नौ सेना के लिए 26 राफेल खरीदने का सौदा हुआ है। इनकी डिलीवरी 2030 तक पूरी होने की उम्मीद है। यानी 4 साल बाद देश की सेनाओं के पास 62 राफेल हो जाएंगे।

एसआईआर के बाद छूटे नामों पर अब 'ईसी' का फोकस

● 20 राज्यों में विशेष अभियान चलाएगा चुनाव आयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) पूरा कर चुके 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चुनाव आयोग विशेष अभियान चलाएगा। इसमें एसआईआर के दौरान छूटे लोगों और 18 साल की उम्र पूरी कर चुके नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े जाएंगे। चुनाव आयोग ने यह निर्देश 29 सितंबर को लिखित रूप में दिया था। गुरुवार को सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ हुई वीडियो कॉन्फ्रेंस में भी इसे दोहराया गया। पहले और दूसरे फेज में 13 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। वहीं, तीसरे फेज में 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेश में एसआईआर प्रक्रिया जारी है। इनमें से 7 राज्यों में लिस्ट जारी हो चुकी है। तीसरे फेज के 7 राज्यों के नाम नहीं बताए हैं।

● **हटाए गए नामों की भी जांच होगी-** इसके अलावा आयोग ने ईसीआईनेट की समीक्षा के लिए एक कमेटी बनाने का फैसला किया है। इसमें आईआईटी या आईआईआईटी का एक स्वतंत्र विशेषज्ञ भी शामिल होगा। जरूरत के मुताबिक सॉफ्टवेयर में बदलाव किए जाएंगे। चुनाव आयोग एसआईआर से पहले और बाद की मतदाता सूचियों की तुलना कराएगा, ताकि गलती से हटे पात्र मतदाताओं की पहचान हो सके।

मैं घायल था, लेकिन यात्रियों को मरते नहीं देख सकता था

● पीएम मोदी से वीडियो कॉल पर बोले पायलट स्मित मछार

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को फ्लाईदुबई के भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मछार से वीडियो कॉल पर बात की और एक बड़े विमान हादसे को टालने के लिए उनके अदम्य साहस की सराहना की। बुधवार को दुबई से तेल अवीव जा रही उड़ान के दौरान ओमानी मूल के को-पायलट ने कैप्टन स्मित पर चाकू से हमला कर विमान को क्रैश कराने की कोशिश की थी। हमले में गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद कैप्टन स्मित ने सूझबूझ से कॉकपिट का दरवाजा खोला, जिसके बाद यात्रियों और क्रू मेंबर्स ने हमलावर को काबू किया।

यूपी के 14 शहरों में बाढ़, मंदिरों-स्कूलों में भरा पानी

● गोंडा में 25 हजार लोग फंसे, बिहार में 3.65 लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में बारिश रुकने के बावजूद गंगा, शारदा समेत 15 नदियां खतरे के निशान के करीब हैं। उन्नाव में सई नदी का पानी 12 से ज्यादा गांवों में घुस गया है। लखनऊ के निचले इलाकों में 5 फीट तक पानी भर गया है। बाराबंकी में स्कूलों और मंदिरों में भी पानी घुस गया है। गोंडा में घाघरा खतरे के निशान से 26 सेमी ऊपर बह रही है। 30 गांव टापू में तब्दील हो गए हैं। 25 हजार से ज्यादा की आबादी बाढ़ में फंसी है। गलियों में नावें चल रही हैं। दो बच्चों की डूबने से मौत हो गई है। नेपाल से पानी आने और 10 तटबंधों के टूटने से बिहार के 6 जिलों में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। 253 गांवों में पानी घुस गया है। इससे 3.65 लाख लोग प्रभावित हैं। 44 हजार लोग घर छोड़ चुके हैं। तीन लोगों की मौत हो चुकी है। हिमाचल प्रदेश में 6-7 अक्टूबर को मैदानी इलाकों में तेज बारिश का अलर्ट है। मध्य प्रदेश में 2-3 दिनों में मानसून विदा हो सकता है। राजस्थान के बीकानेर में बारिश हो सकती है। मानसून में 22 फीसदी कम बारिश हुई। तापमान करीब 38 डिग्री है। नेपाल से आए भारी पानी और कमजोर तटबंधों के टूटने से बिहार में बाढ़ विकराल हो गई है।

यूपी में 15 नदियां उफनाईं गोंडा में 30 गांव टापू बने

यूपी में बारिश थम गई है, लेकिन नदियां अब भी उफान पर हैं। गंगा, शारदा समेत 15 नदियां खतरे के निशान के करीब बह रही हैं। उन्नाव में सई नदी का पानी 12 से ज्यादा गांवों में घुस गया है। हजारों बीघे धान की फसल डूब गई। सड़कें जलमग्न हैं। घरों-दुकानों में पानी भर गया है। लखनऊ में सई-गोमती नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। निचले इलाकों में 5 फीट तक पानी भर गया है। सड़कें जलमग्न हैं। बाराबंकी में सरयू उफान पर है। 1100 साल पुराने बाबा नारायण दास मंदिर का एक हिस्सा 4 दिन से नदी में लटका है। कुशीनगर में गंडक नदी लगातार कटान कर रही है। 48 घंटे में 6 रिहायशी झोपड़ियां और 2 पक्के मकान नदी में समा चुके हैं। गोंडा में घाघरा खतरे के निशान से 26 सेमी ऊपर बह रही है।

महाराष्ट्र के अमरावती में भीषण सड़क हादसा

ट्रक-पिकअप वैन की टक्कर, 7 लोगों की मौत

अमरावती (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अमरावती जिले में समृद्धि हाईवे पर शुक्रवार को भीषण सड़क हादसा हुआ। यहां तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से पिकअप वैन को टक्कर मार दी। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 18 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक, पिकअप में श्रद्धालु देवी दुर्गा की प्रतिमा लेकर जा रहे थे। पिकअप की रफ्तार कम थी और उसके पीछे ट्रॉली लगी हुई थी। इसी दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने ट्रॉली को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रॉली पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव का काम शुरू किया। पुलिस ने ट्रक ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है।

अनमोल वचन

कहते हैं,'समय को गँवाना जीवन को व्यर्थ करना है।' कभी आपने गौर किया है कि जीवन की दौड़ में कुछ लोग ही सफल हो पाते हैं, जबकि प्रयास तो अपने स्तर पर सभी ने किए होते हैं। कारण स्पष्ट है कि जिन लोगों ने समय रहते अपने हर कार्य को पूरा किया वे आगे बढ़ते गए, परंतु उन्हीं में से कुछ लोग अपने काम को कल पर टालते रहते रहे। वे समय के मूल्य को नहीं जान सके, इसलिए उनकी गति धीमी रह गई। इसीलिए वे आगे नहीं बढ़ पाए। याद रखिये, समय पर कार्य पूरा करने वाले लोग सदा लाभ में रहते हैं। वे औरों की अपेक्षा अधिक खुश भी रहते हैं। सभी को अहसास है कि समय किसी की प्रतीक्षा नहीं करता। आप प्रतिदिन एक लक्ष्य निश्चित करें और एक तय समय सीमा के भीतर उस कार्य को सम्पन्न करने का प्रयास करें। इस प्रकार आप समय का मूल्य पहचान पाएंगे। अपने कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से पूरा भी करने लगेंगे। समय प्रबन्धन का महत्व आपने समझ लिया तो आप भी उन्नति के सोपान पर चढ़ते जाएंगे। निश्चित ही सफलता आपके चरण चूमने को बाध्य होगी। मनीषियों का यह कथन सत्य है कि "जो समय को नष्ट करते हैं, समय उन्हें नष्ट कर देता है।"

पांच साल से बाल विवाह मुक्त 20 गांव बने मिसाल, गांधी जयंती पर ग्राम प्रधानों का सम्मान

ग्रामीणों की जागरूकता और सामूहिक प्रयास से मिली सफलता, बाल विवाह रोकने में ग्राम पंचायतों की भूमिका महत्वपूर्ण : मेहरचंद

मुजफ्फरनगर। बाल विवाह जैसी सामाजिक कुप्रथा के खिलाफ चलाए जा रहे जागरूकता अभियान में जनपद के 20 गांवों ने उल्लेखनीय मिसाल कायम की है। इन गांवों में पिछले पांच वर्षों के दौरान बाल विवाह की एक भी घटना सामने नहीं आई। लगातार पांच साल तक बाल विवाह से मुक्त रहने वाली इन ग्राम पंचायतों को अब बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत के रूप में सम्मानित किया जा रहा है। गांधी जयंती के अवसर पर विकास खंड मुजफ्फरनगर में आयोजित ग्राम प्रधान सम्मान समारोह में इन ग्राम पंचायतों की उपलब्धि को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी संजय कुमार ने बताया कि पांच वर्षों के कार्यकाल में जिन 20 गांवों में बाल विवाह की कोई घटना नहीं हुई, उन्हें बाल विवाह मुक्त गांव के रूप में घोषित किया गया है। इस उपलब्धि के लिए संबंधित ग्राम प्रधानों को सम्मानित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह की रोकथाम में ग्राम पंचायतों और जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।

जागरूकता और सामूहिक सहभागिता से मिली सफलता

गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता को और मजबूत करना तथा ग्राम पंचायतों को इस सामाजिक कुरीति की रोकथाम के लिए सक्रिय रूप से आगे आने के लिए प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम में ग्रामीणों को संदेश दिया गया कि बच्चों का कम उम्र में विवाह कराने के बजाय उन्हें शिक्षा, सुरक्षा और बेहतर भविष्य का अवसर देना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में बाल विवाह के

दुष्परिणामों और बच्चों के अधिकारों को लेकर भी ग्रामीणों को जागरूक किया गया। वक्ताओं ने कहा कि बाल विवाह केवल बच्चों के वर्तमान को प्रभावित नहीं करता, बल्कि उनके शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और भविष्य के अवसरों पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। इसलिए समाज के प्रत्येक वर्ग को इसके खिलाफ मिलकर आवाज उठानी चाहिए।

ग्राम पंचायत से लेकर परिवार तक निभानी होगी जिम्मेदारी

जिला प्रोबेशन अधिकारी संजय कुमार ने कहा कि बाल विवाह की रोकथाम किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं है। इसके लिए ग्राम पंचायत, जनप्रतिनिधियों, अभिभावकों, शिक्षकों और समाज के प्रत्येक वर्ग को मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि गांवों में लगातार जागरूकता, निगरानी और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से बाल विवाह जैसी कुप्रथा पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है। उन्होंने ग्राम प्रधानों और ग्रामीणों से अपील की कि अपने गांव को बाल विवाह मुक्त बनाए रखने के साथ आसपास के गांवों में भी जागरूकता फैलाएं। किसी भी नाबालिग के विवाह की जानकारी मिलने पर उसे नजरअंदाज करने के बजाय तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचना दें, जिससे समय रहते बाल विवाह को रोका जा सके। कार्यक्रम के दौरान बाल विवाह की सूचना देने के लिए 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन के बारे में भी ग्रामीणों को जानकारी दी गई। इसके साथ ही पोस्टर पर दिए गए टोल फ्री नंबर 1800-102-7222 के माध्यम से भी बाल विवाह की सूचना देने की अपील की गई। ग्रामीणों से कहा गया कि यदि उनके क्षेत्र में कहीं नाबालिग के विवाह की तैयारी की जानकारी मिलती है तो तत्काल सूचना देकर बच्चे का विवाह रुकवाने में सहयोग करें।

ग्रामीण समाज विकास केंद्र के सचिव मेहरचंद ने कहा कि पांच वर्षों तक बाल विवाह से पूरी तरह मुक्त रहना इन 20 गांवों के लिए केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि ग्रामीण समाज में बढ़ती जागरूकता और सामूहिक जिम्मेदारी की मिसाल है। उन्होंने कहा कि इन ग्राम पंचायतों के प्रधानों, ग्रामीणों और संबंधित विभागों के लगातार प्रयासों से यह सफलता हासिल हुई है। उन्होंने कहा कि इन 20 गांवों की पहल दूसरे गांवों के लिए भी प्रेरणादायी है। यदि ग्रामीण स्तर पर जागरूकता, निगरानी और सामूहिक सहयोग लगातार जारी रहे तो बाल विवाह जैसी सामाजिक कुप्रथा को जड़ से खत्म करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाया जा सकता है।

नहर पटरी पर चेकिंग के दौरान अवैध तमंचे के साथ आरोपी गिरफ्तार

भोपा पुलिस ने 315 बोर का तमंचा और जिंदा कारतूस किया बरामद, बुढ़ाना थाने के एनडीपीएस एक्ट के मुकदमे में भी वांछित बताया गया आरोपी

मुजफ्फरनगर। भोपा थाना पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग के दौरान एक आरोपी को अवैध शस्त्र के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 315 बोर का तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी बुढ़ाना थाने में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के मुकदमे में भी वांछित चल रहा था। आरोपी के खिलाफ भोपा थाने में अवैध शस्त्र अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई अपर पुलिस महानिदेशक मेरठ जोन, पुलिस उपमहानिरीक्षक सहारनपुर परिक्षेत्र और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय वर्मा के पर्यवेक्षण में की गई। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक, क्षेत्राधिकारी भोपा राधा रमण सिंह और प्रभारी निरीक्षक आशुतोष कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी।

धीराहेड़ी-भोपा रोड पर नहर पटरी से पकड़ा

पुलिस के मुताबिक उच्चाधिकारियों के निर्देश पर भोपा थाना पुलिस धीराहेड़ी-भोपा रोड स्थित नहर पटरी पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध व्यक्ति को रोककर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 315 बोर का अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया। बरामद अवैध हथियार को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ थाना भोपा पर मुकदमा अपराध संख्या 255/2026, धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

जौली गांव का रहने वाला है आरोपी

गिरफ्तार आरोपी की पहचान कालू उर्फ सुभाष पुत्र सरदारा निवासी ग्राम जौली, थाना भोपा, मुजफ्फरनगर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी कालू उर्फ सुभाष थाना बुढ़ाना में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के मुकदमे में भी वांछित चल रहा था। उसके खिलाफ थाना बुढ़ाना में मुकदमा अपराध संख्या 340/2026, धारा 8/18 एनडीपीएस एक्ट दर्ज है। पुलिस द्वारा जारी आपराधिक इतिहास के अनुसार आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी कई मुकदमे दर्ज हैं। इनमें थाना भोपा में वर्ष 2024 में धारा 352, 504 और 506 भारतीय दंड संहिता के तहत दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 84/2024 शामिल है। इसके अलावा थाना कोतवाली नगर में मुकदमा अपराध संख्या 263/2025, धारा 3/5/25 आर्म्स एक्ट का मामला भी दर्ज बताया गया है। वर्तमान में थाना भोपा में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 255/2026 भी उसके आपराधिक इतिहास में शामिल किया गया है। भोपा पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक 315 बोर का तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस ने बरामदगी को मुकदमे की विवेचना में शामिल करते हुए आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

नारी ही नवयुग की आधारशिला, संस्कारवान समाज के निर्माण में महिलाओं की अहम भूमिका : बीके चक्रधारी दीदी

ब्रह्माकुमारीज केशवपुरी सेवाकेंद्र की महिला संगोष्ठी में आत्मसम्मान, सकारात्मक चिंतन और आध्यात्मिकता का संदेश, राजयोग मेडिटेशन से कराया आंतरिक शक्ति का अनुभव

मुजफ्फरनगर। ब्रह्माकुमारीज केशवपुरी सेवाकेंद्र की ओर से दिव्य अनुभूति भवन, बामनहेरी में नारी नवयुग की आधारशिला विषय पर विशेष महिला संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में बड़ी संख्या में महिलाओं के साथ गणमान्य अतिथियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को आत्मसम्मान, सकारात्मक चिंतन, आध्यात्मिकता, नैतिक मूल्यों और सेवा भावना के साथ परिवार एवं समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता राजयोगिनी बीके चक्रधारी दीदी, दिल्ली जोन इंचार्ज एवं निदेशिका, बाल्टिक प्रदेश, रूसिया तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष-महिला प्रभाग, ब्रह्माकुमारीज ने कहा कि नारी केवल परिवार की धुरी नहीं है, बल्कि संस्कारवान समाज और श्रेष्ठ नवयुग के निर्माण की आधारशिला भी है। उन्होंने कहा कि यदि संसार में सुधार लाना है तो इसकी शुरूआत स्वयं से करनी होगी। मनुष्य को सबसे पहले अपने भीतर मौजूद बुराइयों और नकारात्मक विचारों का नाश करना होगा। उन्होंने कहा कि परिवार और समाज के भविष्य को बेहतर बनाने में बच्चों के संस्कारों की महत्वपूर्ण भूमिका

है। बच्चों को बचपन से ही नैतिकता, अनुशासन और अच्छे संस्कारों की शिक्षा दी जानी चाहिए। उन्हें चरित्रवान बनाने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बच्चों को कभी कमजोर नहीं समझना चाहिए, बल्कि उनके प्रति सदैव शुभ भावना रखनी चाहिए और उनके भीतर सकारात्मक सोच विकसित करनी चाहिए। बीके चक्रधारी दीदी ने कहा कि परमपिता परमात्मा का संदेश है कि मनुष्य स्वयं को आत्मा समझकर परमात्मा से अपना संबंध जोड़े। आध्यात्मिक चिंतन और परमात्मा से जुड़ाव के माध्यम से जीवन को सकारात्मक एवं दिव्य दिशा दी जा सकती है। उन्होंने महिलाओं से अपने जीवन में आध्यात्मिकता को अपनाने तथा स्वयं के भीतर आत्मविश्वास और आंतरिक शक्ति को जागृत करने का आह्वान किया।

राजयोग से मिलती है आंतरिक शक्ति

उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में मन को शांत और सकारात्मक रखना बेहद आवश्यक है। लगातार बढ़ते तनाव और नकारात्मक विचारों के बीच राजयोग एवं आध्यात्मिक चिंतन व्यक्ति को अपने विचारों को सही दिशा देने में मदद करता है। राजयोग के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर शांति, सकारात्मकता और आंतरिक शक्ति का अनुभव कर सकता है।

अतिथियों ने ब्रह्माकुमारीज के कार्यों की सराहना की

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्वेता कौशिक, जिला उपाध्यक्ष भाजपा तथा ममता चौहान, प्रधानाचार्य जीसी पब्लिक स्कूल, मुजफ्फरनगर ने ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा समाज में किए जा रहे आध्यात्मिक एवं सामाजिक कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम समाज में सकारात्मक सोच, नैतिक मूल्यों और आध्यात्मिक चेतना को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के दौरान दिल्ली से पहुंचीं बीके प्रीत बहन ने उपस्थित भाई-बहनों को राजयोग मेडिटेशन का गहन अभ्यास कराया। मेडिटेशन के दौरान उपस्थित लोगों को मन को शांत रखने, सकारात्मक विचारों पर ध्यान केंद्रित करने और आत्मिक शक्ति का अनुभव करने का अभ्यास कराया गया। वहीं दीपा बहन ने स्वागत गीत पर सुंदर नृत्य की प्रस्तुति देकर उपस्थित लोगों को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम का वातावरण आध्यात्मिक एवं प्रेरणादायी रहा। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत बीके पूजा बहन, अंजू सिंघल और अंजू त्यागी ने किया।

घरेलू विवाद में पत्नी को सिर फोड़ने की धमकी, पुलिस ने आरोपी पति को किया गिरफ्तार

मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के तहत खालापार पुलिस की कार्रवाई, समझाने के बावजूद नहीं माना तो शांति व्यवस्था के मद्देनजर पकड़ा; नगर मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया

मुजफ्फरनगर। मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के तहत महिलाओं की सुरक्षा को लेकर खालापार पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घरेलू विवाद के दौरान पत्नी के साथ झगड़ा कर रहे एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी अपनी पत्नी से घरेलू बातों को लेकर विवाद कर रहा था और उसे सिर फोड़ने की धमकी दे रहा था। पुलिस और मिशन शक्ति टीम ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को काफी समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। इसके बाद शांति व्यवस्था बनाए रखने के दृष्टिगत पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक नगर एवं पुलिस अधीक्षक अपराध के निकट पर्यवेक्षण तथा सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के अंतर्गत महिलाओं से संबंधित मामलों में त्वरित कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 2 अक्टूबर 2026 को उपनिरीक्षक महेन्द्र प्रताप सिंह पुलिस टीम, एंटी रोमियो टीम एवं मिशन शक्ति टीम के साथ क्षेत्र में भ्रमण कर रहे थे।

इसी दौरान पुलिस टीम कुंगर पट्टी, ग्राम सुजड़ू पहुंची। पुलिस ने मौके पर देखा कि राजेश उर्फ टीटू पुत्र रामशरण, निवासी मकान नंबर 776, कुंगर पट्टी,

ग्राम सुजड़ू, थाना खालापार, अपनी पत्नी सीमा से घरेलू बातों को लेकर विवाद कर रहा था। आरोप है कि विवाद के दौरान वह पत्नी को सिर फोड़ने की धमकी दे रहा था, जिससे मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। पुलिस और मिशन शक्ति टीम ने मामले को शांत कराने के लिए आरोपी को काफी समझाने का प्रयास किया। पुलिस के मुताबिक समझाने के बावजूद आरोपी मानने को तैयार नहीं हुआ और विवाद की स्थिति बनी रही। इसके बाद पुलिस ने मौके पर शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी अप्रिय स्थिति को रोकने के लिए आरोपी के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी राजेश उर्फ टीटू को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 170/126/135 के तहत गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद उसे नगर मजिस्ट्रेट के न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

मुजफ्फरनगर में गांधी-शास्त्री जयंती पर ओपन वॉक रेसः सीएमओ ने किया शुभारंभ, रोहित और अनन्या बने विजेता

नुमाइश मैदान से सुजड़ू चुंगी तक आयोजित हुई दौड़, खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के पावन अवसर पर जिला प्रशासन एवं खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निदेर्शों के अनुपालन में मुजफ्फरनगर में भव्य खेल आयोजन हुआ। जिला खेल कार्यालय द्वारा महिला एवं पुरुष वर्ग के लिए 'ओपन वॉक रेस प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया, जिसमें खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का औपचारिक शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। यह वॉक रेस नुमाइश मैदान के मुख्य गेट से शुरू होकर सुजड़ू चुंगी तक पहुंची और फिर वहां से वापस लौटकर नुमाइश ग्राउंड गेट पर ही संपन्न हुई। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए खिलाड़ियों ने

स्थान प्राप्त किया। इनमें पुरुष वर्ग में प्रथमःरोहित, द्वितीयः कन्हैया, तृतीयः जॉनी, चतुर्थः धैर्य, पंचमः दीपांशु, षष्ठमः सात्विक के अलावा महिला वर्ग में प्रथमः अनन्या, द्वितीयः काव्या, तृतीयः सरू, चतुर्थः राधिका, पंचमः माही, षष्ठमः वंशिका रही। रेस की समाप्ति के बाद जिला खेल कार्यालय परिसर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। अधिकारियों एवं खिलाड़ियों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं श्री लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्रों पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान गांधी जी के सत्य व अहिंसा के सिद्धांतों तथा शास्त्री जी के 'जय जवान, जय किसान' के अमर नारे को याद किया गया। कार्यक्रम में प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी भूपेंद्र सिंह यादव, उपक्रीड़ा अधिकारी सुश्री पूनम विश्नोई, जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव संजीव बालियान, जिला शूटिंग बॉल सचिव पवन कुमार सहित क्रीड़ा कार्यालय के समस्त अंशकालिक प्रशिक्षक एवं कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के समापन पर प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी भूपेंद्र सिंह यादव ने प्रतियोगिता में पधारे सभी अतिथिगण, प्रतिभागी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और पत्रकार बंधुओं का आभार व्यक्त किया।

न्यायालय कर्मचारियों ने निकाली शांतिपूर्ण तिरंगा यात्रा

लंबित मांगों के समाधान और न्यायोचित अधिकारों को लेकर शासन का ध्यान कराया आकर्षित

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर जनपद न्यायालय में कार्यरत कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों और समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर जिला न्यायालय परिसर में शांतिपूर्ण तिरंगा यात्रा निकाली। कर्मचारियों ने तिरंगा यात्रा के माध्यम से शासन का ध्यान अपनी मांगों की ओर आकर्षित किया।

दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ के प्रादेशिक नेतृत्व के आह्वान पर प्रदेश के जनपद न्यायालयों में कार्यरत कर्मचारी अपनी मांगों के समाधान को लेकर शांतिपूर्ण आंदोलन की राह पर हैं। संघ के प्रान्तीय संगठन सचिव अजय कुमार गर्ग ने बताया कि प्रदेशव्यापी आंदोलन के तृतीय चरण में जनपद न्यायालयों में कार्यरत कर्मचारियों ने जिला न्यायालय परिसर में शांतिपूर्ण तिरंगा यात्रा निकालकर शासन का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि यह तिरंगा यात्रा केवल प्रदर्शन कार्यक्रम नहीं, बल्कि न्यायालयों में कार्यरत कर्मचारियों की एकता, अनुशासन, राष्ट्र के प्रति सम्मान और अपने न्यायोचित अधिकारों के प्रति सजगता का शांतिपूर्ण संदेश है। दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ की मुजफ्फरनगर जिला शाखा के अध्यक्ष अमरदीप सिंह ने बताया कि शासन स्तर पर जनपद न्यायालय कर्मियों से संबंधित अनेक मांगें लंबित चली आ रही हैं। इन मांगों के संबंध में प्रादेशिक नेतृत्व द्वारा कई बार पत्राचार के माध्यम से शासन को अवगत कराया जा चुका है। उन्होंने बताया कि पिछले माह जनपद न्यायालय के कर्मचारियों ने अपनी मांगों के संबंध में मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन स्थानीय विधायक एवं राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल के माध्यम से सौंपा था। इसी क्रम में आंदोलन के तृतीय चरण के रूप में कर्मचारियों ने न्यायालय परिसर में अपने लिए न्याय पाने के लिए सत्याग्रह का रास्ता चुनते हुए शांतिपूर्ण तिरंगा यात्रा निकाली।

बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने लिया हिस्सा

तिरंगा यात्रा में जनपद न्यायालय के कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी अतुल अग्रवाल, दीपक कुमार, जिला शाखा के कोषाध्यक्ष आदेश कुमार शर्मा, सह कोषाध्यक्ष अरुण कुमार जावला, बिजेन्द्र कुमार, अरुण कुमार गौतम, संजय वशिष्ठ, वसीम अख्तर, संजय पुण्डीर, गोपाल कुमार, मेहताब अली, विश्वास प्रसाद शर्मा, विपिन कुमार सिंह, मयंक अग्रवाल, सहदेव कुमार, संजय वर्मा, राहुल चौधरी, गौरव कुमार, मुकेश कुमार, कुलदीप शर्मा, यशोवेन्द्र, संदीप कुमार, परमवीर सिंह, शैलेन्द्र, तरुण कुमार सिंघल, प्राजुल त्यागी, मोनू वैधवान, मयंक कौशिक, सुमित शर्मा, भवनीश कुमार, आशुतोष सिंह, अखिल त्रिवेदी, प्रकाश पाण्डेय, आगम, हिमांशु, विपिन पाल, आसिफ खान, नसीम अहमद तथा सनसपाल सिंह आदि कर्मचारी उपस्थित रहे।

वहलना बाईपास के नीचे खंडहर दुकान में छिपा मिला अवैध तमंचाधारी, पुलिस ने दबोचा

खालापार पुलिस ने 12 बोर का देशी तमंचा किया बरामद, पंजाब के भटिंडा थाने के पुराने मुकदमे में फरार चलने का भी पुलिस ने किया दावा

मुजफ्फरनगर। खालापार थाना पुलिस ने शातिर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक आरोपी को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 12 बोर का एक देशी तमंचा बरामद किया है। आरोपी की गिरफ्तारी वहलना-शामली बाईपास पुल के नीचे खंडहर पड़ी दुकान से की गई। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ मुजफ्फरनगर के अलावा पंजाब के भटिंडा और अन्य थानों में भी मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक नगर के निकट पर्यवेक्षण तथा सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में जनपद में शातिर एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के दौरान खालापार पुलिस को अवैध हथियार के साथ एक संदिग्ध आरोपी के मौजूद होने की सूचना मिली।

वहलना बाईपास के नीचे पुलिस ने घेरा

पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए वहलना-शामली बाईपास पुल के नीचे खंडहर पड़ी दुकान के पास घेराबंदी की। यहां से पुलिस ने इरफान पुत्र इस्लाम निवासी ग्राम बघरा, थाना तितावी, जनपद मुजफ्फरनगर, हाल पता मुगल गार्डन, 40 फुटा रोड, थाना खालापार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक 12 बोर का अवैध देशी तमंचा बरामद करने का दावा किया है। पुलिस के अनुसार बरामद हथियार के संबंध में खालापार थाने पर आरोपी के खिलाफ

मु0अ0सं0 172/2026, धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी इरफान के खिलाफ पंजाब के भटिंडा जनपद के थाना बली में मु0अ0सं0 41/2010, धारा 457/380 भादवि के तहत मुकदमा दर्ज है। पुलिस के मुताबिक उक्त मामले में आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा है और उसे पंजाब पुलिस का मफरूर बताया गया है। इसके अलावा पुलिस ने आरोपी का आपराधिक इतिहास भी सामने रखा है। उसके खिलाफ थाना कोतवाली नगर मुजफ्फरनगर में मु0अ0सं0 134/2015, धारा 147/148/149/302/307/341 भादवि तथा मु0अ0सं0 1335/2015, धारा 25/27 आर्म्स एक्ट के मुकदमे दर्ज होने की जानकारी दी गई है।

पुलिस के रिकॉर्ड के अनुसार थाना तितावी में भी वर्ष 2012 में गुंडा नियंत्रण अधिनियम से संबंधित कार्रवाई दर्ज है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ के साथ उसके पुराने आपराधिक मामलों और फरारी के संबंध में भी जानकारी जुटा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपी के आपराधिक इतिहास को देखते हुए उसके संबंध में अन्य थानों और राज्यों से भी जानकारी जुटाई जा रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि आरोपी अवैध तमंचा कहां से लेकर आया था और इसका इस्तेमाल किसी आपराधिक वारदात में किया गया है या नहीं।

आरोपी की गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक संजय सिंह, चौकी प्रभारी वहलना, हेड कांस्टेबल राहुल कुमार, हेड कांस्टेबल मनोज कुमार, हेड कांस्टेबल कमल सिंह और कांस्टेबल संदीप कुमार शामिल रहे। खालापार पुलिस का कहना है कि अवैध हथियार रखने और आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

सेवा सेतु सरकार आपके द्वार शिविर में 15 शिकायतों का शत-प्रतिशत समाधान

पुरकाजी में सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम का समापन, स्वास्थ्य शिविर में मरीजों की जांच कर वितरित की गईं आवश्यक दवाएं

मुजफ्फरनगर। सेवा संकल्प अभियान के तहत चलाए जा रहे ह्यसेवा सेतु-सरकार आपके द्वारह्न कार्यक्रम का शुक्रवार को पुरकाजी में समापन किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों की समस्याओं और जरूरतों को मौके पर सुनते हुए उनके निस्तारण की प्रक्रिया को प्राथमिकता दी गई। शिविर के अंतर्गत प्राप्त कुल 15 आवेदनों का शत-प्रतिशत समाधान किए जाने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड विकास अधिकारी पुरकाजी ओमकार सिंह ने की। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख मालती रानी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर माल्यार्पण के साथ हुई। ब्लॉक प्रमुख मालती रानी ने दोनों महान विभूतियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके आदर्शों को याद किया। कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी गांधी जी एवं शास्त्री जी के जीवन से प्रेरणा लेते हुए जनसेवा को प्राथमिकता देने का संदेश दिया। इस दौरान सेवा और जनकल्याण से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया।

15 आवेदनों का मौके पर किया गया समाधान

सेवा सेतु-सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लोगों तक सरकारी सेवाओं और योजनाओं को पहुंचाना तथा उनकी समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान सुनिश्चित करना है। शिविर में विभिन्न मामलों से संबंधित कुल 15 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका शत-प्रतिशत समाधान किए जाने की जानकारी दी गई। शिविर में संबंधित विभागों के माध्यम से लोगों की समस्याओं को सुना गया और उपलब्ध संसाधनों एवं नियमों के तहत उनके निस्तारण की कार्रवाई की गई। इससे ग्रामीणों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने की जरूरत कम हुई। कार्यक्रम के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पुरकाजी की ओर से जन स्वास्थ्य शिविर भी लगाया गया। शिविर में पहुंचे मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। चिकित्सकीय जांच के बाद मरीजों को आवश्यकतानुसार दवाओं का वितरण भी किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शिविर में आने वाले लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने तथा किसी भी बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर समय से चिकित्सकीय परामर्श लेने की सलाह दी। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित ह्यसेवा सेतु-सरकार आपके द्वारह्न कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों तक प्रशासनिक सेवाएं और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं सुविधाएं पहुंचाने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शासन की सेवाओं को आमजन के करीब लाना और पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाना रहा। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित मामलों के समाधान पर जोर दिया। 15 आवेदनों के शत-प्रतिशत निस्तारण को शिविर की प्रमुख उपलब्धि के रूप में बताया गया।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक:
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

रॉयल बुलेटिन

मुजफ्फरनगर समाचार

शनिवार 03 अक्टूबर 2026 पृष्ठ 3

रामपुर तिराहा कांड की 32वीं बरसी पर सीएम धामी ने शहीदों को किया नमन, सातों शहीदों की प्रतिमाओं के लिए 27 लाख मंजूर

शहीद स्थल पर भूमि पूजन कर प्रतिमा स्थल का किया शिलान्यास, बोले–शहीदों और आंदोलनकारियों का बलिदान उत्तराखंड की भावी पीढ़ियों को देता रहेगा प्रेरणा; भूमि दान करने वाले स्व. पंडित महावीर शर्मा के योगदान को भी किया याद

मुजफ्फरनगर। रामपुर तिराहा कांड की 32वीं बरसी पर शुक्रवार को रामपुर तिराहा स्थित शहीद स्मारक स्थल पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शहीद स्थल पहुंचे और उत्तराखंड राज्य निर्माण आंदोलन के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने शहीदों की स्मृति में बनने वाले प्रतिमा स्थल का शिलान्यास किया और सातों शहीदों की प्रतिमाएं स्थापित करने के लिए 27 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत किए जाने की जानकारी दी।

इस दौरान रामपुर तिराहा शहीद स्थल पर भावुक माहौल रहा। राज्य आंदोलनकारी, शहीदों के परिजन, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को भी श्रद्धांजलि अर्पित की। सातों शहीदों की स्मृति में बनेगा प्रतिमा स्थल

रामपुर तिराहा कांड में शहीद हुए राज्य आंदोलनकारियों की स्मृति को स्थायी रूप से संरक्षित करने की दिशा में मुख्यमंत्री ने प्रतिमा स्थल के निर्माण की घोषणा को आगे बढ़ाया। शुक्रवार को प्रतिमा स्थल का शिलान्यास किया गया। इसके लिए 27 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। इससे पहले शहीदों की प्रतिमाओं को लेकर शासनादेश में चार प्रतिमाओं का उल्लेख होने से विवाद की स्थिति बनी थी। अब सभी सात शहीदों की प्रतिमाएं स्थापित किए जाने की बात सामने आई है और शासनादेश में संशोधन की प्रक्रिया की जानकारी भी सामने आई है।

मुख्यमंत्री ने रामपुर तिराहा शहीद स्मारक के लिए भूमि दान करने वाले स्व. पंडित महावीर शर्मा के योगदान को विशेष रूप से याद किया। उन्होंने कहा कि पंडित महावीर शर्मा का स्मारक के लिए भूमि दान करना महत्वपूर्ण योगदान था। उनके योगदान को सम्मान देते हुए उनकी प्रतिमा भी स्मारक परिसर में स्थापित की गई है।बमुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे लोगों का योगदान केवल किसी एक स्थान या आयोजन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को समाज के प्रति जिम्मेदारी और सहयोग की प्रेरणा देता है। कठिन दौर में आंदोलनकारियों के साथ खड़े हुए स्थानीय लोग

मुख्यमंत्री ने रामपुर तिराहा कांड के दौरान राज्य आंदोलनकारियों की सहायता करने वाले स्थानीय लोगों का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उस कठिन समय में स्थानीय लोगों ने आगे बढ़कर आंदोलनकारियों को सहयोग दिया और उन्हें शरण दी। उन्होंने कहा कि संकट के समय स्थानीय लोगों द्वारा आंदोलनकारियों के साथ खड़ा होना मानवीय संवेदना और सामाजिक सहयोग का उदाहरण था। उत्तराखंड की जनता ऐसे योगदान को सदैव स्मरण रखेगी।

मातृशक्ति के संघर्ष को बताया अतुलनीय

मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड राज्य निर्माण आंदोलन में मातृशक्ति की भूमिका को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि माताओं और बहनों ने आंदोलन के दौरान अनेक कठिनाइयों का सामना किया और पृथक राज्य की मांग को निर्णायक मुकाम तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड आंदोलन केवल राजनीतिक मांग नहीं था, बल्कि इसमें समाज के अलग-अलग वर्गों की भागीदारी रही। महिलाओं ने घर-परिवार की जिम्मेदारियों के साथ आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई और लंबे संघर्ष का हिस्सा बनीं। आंदोलनकारियों ने देखा था अधिकार और सम्मान वाले उत्तराखंड का सपना

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य आंदोलनकारियों ने ऐसे उत्तराखंड का सपना देखा था, जहां प्रत्येक नागरिक के अधिकारों का सम्मान हो, युवाओं को आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें और राज्य की संस्कृति एवं परंपराएं सुरक्षित रहें। उन्होंने कहा कि राज्य का निर्माण लंबे संघर्ष और बलिदान के बाद हुआ।

मुजफ्फरनगर पालिका में गांधी-शास्त्री जयंती पर ध्वजारोहण: उत्कृष्ट कार्य करने वाले सफाई मित्रों और समाजसेवियों को मिला सम्मान

स्वच्छ व सुंदर शहर के लिए पालिका के प्रयासों के साथ जनभागीदारी अनिवाय:मीनाक्षी स्वरूप

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के पावन अवसर पर नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर के परिसर में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने विधिवत ध्वजारोहण कर दोनों महान विभूतियों के चित्रों पर श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके कालजयी आदर्शों को नमन किया। ध्वजारोहण के उपरांत पालिका परिसर स्थित सभाकक्ष में 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत चलाए जा रहे ह्यस्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत विशेष सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। शहर की स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और इसे सुंदर रूप देने में दिन-रात योगदान देने वाले नगर पालिका के सफाई मित्रों तथा स्वच्छता के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने वाले समाजसेवियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सभा को संबोधित करते हुए पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी स्वच्छता को एक स्वस्थ और सशक्त समाज की मूल बुनियाद मानते थे। इसी विचार को आत्मसात करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गांधी जयंती को स्वच्छता जागरूकता से जोड़ा, जिससे देश भर में एक व्यापक मुहिम की शुरूआत हुई। उन्होंने जोर देकर कहा कि स्वच्छता के संदेश को केवल विशेष अवसरों या औपचारिक आयोजनों तक सीमित रखने के बजाय प्रत्येक नागरिक को इसे अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। शहर की सफाई व्यवस्था पर पालिकाध्यक्ष ने कहा कि मुजफ्फरनगर को स्वच्छ और व्यवस्थित रखने में सबसे अहम योगदान हमारे सफाई मित्रों का है, जो प्रतिदिन विषम परिस्थितियों में भी मेहनत कर शहर को साफ रखते हैं। उन्होंने कहा कि केवल नगरपालिका के प्रयासों से शहर सुंदर नहीं बन सकता। जब तक प्रत्येक नागरिक अपने घर और आसपास की सफाई की जिम्मेदारी नहीं लेगा और कचरा केवल निर्धारित स्थानों पर नहीं डालेगा, तब तक व्यवस्था पूर्ण नहीं होगी। जनसहयोग से ही शहर में सकारात्मक बदलाव तेजी से दिखाई देगा। समारोह में अधिशासी अधिकारी पवन कुमार, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनु चौधरी, सभासद देवेश कौशिक, शहजाद और सुन्दर सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय महिला व पुरुष कार्यकताओं ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया।

कुंडल झपटमारी का खुलासा: मुठभेड़ में शातिर बदमाश परवेज घायल

सिविल लाइन क्षेत्र में महिला के कान से सोने का कुंडल झपटकर फरार हुआ था आरोपी, रुड़की रोड पर पुलिस से मुठभेड़, लूटा कुंडल, बिना नंबर की पल्सर और तमंचा बरामद

मुजफ्फरनगर। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में महिला के कान से सोने का कुंडल झपटकर फरार हुए बदमाश को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। गुरुवार देर रात रुड़की रोड पर चेकिंग के दौरान पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस के अनुसार रोकने का इशारा करने पर बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी और बाइक मोड़कर भागने लगा। पुलिस ने पीछा किया तो कुछ दूरी पर उसकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर फिसल गई। इसके बाद बदमाश बाइक छोड़कर जंगल की ओर भागते हुए भी पुलिस टीम पर फायरिंग करता रहा। जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस के अनुसार घायल बदमाश की पहचान परवेज पुत्र आशिफ निवासी मेरठ के रूप में हुई है। उसके कब्जे से महिला से झपटा गया सोने का एक कुंडल, वारदात में प्रयुक्त पल्सर मोटरसाइकिल बिना नंबर प्लेट, 315 बोर का तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद हुआ है।

मामला 7 सितंबर 2026 का है। सिविल लाइन थाना क्षेत्र निवासी अजनीर सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि उसका सदर बाजार में सिंह मेडिकल स्टोर है। रात करीब दस बजे उसकी पत्नी और साली घर से खाना लेकर पैदल मेडिकल स्टोर पर पहुंची थीं। खाना देने के बाद दोनों वापस जा रही थीं। इसी दौरान पीछे से मोटरसाइकिल सवार एक अज्ञात व्यक्ति आया और उसकी साली के दाहिने कान का सोने का कुंडल झपटकर फरार हो गया। अंधेरा होने के कारण पीड़िता मोटरसाइकिल का नंबर नहीं देख सकी थी। मामले में थाना सिविल लाइन पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर बदमाश की तलाश शुरू कर दी थी। घटना के बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने वारदात के शीघ्र अनावरण और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए थाना सिविल लाइन पुलिस तथा

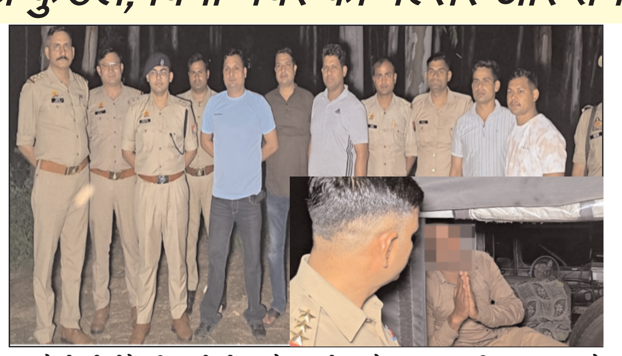

एसओजी की टीमें गठित की थीं। इसके बाद पुलिस टीमों ने घटनास्थल के आसपास की जानकारी जुटाने के साथ ही बदमाश की तलाश शुरू कर दी।

पुलिस के मुताबिक 2 अक्टूबर की देर रात संयुक्त टीम रुड़की रोड पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान रामपुर तिराहा की ओर से एक युवक पल्सर मोटरसाइकिल पर आता दिखाई दिया। पुलिस टीम ने उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन उसने बाइक रोकने के बजाय पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया। बदमाश ने मोटरसाइकिल को तेजी से वापस मोड़ा और भागने लगा। पुलिस टीम ने उसका पीछा किया। पुलिस के अनुसार बदमाश द्वारा की गई फायरिंग में पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। पुलिस टीम पीछा करती हुई आगे बढ़ी तो कुछ दूरी पर बदमाश की मोटरसाइकिल तेज रफ्तार के कारण अनियंत्रित होकर फिसल गई। बदमाश बाइक मौके पर छोड़कर जंगल की ओर भागने लगा। पुलिस के मुताबिक उसने जंगल में भागते समय भी पुलिस टीम पर फायरिंग जारी रखी।

पुलिस टीम ने उसे फायरिंग बंद कर आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन बदमाश ने चेतावनी को नजरअंदाज करते हुए गोली चलाना जारी रखा। इसके बाद पुलिस टीम ने आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की, जिसमें परवेज घायल हो गया। पुलिस ने उसे दबोच लिया और उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया।

मुठभेड़ के बाद पुलिस ने बदमाश के कब्जे से महिला से झपटा गया सोने का कुंडल बरामद कर लिया। इसके साथ ही बिना नंबर प्लेट की पल्सर मोटरसाइकिल, 315 बोर का तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस भी मिला। पुलिस अब बरामद बाइक और हथियार के संबंध में भी जांच कर रही है। सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर सिद्धार्थ के. मिश्रा के अनुसार गिरफ्तार बदमाश परवेज का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है।

पचेंडा बाईपास पर तेज रफ्तार ट्रैक्टर का कहर, दो युवकों की मौत

घर लौट रहे बाइक सवार चार युवकों को ट्रैक्टर ने मारी टक्कर, दो की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत, दो अन्य घायल, अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। नई मंडी थाना क्षेत्र के पचेंडा बाईपास पुल के पास बुधवार देर रात तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में दो युवकों की उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल युवकों का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। मृतक के पिता की तहरीर पर नई मंडी पुलिस ने अज्ञात ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने ट्रैक्टर के नंबर के आधार पर आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस को दी गई तहरीर में ग्राम दतियाना थाना छपार निवासी जयवीर सिंह पुत्र बुद्ध सिंह ने बताया कि उनके तीन बेटे हैं। उनका दूसरा बेटा उज्जवल गांधी कॉलोनी में स्थित एक कैफे पर काम करता था। उज्जवल अपने साथी निखिल पुत्र सुनील के साथ कैफे से काम समाप्त करने के बाद अक्सर देर रात बाइक से अपने घर लौटता था। बुधवार रात भी दोनों काम खत्म होने के बाद बाइक से घर के लिए निकले थे।

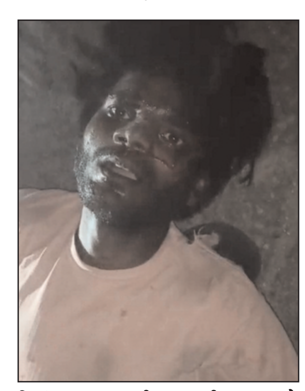

रात करीब 11 बजे पचेंडा बाईपास पर हुआ हादसा तहरीर के अनुसार 30 सितंबर 2026 की रात करीब 11 बजे उज्जवल अपने साथी निखिल के साथ बाइक संख्या यूपी12बीई4483 पर सवार होकर पचेंडा रोड होते हुए अपने घर दतियाना की ओर लौट रहा था। दोनों जब पचेंडा बाईपास पुल के पास पहुंचे तो वहां उनके गांव के ही शिवम उर्फ टिकू तथा वंश पुत्र मनोज खड़े मिले। उज्जवल और निखिल ने बाइक रोककर दोनों युवकों से बातचीत शुरू कर दी। इसी दौरान मेरठ की ओर से एक ट्रैक्टर संख्या यूपी12बीयू6656 वहां पहुंचा। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि ट्रैक्टर चालक वाहन को काफी तेज गति और लापरवाही से चला रहा था।

बताया गया है कि ट्रैक्टर चालक ने वाहन पर नियंत्रण नहीं रखा और वहां खड़े चारों युवकों को टक्कर मार दी। अचानक हुए हादसे में उज्जवल, निखिल, शिवम उर्फ टिकू और वंश गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए। लोगों ने घायलों को संभाला और पुलिस तथा एंबुलेंस को घटना की सूचना दी। कुछ ही देर में एंबुलेंस की मदद से चारों घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने चारों घायलों का उपचार शुरू किया, लेकिन उज्जवल और निखिल की हालत गंभीर बनी हुई थी। उपचार के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया। दो युवकों की मौत की खबर मिलते ही उनके परिवारों में कोहराम मच गया। परिजन आनन-फानन में जिला अस्पताल पहुंचे। वहीं हादसे में घायल शिवम उर्फ टिकू और वंश का उपचार जारी बताया गया है। दो युवकों की मौत के बाद पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू की।

शुकतीर्थ से मोरना तक कांग्रेस ने निकाली किसान अधिकार यात्रा: प्रदेशाध्यक्ष अजय राय हुए शामिल, ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ सड़कों पर उतरे किसान

एमएसपी, गन्ना भुगतान और बढ़ती महंगाई को लेकर भाजपा सरकार पर बोला जोरदार हमला

मोरना (मुजफ्फरनगर)। किसान कांग्रेस के बैनर तले शुक्रवार को तीर्थ नगरी शुकतीर्थ से मोरना चीनी मिल तक विशाल 'किसान अधिकार यात्रा' का आयोजन किया गया। इस यात्रा में बड़ी संख्या में किसान अपने ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ शामिल हुए, जिससे सड़कों पर जनसैलाब उमड़ पड़ा। यात्रा के दौरान किसानों और आम जनता से जुड़े गंभीर मुद्दों–जैसे वोट चोरी, राम मंदिर चंदा चोरी, किसान कर्ज माफी, इंडो-अमेरिकन डील, इथेनॉल मिलावट, गन्ना भुगतान, एमएसपी गारंटी कानून, जर्जर सड़कें, महंगी होती स्वास्थ्य सेवाएं, नीट परीक्षा घोटाला, बेरोजगारी, बढ़ते अपराध, असुरक्षा और महंगाई को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की नीतियों पर जमकर निशाना साधा गया।

किसानों पर फर्जी मुकदमे दर्ज कर रही सरकार: अजय राय

कार्यक्रम में मुख्य रूप से पहुंचे कांग्रेस उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष अजय राय ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार लगातार किसानों की आवाज को

कुचलने का काम कर रही है। अजय राय ने कहा कि आंदोलन करने वाले निर्दोष किसानों पर फर्जी मुकदमे लादे जा रहे हैं और कड़कड़ाती ठंड में किसानों की मौत हो रही है। भ्रामक प्रचार के दम पर सत्ता में आई यह सरकार जनता को लूटने का काम कर रही है, जिसे कांग्रेस किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। राहुल गांधी देश में लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए सड़क से लेकर संसद तक लगातार संघर्ष कर रहे हैं। यात्रा के मोरना चीनी मिल पहुंचने पर आयोजित सभा में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी सुरेंद्र पाल गौतम ने कहा कि मोदी सरकार ने देश के किसानों के साथ छल किया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार की गलत नीतियों के कारण किसान आत्महत्या करने को मजबूर हैं। जब तक फसलों का उचित और लाभकारी मूल्य नहीं मिलेगा, तब तक किसानों की आय दोगुनी होना असंभव है। उन्होंने याद दिलाया कि कृषि सुधार के नाम पर लाए गए तीन काले कानूनों के विरोध में दिल्ली सीमाओं पर 13 महीने चले ऐतिहासिक धरने में सैकडो किसानों ने अपनी शहादत दी थी। राहुल गांधी आज भी किसान और मजदूरों के हक के लिए मुस्तैदी से लड़ाई लड़ रहे हैं। यात्रा के मुख्य आयोजक मनोज चौधरी ने प्रधानमंत्री पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता से 15 लाख रुपये खातों में भेजने और काला धन वापस लाने का वादा किया गया था। लेकिन न तो खातों में पैसा आया और न ही काला धन वापस मिला, उल्टा देश में काला धन और कर्ज चार गुना बढ़ गया है। उन्होंने यह भी मुद्दा उठाया कि पेट्रोल में 40 प्रतिशत से अधिक एथेनॉल मिलाया जा रहा है, जिससे गाड़ियों के इंजन खराब हो रहे हैं और आम जनता का नुकसान हो रहा है। यह किसान अधिकार यात्रा शुकतीर्थ और इलाबास से शुरू होकर गांव बहुपुरा, भोकरहेड़ी, छछरौली और मोरना होते हुए मोरना चीनी मिल परिसर पहुंची। इस अवसर पर किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अखिलेश शुक्ला, जिलाध्यक्ष सतपाल कटारिया, शीतल मान, रोहित जाखड़, संजीव आर्य, राजीव राठी, सईदुलजमा, सुबोध शर्मा, लव बालियान, सतीश चौधरी, वरुण कुमार, यशपाल राठी, नीरज राठी, नेमपाल प्रधान और परविंदर बालियान सहित कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और हजारों की संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

जग्गाहेड़ी टोल पर वीएचपी-बजरंग दल कार्यकताओं का हंगामा, टोल कराया फ्री

टोल मैनेजर से कथित गाली-गलौज और बदसलूकी को लेकर भड़का विवाद, कार्यकताओं ने जाम लगाकर किया विरोध प्रदर्शन; करीब एक घंटे तक टोल फ्री, भारी पुलिस बल तैनात

मुजफ्फरनगर। जग्गाहेड़ी टोल प्लाजा पर शुक्रवार को विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकताओं का टोल मैनेजर से कथित गाली-गलौज और बदसलूकी को लेकर विवाद हो गया। विवाद के बाद बड़ी संख्या में कार्यकर्ता टोल प्लाजा पर पहुंच गए और जाम लगाकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। कार्यकताओं के आक्रोश को देखते हुए टोल को फ्री करा दिया गया। करीब एक घंटे तक टोल फ्री रहने से टोल परिसर में अफरा-तफरी और वाहनों की आवाजाही को लेकर स्थिति तनावपूर्ण बनी रही। बताया गया कि सुबह शामली की ओर से कार्यकर्ता मुजफ्फरनगर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान जग्गाहेड़ी टोल पर टोल मैनेजर और एक कार्यकर्ता के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। उस समय मामला शांत हो गया, लेकिन कार्यक्रम समाप्त होने के बाद मुजफ्फरनगर से वापस लौटते समय

कार्यकताओं का गुस्सा फिर भड़क गया। शाम को कार्यक्रम से वापस लौट रहे विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकताओं ने जग्गाहेड़ी टोल पर पहुंचकर विरोध शुरू कर दिया। देखते ही देखते बड़ी संख्या में कार्यकर्ता टोल परिसर में एकत्र हो गए। कार्यकताओं ने टोल पर जाम लगाकर विरोध जताया और टोल कर्मचारियों के खिलाफ नाराजगी जाहिर की। कार्यकताओं का आरोप था कि सुबह टोल पर उनके साथी के साथ कथित तौर पर गाली-गलौज और बदसलूकी की गई थी। इसी बात को लेकर कार्यकर्ता नाराज थे और उन्होंने टोल मैनेजर के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान टोल परिसर में कार्यकताओं ने जय श्रीराम के नारे लगाए। इसके साथ ही कार्यकताओं ने बजरंग दल के चीते हैं, खुलकर जीते हैं जैसे नारे भी लगाए। बड़ी संख्या में कार्यकताओं के एकत्र होने से टोल परिसर में काफी देर तक माहौल गरमाया रहा। कार्यकताओं के विरोध के चलते टोल पर वाहनों से शुल्क लेना बंद कर दिया गया और टोल फ्री कर दिया गया। इससे टोल से गुजरने वाले वाहन बिना शुल्क दिए निकलते रहे। कार्यकताओं के रोष के चलते करीब एक घंटे तक टोल फ्री रहा। इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता टोल परिसर में मौजूद रहे। स्थिति को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने भी सतर्कता बढ़ा दी। सीओ फुगाना नरेंद्र यादव और थाना प्रभारी जयवीर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर कार्यकताओं से बातचीत की और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। पुलिस की मौजूदगी में टोल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। अधिकारियों की ओर से पूरे घटनाक्रम की जानकारी जुटाई जा रही है। बताया जा रहा है कि विवाद की शुरूआत सुबह हुई थी, जब कार्यकर्ता शामली की ओर से मुजफ्फरनगर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। टोल पार करते समय टोल मैनेजर और एक कार्यकर्ता के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। इसके बाद कार्यकर्ता कार्यक्रम में चले गए।

एम.जी. पब्लिक में उत्साह एवं उल्लास से मनी गांधी जी-शास्त्री जी की जयंती

मुजफ्फरनगर। एम.जी. पब्लिक स्कूल में दो अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 157वीं और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की 122वीं जयंती ओजस्वी उल्लास और उत्साह के साथ मनाई गई। छात्रों ने देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम प्रस्तुत किये, वैष्णव और रामधुन भजन तथा राष्ट्रवाद के लिए प्रेरित करते गीतों को गाकर इन महान नेताओं को श्रद्धांजलि दी और प्रेरणादायक भाषणों के जरिए विकसित भारत 2047 के लिए अपने सपनों के भारत का एक विस्तृत दर्शन प्रस्तुत करते हुए विचार साझा किए। प्रधानाचार्या श्रीमती मोनिका गर्ग ने बताया कि दो अक्टूबर को गांधी और शास्त्री जयंती विद्यालय परिसर में उत्साह और उल्लास के साथ मनाई गई। मुख्य अतिथि के रूप

में एम.जी. चेरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन सतीश चन्द गोयल उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि एवं प्रधानाचार्या द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर पुष्प अर्पित करते हुए उनके देशहित में किये गये संघर्ष और बलिदान को याद करते हुए नमन किया गया। कार्यक्रम में मंचीय प्रस्तुतियों के माध्यम से बच्चों ने गांधी जी और शास्त्री जी के जीवन दर्शन, संघर्ष और बलिदान को जीवंत करने का कार्य किया। बच्चों ने देशभक्ति से ओतप्रोत गीतों, वैष्णव भजन और रामधुन के प्रस्तुति ने राष्ट्रवाद का भाव जागृत किया। छात्र छात्राओं ने अपने भाषणों के माध्यम से गांधी जी और शास्त्री जी के देशहित में किये गये बलिदान, योगदान और संघर्ष को सभी के सामने रखा। इसके साथ ही एक लघु नाटिका में दोनों महापुरुषों के जीवनकाल से जुड़े कुछ घटनाक्रम का प्रदर्शन कर बच्चों को अपने जीवन में ईमानदार और अनुशासित रहने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में विकसित भारत 2047 संकल्प के अन्तर्गत छात्र-छात्राओं द्वारा मेरे सपनों का भारत विषय पर अपने ओजस्वी विचार प्रस्तुत किये गये। इसमें विद्यार्थियों ने बताया कि जब भारत आजादी की शताब्दी वर्षगांठ मनायेगा तो वो भारत वास्तव में विश्व गुरू होगा। इस प्रतियोगिता में छात्रा मैत्री और छात्र अनंत जैन को संयुक्त रूप से प्रथम स्थान मिला। छात्र साक्षी द्वितीय और फारिहा तृतीय स्थान पर रही। साथ ही प्रतिभागी रहीं छात्राओं सिम्मी त्यागी, श्रेया, निष्ठा सिंह और आशी को सांत्वना पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि एम.जी. चेरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन सतीश चंद गोयल जी ने अपने संबोधन में बच्चों को ईमानदारी के साथ अपने लक्ष्य के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि देश में अनेक राष्ट्र उत्सव मनाये जाते है। दो अक्टूबर का उत्सव दो महापुरुषों के जन्मदिवस से जुड़ा है और इन दोनों को आज हम यहां याद कर रहे हैं। इनके जीवन से सीखने की आवश्यकता है। मेरे सपनों का भारत विषय पर बच्चों ने अपने भाषण के माध्यम से वास्तव में एक नये सशक्त और समृद्ध भारत के दर्शन कराये, लेकिन यह खुद नहीं होगा, इसके लिए हमें अपना सर्वस्व योगदान करना है।

मलीरा फाटक के पास ट्रेन की चपेट में आने से महिला की दर्दनाक मौत

रेलवे ट्रैक पार करते समय हुआ हादसा, मौके पर पहुंची रोहाना चौकी पुलिस; मृतका की शिनाख्त के प्रयास जारी

मुजफ्फरनगर। रोहाना चौकी क्षेत्र में मलीरा फाटक के समीप शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसे में ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही रोहाना चौकी प्रभारी हिमांशु शर्मा पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जानकारी जुटाई। बताया गया कि महिला रेलवे ट्रैक पार कर रही थी। इसी दौरान अचानक ट्रेन आ गई और महिला उसकी चपेट में आ गई। हादसा इतना गंभीर था कि महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया और काफी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। हादसे में जान गंवाने वाली महिला की पहचान अभी नहीं हो

सकी है। पुलिस ने आसपास के ग्रामीणों और मौके पर मौजूद लोगों से मृतका की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई थी। पुलिस महिला की पहचान के लिए आसपास के क्षेत्रों में भी जानकारी जुटा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही रोहाना चौकी प्रभारी हिमांशु शर्मा पुलिस टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को कब्जे में लिया और आवश्यक कार्रवाई पूरी करते हुए मोर्चरी के लिए भेज दिया। चौकी प्रभारी हिमांशु शर्मा ने बताया कि महिला के शव की शिनाख्त कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। घटना की सूचना रेलवे पुलिस को भी दे दी गई है। पुलिस हादसे के संबंध में आवश्यक कार्रवाई कर रही है और मृतका की पहचान होने के बाद आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। फिलहाल पुलिस मृतका की पहचान कराने के साथ ही हादसे के संबंध में आसपास के लोगों से जानकारी जुटा रही है। महिला रेलवे ट्रैक तक कैसे पहुंची और हादसे के समय वहां क्या परिस्थितियां थीं, इसकी भी जानकारी जुटाई जा रही है।

संपादकीय

3 हजार करोड़ की नशीली खेप पकड़ी, फिर भी नहीं टूट रहा तस्करी का नेटवर्क

गुजरात एटीएस, तटरक्षक बल और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने संयुक्त अभियान में ईरानी नौका से 526 किलोग्राम मेथामफेटामाइन और हेरोइन जब्त की है। लक्षद्वीप के पास अरब सागर में एक ईरानी नाव से नशीले पदार्थों की बड़ी खेप पकड़े जाने की घटना ने इस सवाल को और गंभीर बना दिया है कि क्या भारत नशे की तस्करी का केंद्र बनता जा रहा है? तीन हजार करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की इस खेप के साथ पांच पाकिस्तानी नागरिकों की गिरफ्तारी बताती है कि सीमा पार से समुद्र के रास्ते तस्करी का तंत्र कितना संगठित और सक्रिय है।सुरक्षा एजेंसियों ने संयुक्त अभियान के तहत यह खेप पकड़ी है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इसकी जानकारी दी। निश्चित रूप से यह सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी उपलब्धि हो सकती है, लेकिन अहम सवाल यह है कि देश में जिन लोगों तक इतनी बड़ी मात्रा में यह नशीला पदार्थ पहुंचाया जाना था, उनकी धर-पकड़ कब और कैसे हो पाएगी?क्योंकि, इससे पहले भी कई बार सीमा पार से लाई जा रही नशीले पदार्थों की खेप पकड़ी जा चुकी हैं, लेकिन उसमें आगे क्या कार्रवाई हुई, उसकी कोई जानकारी सार्वजनिक तौर पर सामने नहीं आई है।गौरतलब है कि गुजरात एटीएस, तटरक्षक बल और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने संयुक्त अभियान में ईरानी नौका से 526 किलोग्राम मेथामफेटामाइन और हेरोइन जब्त की है।

इससे पहले सितंबर 2021 में गुजरात की मुंद्रा बंदरगाह पर 2,988 किलोग्राम हेरोइन पकड़ी गई थी। वर्ष 2022 में मुंद्रा से ही करीब 52 किलोग्राम कोकीन और 75 किलोग्राम हेरोइन की जब्ती हुई थी।ऐसे में सवाल है कि बार-बार इतनी बड़ी खेपें पकड़े जाने के बाद भी नशीले पदार्थों की तस्करी के तंत्र को तोड़ने के प्रयास धरातल पर नजर क्यों नहीं आते हैं? हर बार बरामदगी और चंद लोगों की गिरफ्तारी की सूचना आती है, लेकिन इनके पीछे बैठे वित्तपोषकों, संचालकों, स्थानीय मददगारों और अंतिम खरीदारों तक जांच पहुंची या नहीं, इसका कोई ब्योरा साझा नहीं किया जाता है।

इस मामले में भी जांच केवल नाव और उसमें सवार लोगों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। सुरक्षा एजेंसियों को यह पता लगाना होगा कि अंतरराष्ट्रीय तस्करों, भारत में मौजूद नेटवर्क और संभावित खरीदारों के बीच कड़ियां कहां जुड़ती हैं, तभी समस्या की जड़ तक पहुंचा जा सकता है।

सोना देकर भारत की 'यवनप्रिया' को ले जाता था रोम, इसी से निकलता था रोमन साम्राज्य का आधा खर्चा

(दिनेश मिश्र)

रोमन साम्राज्य ने अपने खर्च का आधा हिस्सा भारत के साथ व्यापार से मिलने वाले टैक्स से पूरा किया। पहली सदी॰ष्ठ में पश्चिमी दुनिया का सबसे अमीर शहर एक ऐसे देश के साथ लंबे समय से असंतुलित व्यापार कर रहा था जहां उसकी सेनाएं कभी नहीं पहुंची थीं। भारत से कई चीजें पश्चिम की ओर जाती थीं और उसके बदले सोना पूर्व की ओर आता था। आज से दो हजार साल के करीब जब रोम अपने ताकत के चरम पर था, तब पश्चिमी दुनिया के सबसे अमीर शहर का एक ऐसे इलाके के साथ लंबा और असंतुलित व्यापारिक संबंध था जहां उसकी सेनाएं कभी नहीं पहुंची थीं। वह इलाका भारतीय उपमहाद्वीप था। पहली सदी ईसवी में पश्चिमी दुनिया का सबसे अमीर शहर रोम एक ऐसे देश भारत के साथ लंबे समय से असंतुलित व्यापार कर रहा था जहां उसकी सेनाएं कभी नहीं पहुंची थीं।

भारत से सामान पश्चिम की ओर जाता था और उसके बदले सोना पूर्व की ओर आता था। समुद्री इतिहासकार और हाउ मेरीटाइम ट्रेड एण्ड द इंडियन सबकंटीनेट स्पेड द वर्ल्ड जैसे चर्चित किताब लिखने वाले निक कॉलिंस ने 30 सितंबर, 2026 को सोशल मीडिया एक्स पर भारत और रोम के बीच होने वाले व्यापार को लेकर एक पोस्ट किया।

इसमें उन्होंने बताया है कि भारत और रोम के बीच कारोबार इतना जबरदस्त था कि रोमन साम्राज्य अपने खर्च का आधा हिस्सा भारत के साथ व्यापार से मिलने वाले टैक्स से पूरा किया। यह व्यापार भारत की काली मिर्च को लेकर था, जिसके बदले रोमन सोना देकर जाते थे। भारतीय संस्कृत साहित्य में काली मिर्च को 'यवनप्रिया' भी कहा जाता था, क्योंकि यह रोमन यानी यवनों को प्रिय थी।

आज से दो हजार साल के करीब जब रोम अपने ताकत के चरम पर था, तब पश्चिमी दुनिया के सबसे अमीर शहर का एक ऐसे इलाके के साथ लंबा और असंतुलित व्यापारिक संबंध था जहां उसकी सेनाएं कभी नहीं पहुंची थीं। वह इलाका भारतीय उपमहाद्वीप था। पहली सदी ईसवी में पश्चिमी दुनिया का सबसे अमीर शहर रोम एक ऐसे देश भारत के साथ लंबे समय से असंतुलित व्यापार कर रहा था जहां उसकी सेनाएं कभी नहीं पहुंची थीं। भारत से सामान पश्चिम की ओर जाता था और उसके बदले सोना पूर्व की ओर आता था। समुद्री इतिहासकार और हाउ मेरीटाइम ट्रेड एण्ड द इंडियन सबकंटीनेट स्पेड द वर्ल्ड जैसे चर्चित किताब लिखने वाले निक कॉलिंस ने 30 सितंबर, 2026 को सोशल मीडिया एक्स पर भारत और रोम के बीच होने वाले व्यापार को लेकर एक पोस्ट किया।

रोम में काली मिर्च के लिए बनवाए गए गोदाम - मैरीटाइम हिस्टोरियन निक कॉलिंस ने सोशल मीडिया पर लिखा-प्लिनी द एल्डर, जिन्होंने प्रांतों का शासन संभाला था और जिन्हें पता था कि टकसाल में क्या बनता है, उन्होंने अनुमान लगाया कि हर साल 50 मिलियन सेस्टर्सेस (रोमन मुद्रा) की कीमत की कीमती धातुएं (बुलियन) बाहर जाती थीं। सम्राट टाइबेरियस ने शिकायत की कि रोमन धन विदेशियों के पास जा रहा है। डोमिटियन ने शहर के बीचों-बीच काली मिर्च के लिए खास गोदाम बनवाए। एक बचे हुए पैपिरस (कागज) में दर्ज एक जहाज के माल की कीमत लगभग 9 मिलियन सेस्टर्सेस थी। सम्राट टाइबेरियस ने शिकायत की कि रोमन धन विदेशियों के पास जा रहा है। डोमिटियन ने शहर के बीचों-बीच काली मिर्च के लिए खास गोदाम बनवाए। एक बचे हुए पैपिरस (कागज) में दर्ज एक जहाज के माल की कीमत लगभग 9 मिलियन सेस्टर्सेस थी।

भारतीय माल पर टैक्स से रोम का 50 फीसदी खर्च पूरा - कॉलिंस ने आगे लिखा-इतिहासकार ऋड्डश्वह्वद्य स्ख्रड्डह्वद्दद्धद्यद्वठ्ठ ने इन आंकड़ों के आधार पर हिसाब लगाया है कि भारतीय माल पर लगने वाले कस्टम ड्यूटी से पूरे साम्राज्य को चलाने के लिए जरूरी राजस्व का लगभग आधा हिस्सा मिलता था। मिस्र में तैनात दो सेना-टुकड़ियों (लीजियन) ने उस कस्टम हाउस को संभाला हुआ था जिससे यह सब चलता था।

भारत से रोम क्या जाता था और बदले में क्या मिलता था - भारत काली मिर्च, हाथीदांत, रत्न, इत्र और दवाइयां भेजता था। रोम इसके बदले सोना जैसी कीमती धातुएं (बुलियन) देता था। आयात और निर्यात पर लगने वाले टैक्स से जो राजस्व मिलता था, उसने रोमन कुलीन वर्ग और खुद साम्राज्य को बदल दिया।रोम भूमध्य सागर को हमारा सागर कहता था। आर्थिक रूप से हिंद महासागर कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण था।

भारत से रोम को भेजी जाती थी काली मिर्च - भारत से रोम को निर्यात में काली मिर्च सबसे आगे थी। मालाबार तट पर इसे उगाने वाले तमिल लोगों ने रोमन लोगों की इस चाहत को एक नाम दिया था-यवनप्रिया, यानी पश्चिमी लोगों का जुनून। मांग इतनी ज्यादा थी कि डोमिटियन (81-96) ने शहर के बीचों-बीच विया सैक्रा के पास काली मिर्च और मसालों के लिए खास गोदाम बनवाए, जिन्हें होरिया पिपेराटारिया कहा जाता था।

200 टन काली मिर्च की कीमत रोमन सैन्य टुकड़ी की सालाना सैलरी - रोम में मौजूद दो सौ टन काली मिर्च की कीमत 60 लाख सेस्टर्स (उस समय की मुद्रा) से ज्यादा थी, जो एक पूरी सेना की टुकड़ी (लीजन) की सालाना तनख्वाह से भी अधिक थी। यह पूरे साम्राज्य में इतनी फैल गई थी कि आम घरों में भी थोड़ी-बहुत काली मिर्च मिल जाती थी। प्लीनी ने देखा कि यह चाहत समाज के हर स्तर तक पहुंच गई है।

उन्होंने कहा कि आजकल गरीब लोग भी मोतियों की चाहत रखते हैं। उन्होंने शिकायत की कि रोम में भारतीय सामान अपनी मूल कीमत से 100 गुना ज्यादा दाम पर बिकता था, फिर भी उन्होंने माना कि मुनाफे की चाहत भारत को और करीब ले आती है। एशिया से रोम आने वाले सामान की 86 पहचानी गई श्रेणियों में से अकेले मसालों की 44 श्रेणियां थीं।

रोमन व्यापार की दौलत आने तमिल राज्यों में बढ़ी दुश्मनी - यूरोप का ऐसा कोई सामान नहीं था जिसकी भारत में इतनी मांग हो कि दूसरी तरफ से कीमती धातुओं (बुलियन) के व्यापार के अंतर को खत्म किया जा सके। वाइन, जैतून का तेल, लाल मूंगा, तांबा, सीसा, रंग, कांच और एम्बर, ये सभी चीजें पूर्व की ओर भेजी जाती थीं, लेकिन उनकी कीमत उतनी नहीं थी। हर्मापोलॉन और उसके जैसे दूसरे जहाजों को लगातार सामान ढोने के लिए जो चीज प्रेरित करती थी, वह थी कीमती धातुएं (बुलियन)।

इस व्यापार से इतनी दौलत आई कि इसने भारतीय राजनीति को भी प्रभावित किया। दक्षिण में इतनी बड़ी मात्रा में रोमन सोना-चांदी आया कि इसने तमिल राज्यों के बीच आपसी दुश्मनी को बढ़ावा दिया।

रोमन आगस्टस के काल में व्यापार ज्यादा

तमिल काव्य अकनानुरु में चेर और पांड्य राज्यों के बीच हुई एक लड़ाई का ज़िक्र है, जो बंदरगाह मुजिरिस की घेराबंदी और वहां के मंदिरों की लूटपाट तक पहुंच गई थी। श्रीलंका के राजा भातिकभय (35-63) को लगभग 50 ईस्वी में तूफान के कारण वहां पहुंचे एक रोमन चांदी के सिक्के की गुणवत्ता ने बहुत प्रभावित किया।

उन्होंने सम्राट क्लॉडियस (41-54) के पास एक प्रतिनिधिमंडल भेजा। सम्राट ने भी बदले में भूमध्यसागरीय लाल मूंगे का एक टुकड़ा भेजा, जिससे सदियों तक द्वीप पर स्थित एक बौद्ध मंदिर की शोभा बढ़ती रही।

तमिल इलाके में ऑगस्टस के समय के रोमन सिक्कों के 20 से ज्यादा जखीरे मिले हैं, और टाइबेरियस के समय के भी कई सिक्के मिले हैं। ये उस दौर को दिखाते हैं जब व्यापार तेजी से बढ़ा था।

डिजिटल रुपया क्या है? यह यूपीआई से कैसे अलग है? बिना इंटरनेट के चलाने के लिए आरबीआई क्या तैयारी कर रही है?

(कमलेश पांडे)

भारतीय रिजर्व बैंक ने साफ किया है कि डिजिटल रुपया अब खुदरा व थोक दोनों क्षेत्रों में पायलट चरण में है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार 'ई' को बैंकों और गैर-बैंक संस्थाओं के डिजिटल वॉलेट में रखा जा सकता है। इससे व्यक्ति-से-व्यक्ति और व्यक्ति-से-दुकानदार भुगतान किया जा सकता है। डिजिटल रुपया और यूपीआई दोनों डिजिटल भुगतान से जुड़े हैं, लेकिन दोनों की प्रकृति अलग है। आइए सबसे पहले जानते हैं कि डिजिटल रुपया क्या है? दरअसल डिजिटल रुपया या द्? भारत की केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा है। इसे भारतीय रिजर्व बैंक जारी करता है, इसलिए यह स्वयं रुपये का डिजिटल रूप है–जैसे ?100 का नोट भौतिक रूप में है, वैसे ही द्? डिजिटल रूप में। इसे डिजिटल वॉलेट में रखा जा सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक ने साफ किया है कि डिजिटल रुपया अब खुदरा व थोक दोनों क्षेत्रों में पायलट चरण में है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार 'ई' को बैंकों और गैर-बैंक संस्थाओं के डिजिटल वॉलेट में रखा जा सकता है। इससे व्यक्ति-से-व्यक्ति और व्यक्ति-से-दुकानदार भुगतान किया जा सकता है। गौरतलब है कि आरबीआई के 'ई' वॉलेट में न्यूनतम राशि रखने की जरूरत नहीं है और इसके इस्तेमाल पर अलग से शुल्क नहीं है। आरबीआई ने यह भी साफ किया है कि बिना इंटरनेट से संभव हो सकने वाला ई भुगतान अभी बड़े पैमाने पर आम लोगों के लिए शुरू नहीं हुआ है, क्योंकि इसके अलग-अलग तकनीकी विकल्पों का लगातार परीक्षण किया जा रहा है। इसलिए इसकी अंतिम तकनीक, लेन-देन की सीमा, सुरक्षा व्यवस्था और आम लोगों के लिए लॉन्च की तारीख को लेकर अभी कोई निश्चित घोषणा नहीं हुई है। उल्लेखनीय है कि भारतीय रिजर्व बैंक ने 2022 में जारी ढांचे के तहत कार्ड, वॉलेट और मोबाइल उपकरणों के जरिए बिना इंटरनेट या दूरसंचार कनेक्टिविटी के भी कुछ ऑफलाइन भुगतान की अनुमति दी थी, जिसके तहत भुगतान आमने-सामने यानी निकट दूरी पर किया जाता है। बाद में यूपीआई लाइट एक्स के जरिये एनएफसी आधारित ऑफलाइन भुगतान की सुविधा भी विकसित की गई।

अब आइए जानते हैं कि ई और पीआई में मुख्य अंतर क्या है? – एक, डिजिटल रुपया आरबीआई की डिजिटल मुद्रा है, जबकि पीआई भुगतान का आधुनिक डिजिटल माध्यम है। दो, डिजिटल रुपया डिजिटल वॉलेट में रखा जा सकता है, जबकि यूपीआई में बैंक खाते से सीधे भुगतान होता है। तीन, डिजिटल रुपया व्यक्ति और दुकानदार के बीच सीधा भुगतान किया जा सकता है। जबकि यूपीआई क्यूआरकोड, मोबाइल नंबर या यूपीआई आईडी से भुगतान किया जा सकता है। चार, भविष्य में ब्लू टूथ, एनएफसी के जरिए बिना इंटरनेट भुगतान की सुविधा देने पर काम हो रहा है। जबकि यूपीआई में सीमित ऑफलाइन विकल्प विकसित किए हुए हैं। पांच, डिजिटल रुपया रुपये का डिजिटल रूप है जो भुगतान करने का माध्यम/प्रणाली है। इसे आरबीआई जारी करता है। जबकि पीआई का संचालन एनपीसीआई करता है। छह, डिजिटल रुपया कहाँ रहता है? वॉलेट में बैंक खाते से भुगतान होता है। जबकि यूपीआई की भूमिका डिजिटल मुद्रापैसा भेजने का माध्यम है। सात, डिजिटल रुपया भुगतान का आधार द्? से द्? वॉलेट में लेन-देन हो सकता है। बैंक खाते से बैंक खाते में भुगतान हो एकता है। अब इंटरनेट के बिना आरबीआई इसके लिए ऑफलाइन तकनीकें विकसित/परीक्षण कर रहा है। जबकि पीआई में भी पीआई लाइट एक्स जैसी एनएफसी -आधारित ऑफलाइन सुविधा है। आरबीआई स्वयं स्पष्ट करता है कि डिजिटल रुपये का रूप है, जबकि पीआई भुगतान का माध्यम है। ई को बैंक खाते से निकालकर अलग डिजिटल वॉलेट में रखा जा सकता है और सीबीडीसी लेन-देन में धन सीधे दो ई वॉलेट के बीच स्थानांतरित हो सकता है। चूंकि बिना इंटरनेट द्? चलाने की आरबीआई की तैयारी है। इसलिए यह सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। आरबीआई के अनुसार ऑफलाइन द्? के लिए अलग-अलग तकनीकी समाधान तलाशे और परीक्षण किए जा रहे हैं। इनमें प्रमुख रूप से- एक, टेलीकाम एसोसिएट आफलाइन ऐसी व्यवस्था जिसमें इंटरनेट उपलब्ध न हो, लेकिन मोबाइल/टेलीकॉम कनेक्टिविटी उपलब्ध हो। दो, एनएफसी आधारित भुगतान- दो पास-पास रखे एनएफसी-सक्षम उपकरणों के बीच संचार के जरिए लेन-देन। यानी भविष्य में इंटरनेट न होने पर भी बहुत छोटी दूरी में फोन को टैप करके भुगतान संभव बनाने की दिशा में काम हो रहा है। आरबीआई ने इसे ई के ऑफलाइन प्रयोगों में शामिल बताया है। तीन, आरबीआई ने छोटे मूल्य के ऑफलाइन डिजिटल भुगतानों के लिए व्यापक ढांचा बनाया है- इसमें कार्ड, वॉलेट और मोबाइल उपकरणों के जरिए बिना इंटरनेट/टेलीकॉम कनेक्टिविटी के प्रोएम्डमिटी यानी आमने-सामने भुगतान की व्यवस्था का प्रावधान है। चार, एक आसान उदाहरण- मान लीजिए किसी दूरदराज के गांव में इंटरनेट बंद है। सामान्य पीआई भुगतान में बैंक से भुगतान कराने के लिए नेटवर्क की समस्या आ सकती है। भविष्य के ऑफलाइन द्? मॉडल में फोन के डिजिटल वॉलेट में पहले से मौजूद ईका इस्तेमाल स्थानीय रूप से किया जा सकेगा।

'मैं नहीं जानता' से शुरू होती है ज्ञान की असली यात्रा

दुनिया के इतिहास में ऐसी धार्मिक और वैचारिक व्यवस्थाएं रही हैं, जिन्होंने यह दावा किया कि अंतिम सत्य उनके पास पहले से मौजूद है। सत्य को पूर्ण रूप से प्रकट किया जा चुका है और अब मनुष्य का काम केवल उसे स्वीकार करना है। ऐसी व्यवस्था में असहमति केवल एक बौद्धिक मतभेद नहीं रह जाती। दर्शन प्रश्न करता है, कट्टरता उत्तर थोपती है। दर्शन कहता है कि सत्य की खोज जारी है, कट्टरता कहती है कि सत्य मिल चुका है। दर्शन दूसरे व्यक्ति को अपने साथ खोज में शामिल करता है, कट्टरता उससे अपने निष्कर्ष को स्वीकार करने की मांग करती है। इस निश्चितता का प्रभाव केवल विचारों तक सीमित नहीं रहता।

(मणि तिवारी)

किसी भी जीवित दर्शन की पहचान यही है कि वह अपने भीतर प्रश्न के लिए जगह बनाए रखता है। सुनने में यह वाक्य बहुत साधारण लगता है कि मैं नहीं जानता, लेकिन मनुष्य की समूची बौद्धिक यात्रा कहीं न कहीं इसी स्वीकारोक्ति से शुरू होती है। ज्ञान का पहला कदम यह मान लेना है कि अभी सब कुछ ज्ञात नहीं है। जिज्ञासा वहीं पैदा होती है, जहां निश्चितता समाप्त होती है। प्रश्न वहीं जन्म लेता है, जहां मनुष्य अपने ज्ञान की सीमा को पहचानता है। जब मनुष्य ने पहली बार अपने आसपास की दुनिया को देखकर पूछा होगा कि यह सब क्यों है, जीवन क्या है, मृत्यु के बाद क्या है, सत्य क्या है और स्वयं मनुष्य कौन है, तब उसके पास इन प्रश्नों के उत्तर नहीं रहे होंगे। उसने अज्ञात को स्वीकार किया और उसकी खोज शुरू की।

भारतीय दार्शनिक परंपरा को देखें, तो यह विनम्रता उसके भीतर बहुत गहराई से दिखाई देती है। वेदों और उपनिषदों की मूल चेतना में यह स्वीकारोक्ति मौजूद है कि अंतिम सत्य को सहज रूप से पकड़ लेना संभव नहीं है। उपनिषदों का 'नेति नेति' यानी 'यह नहीं, यह भी नहीं', इसी बोध की ओर संकेत करता है। सत्य को किसी एक सीमित परिभाषा में बंद करने के बजाय उसके बारे में लगातार प्रश्न करते रहना इस परंपरा की विशेषता रही है। ऋग्वेद का नासदीय सूक्त तो इस दृष्टि से और भी महत्त्वपूर्ण है। सृष्टि की उत्पत्ति के प्रश्न पर वह जिस प्रकार विचार करता है, उसमें एक गहरी बौद्धिक विनम्रता दिखाई देती है।

सृष्टि के आरंभ में क्या था, कैसे था और उसे कौन जानता है, इन प्रश्नों के उत्तर में निश्चितता के बजाय संदेह और जिज्ञासा उपस्थित होती है। यहां तक कि अंत में यह संभावना भी रखी जाती है कि शायद वह भी न जानता हो, जो इस सृष्टि के सर्वोच्च रहस्य को जानने वाला माना जाता है। यही दर्शन की सुंदरता है। वह कहता है कि मैं खोज रहा हूं, इसलिए मैं जानना चाहता हूं। मैं जानना चाहता हूं, इसलिए मुझे यह स्वीकार करना होगा कि अभी मैं नहीं जानता। यूनानी दार्शनिक सुकरात की पूरी दार्शनिक पद्धति के केंद्र में भी यही स्वीकार दिखाई देता है।

मनुष्य को अपने अज्ञान का बोध होना चाहिए – सुकराती ज्ञान का सबसे महत्त्वपूर्ण बिंदु यह था कि मनुष्य को अपने अज्ञान का बोध होना चाहिए। अपने अज्ञान को स्वीकार करना उसके लिए कमजोरी नहीं, बल्कि ज्ञान की शुरुआत थी। जो व्यक्ति यह मानता है कि वह सब कुछ जानता है, उसके लिए प्रश्न करने की कोई आवश्यकता ही नहीं बचती। मगर जो यह स्वीकार करता है कि वह नहीं जानता, उसके भीतर खोज की संभावना बनी रहती है।

यही कारण है कि 'मैं नहीं जानता' दरअसल ज्ञान के प्रति एक नैतिक और बौद्धिक जिम्मेदारी भी है। यह मनुष्य को विनम्र बनाता है। यह उसे दूसरे की बात सुनने की क्षमता देता है। यह उसे अपने विचारों पर पुनर्विचार करने की स्वतंत्रता देता है। समस्या तब शुरू होती है, जब मनुष्य 'मैं नहीं जानता' से आगे बढ़कर 'मैं ही जानता हूं' की स्थिति में पहुंच जाता है। जब किसी व्यक्ति, समूह या परंपरा को यह विश्वास हो जाता है कि उसके पास अंतिम सत्य है, तब प्रश्न पूछने की जगह समाप्त होने लगती है। जहां प्रश्न समाप्त होते हैं, वहां दर्शन अपनी प्रकृति खोने लगता है।

दुनिया के इतिहास में ऐसी धार्मिक और वैचारिक व्यवस्थाएं रही हैं, जिन्होंने यह दावा किया कि अंतिम सत्य उनके पास पहले से मौजूद है। सत्य को पूर्ण रूप से प्रकट किया जा चुका है और अब मनुष्य का काम केवल उसे स्वीकार करना है। ऐसी व्यवस्था में असहमति केवल एक बौद्धिक मतभेद नहीं रह जाती। दर्शन प्रश्न करता है, कट्टरता उत्तर थोपती है। दर्शन कहता है कि सत्य की खोज जारी है, कट्टरता कहती है कि सत्य मिल चुका है। दर्शन दूसरे व्यक्ति को अपने साथ खोज में शामिल करता है, कट्टरता उससे अपने निष्कर्ष को स्वीकार करने की मांग करती है। इस निश्चितता का प्रभाव केवल विचारों तक सीमित नहीं रहता। जब कोई विचार अपनी ऐतिहासिक और दार्शनिक परिस्थितियों से अलग होकर कठोर नियम में बदल जाता है, तो दर्शन धीरे-धीरे कर्मकांड में बदल सकता है।

किसी विशेष समय, स्थान या ऐतिहासिक परिस्थिति में उत्पन्न हुई बात को शाश्वत और अनिवार्य मान लिया जाता है। फिर उस पर प्रश्न करना परंपरा का विरोध माना जाने लगता है। यहीं से एक और समस्या पैदा होती है। जब विचार अपने मूल अर्थ से कट जाता है और केवल उसकी बाहरी अभिव्यक्ति बचती है, तो कर्मकांड दर्शन की जगह ले लेता है। मनुष्य यह पूछना बंद कर देता है कि किसी आचरण का अर्थ क्या है और केवल यह पूछता है कि उसे कैसे करना है। 'क्यों' की जगह 'कैसे' ले लेता है। प्रश्न की जगह नियम आ जाता है।

किसी भी जीवित दर्शन की पहचान यही है कि वह अपने भीतर प्रश्न के लिए जगह बनाए रखता है। जो परंपरा अपने ही मूल प्रश्नों से डरने लगे, उसके भीतर जड़ता पैदा होना स्वाभाविक है। इसलिए 'मैं नहीं जानता' कहना केवल विनम्रता नहीं है। यह मनुष्य को हिंसा से भी दूर रख सकता है। जब यह पता हो कि मेरी समझ सीमित है, तो दूसरे की समझ को पूरी तरह गलत मानने से पहले रुकना होगा, सुनना होगा, प्रश्न उभरेगा और संभव है कि विचार बदल भी जाए।

शायद सभ्यता के लिए सबसे खतरनाक वाक्य 'मैं जानता हूं' नहीं, बल्कि 'केवल मैं ही जानता हूं' है। मनुष्य को खुद पर विश्वास रखना चाहिए। उसे अपनी परंपरा से प्रेम भी करना चाहिए, लेकिन प्रेम और निश्चितता एक ही चीज नहीं हैं। अपनी परंपरा को समझने का सबसे अच्छा तरीका शायद यह नहीं कि हम उसके हर उत्तर को अंतिम मान लें, बल्कि यह है कि हम उसके भीतर मौजूद प्रश्नों को फिर से सुनें। जब तक मनुष्य यह कह सकने की क्षमता रखता है कि 'मैं नहीं जानता', तब तक उसके भीतर जानने की संभावना जीवित रहती है। जिस दिन वह अपनी सीमित समझ को अंतिम सत्य मान लेता है, उसी दिन दर्शन का अंत शुरू हो जाता है।

नन्ही कलमों ने रचा सुंदर लेखन का संसार, अक्षरों में दिखी प्रतिभा और संस्कार

170 विद्यार्थियों की लेखनी ने मोहा दर्शकों का मन, पाँच घंटे तक आकर्षण का केंद्र रही अनूठी प्रदर्शनी

मुजफ्फरनगर। श्री गिरधारी लाल जैन मेमोरियल पब्लिक स्कूल में आयोजित सुंदर लेखन प्रदर्शनी ने विद्यालय परिसर को प्रतिभा, संस्कार और रचनात्मकता के अद्भुत संगम में बदल दिया। प्रदर्शनी को देखने के लिए बड़ी संख्या में माता-पिता, दादा-दादी, परिवारजन एवं विद्यार्थी पहुँचे। लगभग पाँच घंटे तक प्रदर्शनी में दर्शकों की निरंतर भीड़ बनी रही। बच्चों की लेखनी को देखने के लिए आने वाले प्रत्येक व्यक्ति के चेहरे पर उत्सुकता, आश्चर्य और गर्व स्पष्ट दिखाई दे रहा था। प्री-नर्सरी से कक्षा आठ तक के 160 विद्यार्थियों ने अपनी लेखन प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी की सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि किसी भी कक्षा के विद्यार्थी की लेखनी देखी जाए, हर बच्चे की लिखावट सुंदर, सुघड़, स्पष्ट और आकर्षक दिखाई दी। नन्हे बच्चों की कोमल लिखावट से लेकर वरिष्ठ विद्यार्थियों की परिपक्व लेखन शैली तक, प्रत्येक पृष्ठ उनकी मेहनत, निरंतर अभ्यास और लगन की कहानी कह रहा था।तख्ती लेखन प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। लुप्त होती जा रही तख्ती लेखन का बच्चों ने बखूबी प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शनी को विशेष बनाने वाली बात केवल बच्चों की सुंदर लिखावट नहीं थी। बच्चों द्वारा लिखे गए लेख, विचार और रचनाएँ अत्यंत शिक्षाप्रद एवं प्रेरणादायक थीं। इनमें सदाचार, अनुशासन, माता-पिता का सम्मान, प्रकृति संरक्षण, देशप्रेम, मानवीय संवेदनाएँ, अच्छे संस्कार और जीवन के महत्वपूर्ण मूल्यों से जुड़े संदेशों को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। पूरी प्रदर्शनी सुंदर अक्षरों के साथ संस्कारों और ज्ञान का खजाना प्रतीत हो रही थी। प्रदर्शनी का एक विशेष आकर्षण महात्मा गांधी की वेशभूषा में बच्चों द्वारा चरखे पर सूत कातने की प्रस्तुति रही। बच्चों का यह जीवंत रूप दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना और भारतीय संस्कृति, स्वदेशी तथा आत्मनिर्भरता की भावना का सुंदर संदेश देता रहा। इस भव्य प्रदर्शनी को सफल बनाने में विद्यालय की शिक्षिकाओं का विशेष योगदान रहा। श्रीमती नीतू सिंगल, श्रीमती सोनिका गोयल, श्रीमती रीता जयरथ, श्रीमती मेघा भटनागर एवं श्रीमती शिखा कालरा ने प्रदर्शनी की तैयारियों, विद्यार्थियों के मार्गदर्शन, प्रस्तुतियों को व्यवस्थित करने तथा पूरे आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके समर्पित प्रयासों से यह प्रदर्शनी सुंदर एवं सुव्यवस्थित रूप में प्रस्तुत हो सकी। बच्चों की अद्भुत लेखन प्रतिभा को विशेष पहचान और सम्मान देते हुए चयनित विद्यार्थियों को हस्तलेखन सम्राज्ञी एवं हस्तलेखन सम्राट के गौरवपूर्ण खिताब प्रदान किए गए। विजेता विद्यार्थियों को सुंदर प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

इस प्रदर्शनी में अपनी लेखन प्रतिभा का विशेष प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में अभय प्रताप राणा (यूकेजी-द), काव्या (कक्षा 5-स), ओम देशवाल (कक्षा 8-अ), परी (कक्षा 6-अ), शुभि (कक्षा 8-स), परी मलिक (कक्षा 8-स), वेदांश कौशिक (कक्षा 7-स) एवं सार्थक गोयल (कक्षा 7-ब) शामिल रहे।

कार्यक्रम में समाजसेवी श्री विभोर सिंघल द्वारा सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किए गए। इस अवसर पर श्री भूपेंद्र शर्मा, , श्री मोहित मलिक, श्री प्रभात मलिक एवं श्री प्रशांत बालियान सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों ने बच्चों की प्रतिभा तथा विद्यालय द्वारा किए गए इस अनूठे और रचनात्मक प्रयास की सराहना की। प्रदर्शनी में आने वाले प्रत्येक अभिभावक को उनके बच्चे की सुंदर लेखनी का एक रोल स्मृति-चिह्न के रूप में भेंट किया गया। इस भावपूर्ण पहल ने बच्चों की मेहनत को परिवारों के लिए ऐसी याद में बदल दिया, जिसे वे लंबे समय तक सहेजकर रख सकेंगे।

25वीं हरियाणा स्टेट कराटे चैंपियनशिप में रैफरी व जज रहे मुजफ्फरनगर यूपी के सिहान राजेश कौशिक

मुजफ्फरनगर। 25वीं हरियाणा स्टेट सब-जूनियर, कैडेट एवं जूनियर कराटे चैंपियनशिप 2026-27 का आयोजन कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, हरियाणा में किया गया। वहीं सीनियर कराटे चैंपियनशिप का आयोजन सोनीपत, हरियाणा में हुआ। प्रतियोगिताओं में प्रदेशभर से विभिन्न आयु वर्गों के कराटे खिलाड़ियों ने प्रतिभाग कर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में मुजफ्फरनगर डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन ऑफ मुजफ्फरनगर के महासचिव सिहान राजेश कौशिक ने रैफरी एवं जज के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने विभिन्न मुकाबलों में खिलाड़ियों के प्रदर्शन का तकनीकी एवं निष्पक्ष मूल्यांकन किया। उनके अनुभव और तकनीकी ज्ञान का प्रतियोगिता के सफल संचालन में महत्वपूर्ण योगदान रहा। चैंपियनशिप के दौरान खिलाड़ियों ने कराटे की विभिन्न स्पधाओं में उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवा खिलाड़ियों को बेहतर मंच प्रदान करना तथा उन्हें राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक पवन खरखोदा, हरियाणा स्पोर्ट कराटे एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज कुमार, डिप्टी स्पोर्ट्स ऑफिसर सोनीपत तथा कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया के महासचिव योगेश कालरा मौजूद रहे। प्रतियोगिता का तकनीकी संचालन टेक्निकल डायरेक्टर सुशील शर्मा एवं हरियाणा स्पोर्ट कराटे एसोसिएशन के महासचिव अनूप ठाकुर की देखरेख में हुआ।

सिहान राजेश कौशिक की रैफरी एवं जज के रूप में सहभागिता को मुजफ्फरनगर के लिए गौरव का विषय बताया गया। आयोजकों एवं खेल प्रेमियों ने प्रतियोगिता में उनकी भूमिका की सराहना की।

गांधी जी और लाल बहादुर जी के सिद्धांतों पर ही चलकर देश आगे बढ़ सकता है- मास्टर विजय सिंह

मुजफ्फरनगर । राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व भारत के पूर्व प्रधान मंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर मास्टर विजय सिंह व साथियों ने उनके चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और दोनों के बताए गए मार्गों पर चलने का आह्वान किया।

आज 2 अक्टूबर गांधी व लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर मास्टर विजय सिंह के धरना स्थल शिव चौक पर एक छोटा सा कार्यक्रम आयोजित कर एक सभा की जिसमें गांधी जी और लाल बहादुर शास्त्री जी के विचारों पर प्रकाश डाला मास्टर विजय सिंह ने कहा गांधी की दुनिया के सबसे बड़े सत्याग्रह थे उन्होंने अहिंसात्मक आंदोलन का पाठ पढ़ाया हिंसा से आंदोलन समाप्त हो जाता है लाल बहादुर शास्त्री जी ने जीवन में सादगी व उच्च आदर्श पर चलने का रास्ता बताया उन्होंने जय जवान जय किसान का नारा दिया सफेद श्वेत क्रांति व हरित क्रांति को बढ़ावा दिया , संजीव संगम प्रजापति ने गांधी जी के सर्वोदय सिद्धांत पर बोलते हुए कहां गांधीजी एक ऐसे समाज की कल्पना करते थे जहाँ अमीर-गरीब, ऊँच-नीच का भेद न हो और समाज के सबसे आखिरी पायदान पर खड़े व्यक्ति का भी कल्याण हो। कार्यक्रम में दिनेश कुमार , विकास ,राजपाल ,श्याम सिंह, उमेश कुमार, हरपाल सिंह आदि ने भाग लिया।

घर-घर गीता,हर घर गीता प्रजीओ गीता का वैश्विक अभियान-अतुल गर्ग

महावीर चौक, सिविल लाइन्स मे गीतापाठ, पितृनाम संकीर्तन का भव्य आयोजन किया गया

मुजफ्फरनगर। श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार मुजफ्फरनगर के सचिव अतुल कुमार गर्ग ने बताया कि पितृपक्ष मे नगर के अलग-अलग क्षेत्रों/परिवारों में प्रतिदिन निःशुल्क गीतापाठ, पितृनाम संकीर्तन का जो आयोजन किया जा रहा है उसी श्रृंखला मे अजय अग्रवाल ,निकट महावीर चौक,सिविल लाइन्स के सौजन्य से आयोजित किया गया। सर्वप्रथम दीप प्रज्वलित कर विधिवत पूजन किया गया। अतुल गर्ग ने गणेश वन्दना, मॉ शारदा का आह्वान,ॐ नमो भगवते वासुदेवाय महामंत्र,अक्षर ब्रह्मयोग का पाठ,भगवत स्तुति गीता मन्त्र ।भजनो के साथ पितृनाम संकीर्तन मे भजन गायक महेन्द्र रावत, राजेश वर्मा, संजय अरोरा तथा मीनाक्षी शर्मा द्वारा राधा नाम स्तुति तथा पितरों के भजनभाव को सुनकर उपस्थित श्रद्धालुजन अपने पितरों का स्मरण करके भावुक हो गए। वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामबीर सिंह ने बताया कि ऐसी मान्यता है कि पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने और उनके नामों का जप करने से कुंडली में मौजूद पितृ दोष का प्रभाव कम होता है तथा गीताजी के अक्षर ब्रह्मयोग अध्याय के पाठ का भी विशेष महत्व है ।गीतापाठ के आयोजन मे अतुल गर्ग,अजय अग्रवाल, ऋषभ अग्रवाल,स्वीटी अग्रवाल,पुष्पा,मनीष गोयल, मानसीजैन,अनुराधा कुच्छल, सरोजबाला,रमन,रेखामित्तल, मंजू कंसल,भावना गोयल, आद्रिका जैन,अंकिता गर्ग, तिलकराज,पवन मित्तल आदि बड़ी संख्या मे श्रद्धालुजन उपस्थित रहे। गीताजी की आरती के उपरांत भोग प्रसाद वितरण/सूक्ष्म जलपान के बाद कार्यक्रम को विश्राम दिया गया।

धूमधाम से मनाया गया योग दिवस

मुजफ्फरनगर। भारतीय योग संस्थान दिल्ली के तत्वाधान में मुजफ्फरनगर में आज प्रातः काल जी सी पब्लिक स्कूल में नई क्लास का शुभारंभ कर प्रकाश लाल के लिए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उसके पश्चात बड़ी धर्मशाला की प्रातः कालीन क्लास शिवपुरी की प्रातः कालीन क्लास और जी सी पब्लिक स्कूल की प्रातः कालीन क्लास ने 60 वा योग दिवस हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्रीय प्रधान श्री संजीव गोयल जी ने ओम की ध्वनि और गायत्री मंत्र के मंत्रोच्चारण भावार्थ सहित द्वारा किया गया तत्पश्चात मां सरस्वती जी और श्री प्रकाश लाल जी की मूर्ति के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण कर सरस्वती वंदना श्री नीलकंठ जी द्वारा प्रस्तुत की गई मुख्य अतिथि श्री विनोद संगल जी रहे जिन्होंने बताया जीवन की आधुनिक शैली को देखते हुए योग हमारे जीवन का आवश्यक अंग है योग को आगे बढ़ाने के लिए अपने विचार प्रस्तुत किए उनका सहयोग भारतीय योग संस्थान के लिए सराहनीय है, अचिन अग्रवाल जी एवं श्याम सिंह सैनी जी भी साथ में उपस्थित रहे,प्रांतीय कार्यकारिणी के सदस्य श्री ज्ञानचंद अरोड़ा जी जिला प्रधान सुभाष गुप्ता जी जिला मंत्री प्रेम सिंह राणा जी महिला जिला प्रधान सुनीता सैनी जी महिला जिला संरक्षक सोनिया नारंगजी महिला जिला संगठन मंत्री मधु गर्ग क्षेत्रीय प्रधान प्रमिला गिरधर क्षेत्रीय मंत्री प्रभा शिवपुरी केंद्र प्रमुख सुधीर बड़ी धर्मशाला केंद्र प्रमुख सतीश सभी सभी ने नई क्लास खुलने पर बधाई दी और और अपने अपने विचार व्यक्त किये स्वागत गान नीलकंठ जी द्वारा प्रस्तुत किया गया भावपूर्ण भजन कुलदीप द्वारा प्रस्तुत किया गया। मधु गर्ग द्वारा और सुधीर द्वारा सूक्ष्म क्रियाएं कराई गई। मंच संचालन महिला जिला मंत्री कुसुम सिंघल द्वारा किया गया शांति पाठ विनोद शर्मा जी द्वारा किया गया और उसके पश्चात प्रसाद वितरण किया गया। साधक साधिकाओ की संख्या करीब 80 रही कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी का पूर्ण सहयोग रहा।

सत्य, अहिंसा और सादगी के संदेश से गूंजा विद्यालय परिसर

'भागवंती सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती पर विविध कार्यक्रम आयोजित'

मुजफ्फरनगर। भागवंती सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, नई मंडी, मुजफ्फरनगर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती श्रद्धा, उत्साह एवं राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दोनों महापुरुषों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता श्रीमती पारुल चौधरी जी ने महात्मा गांधी जी के सत्य, अहिंसा, सादगी एवं राष्ट्रसेवा के आदर्शों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए छात्राओं को उनके विचारों को जीवन में आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि गांधी जी का जीवन सत्य और अहिंसा की शक्ति का अनुपम उदाहरण है। इस अवसर पर छात्राओं एवं आचायाओं ने श्रद्धा एवं भक्ति भाव से रघुपति राघव राजा रामह्व की रामधुन प्रस्तुत की। रामधुन के सामूहिक गायन से विद्यालय परिसर में श्रद्धा और राष्ट्रप्रेम का वातावरण निर्मित हो गया। आचार्या वर्षा ने लाल बहादुर शास्त्री जी के संघर्षपूर्ण जीवन, सादगी, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा एवं राष्ट्रसेवा पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। उन्होंने शास्त्री जी के सरल जीवन एवं उच्च आदर्शों को युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. वंदना शर्मा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी का जीवन सत्य, त्याग, अनुशासन, सादगी और राष्ट्रप्रेम की प्रेरणादायी गाथा है। उन्होंने छात्राओं से दोनों महापुरुषों के आदर्शों को अपने व्यवहार एवं जीवनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। स्वच्छता रैली में छात्राओं ने दिया जागरूकता का संदेश जयंती समारोह के अवसर पर विद्यालय से स्वच्छता रैली भी निकाली गई। रैली में छात्राओं ने पूरे उत्साह एवं जोश के साथ सहभागिता करते हुए स्वच्छता, अनुशासन और सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया। रैली के माध्यम से स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज के निर्माण के प्रति जन-जागरूकता का संदेश प्रसारित किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर समस्त विद्यालय परिवार ने दोनों महान विभूतियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया तथा सामूहिक रूप से रामधुन का गायन किया। कार्यक्रम ने छात्राओं में राष्ट्रप्रेम, सेवा, स्वच्छता, सत्य एवं अहिंसा जैसे जीवन-मूल्यों के प्रति जागरूकता का संचार किया। रैली में मुख्य रूप से आचार्य योगेश,श्रीमती शिवानी पुंडीर, श्रीमती कविता, श्रीमती पारूल चौधरी, श्रीमती भावना का विशेष सहयोग रहा ।

गांधी जयंती एवं शास्त्री जयंती पर गूंज दान शिविर का शुभारंभ

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर माउंट लिट्रा जी स्कूल मुजफ़्फ़रनगर में आज ह्यगूंज दान शिविर का शुभारंभ किया गया। यह सामाजिक सरोकार से जुड़ा अभियान 2 अक्टूबर से 9 अक्टूबर तक संचालित किया जाएगा, जिसके अंतर्गत जरूरतमंदों की सहायता के लिए उपयोगी एवं पुरानी वस्तुओं का दान किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्रों पर श्रद्धासुमन अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को दोनों महापुरुषों के जीवन, उनके आदर्शों तथा राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण से परिचित कराया गया।

विद्यार्थियों को गांधी जी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता एवं सेवा के संदेश तथा शास्त्री जी के सादगी, अनुशासन एवं कर्तव्यनिष्ठा के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। गूंज दान शिविर के माध्यम से विद्यार्थी, उनके अभिभावक, विद्यालय स्टाफ तथा आम जनता अपने घरों में उपलब्ध ऐसी उपयोगी वस्तुएँ, जिनका वे अब प्रयोग नहीं करते, उन्हें दान कर जरूरतमंद लोगों तक पहुँचाने में सहयोग करेंगे। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व, संवेदनशीलता और सहयोग की भावना विकसित करना है।

विद्यालय की निर्देशिका श्रीमती चारु भारद्वाज ने भी विद्यार्थियों को इस मानवीय पहल में उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बच्चों में सेवा और संवेदना के संस्कार विकसित करना ही ऐसे आयोजनों की वास्तविक सफलता है।

रंग संसार

'दृश्यम 3 के खौफ से 'उड़ता तीर' ने बदला रास्ता, कब रिलीज होगी आयुष्मान खुराना की फिल्म

नई दिल्ली। आयुष्मान खुराना और सारा अली खान स्टारर 'उड़ता तीर' पहले 9 अक्टूबर को रिलीज होने वाली थी। लेकिन अब फिल्म के मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया है और अब फिल्म दो हफ्ते बाद थिएटर्स में आएगी। 'उड़ता तीर' अपने ट्रेलर और चल रहे प्रमोशन से काफी चर्चा बटोर रही है। फिल्म को लेकर अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है, इसलिए मेकर्स ने समझदारी भरा फैसला लेते हुए इसकी रिलीज डेट 23 अक्टूबर कर दी है। इससे फिल्म को रिलीज के लिए बेहतर समय और ज्यादा स्क्रीन मिलेंगी, जबकि अचानक भीड़-भाड़ वाले मार्केट में स्क्रीन के लिए समझौता नहीं करना पड़ेगा।मेकर्स ने क्यों लिया ये फैसला? मेकर्स का यह एक समझदारी भरा और रणनीतिक कदम है। ट्रेलर और प्रमोशन से फिल्म की अच्छी चर्चा हो रही है और रिलीज के लिए बेहतर समय चुनने से फिल्म को ज्यादा से ज्यादा स्क्रीन पर दिखाए जाने का मौका मिलेगा।नई रिलीज डेट के साथ, 'उड़ता तीर' अब 23 अक्टूबर को सिनेमाघरों में आएगी। मेकर्स इस अतिरिक्त समय का इस्तेमाल फिल्म को ऐसे समय में दर्शकों के सामने लाने के लिए करना चाहते हैं जब दूसरी फिल्में कम रिलीज हो रही हों। फिल्म में आयुष्मान खुराना मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही सारा अली खान , गुलशन ग्रोवर, मुकुल देव और राम कपूर भी हैं। फिल्म के टाइटल और प्रमोशनल मटीरियल ने इस प्रोजेक्ट के प्रति लोगों में दिलचस्पी पैदा की है, और उम्मीद है कि यह फिल्म एक्टर के लिए एक और अलग तरह का किरदार पेश करेगी। आयुष्मान पिछली बार पत्नी पत्नी और वो दो में नजर आए थे वहीं आने वाले वक्त में उनकी दो बैक-टू-बैक फिल्में रिलीज होने के लिए तैयार है। अक्टूबर में उड़ता तीर की रिलीज के बाद उनकी सूरज बड़जात्या के निर्देशन में बनी ये प्रेम मोल लिया नवंबर में सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।इस फिल्म में वे शरवरी वाघ के साथ नजर आएंगे। फिल्म के गानों को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। फिलहाल दृश्यम 3 ने थिएटर्स में दस्तक दे दी है और इसे क्रिटीक्स का भी पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है।

राज काज

जीवन बीमा में मिलते हैं ये 5 तरह के बोनस, किन पॉलिसी में मिलता है और कैसे होती है काउंटिंग?

नई दिल्ली बोनस... यह एक ऐसा पैसा होता है, जिसका प्रत्येक नौकरीपेशा हर वर्ष इंतजार करता है। लेकिन यह सिर्फ नौकरियों तक ही सीमित नहीं है। जीवन बीमा में भी बोनस का प्रविधान है, जिसको जीवन बीमा बोनस कहा जाता है। यह वह अतिरिक्त रकम होती है, जिसके कंपनी बीमाधारक को उसके बेसिक सम एश्योर्ड से अतिरिक्त देती है। आइए जानते हैं इसके बारे में वो सबकुछ, जो आपके लिए जरूरी साबित हो सकता है। जब पॉलिसीधारक प्रीमियम जमा करता है तो वह रकम बीमा कंपनी की कुल संपत्ति का हिस्सा बन जाती है। कंपनी इस राशि का कुछ हिस्सा सरकारी प्रतिभूतियों या बॉन्ड में और कुछ हिस्सा इक्विटी यानी शेयरों में निवेश करती है।इस निवेश से बीमा कंपनी को एक रकम मिलती है, जो उसके पास एक सरप्लस बनाती है। बीमा कंपनी इसी सरप्लस या अतिरिक्त राशि को अपने पालिसीधारकों को बोनस के तौर पर बांटती है। सभी प्रकार की बीमा पालिसी पर बोनस का प्रविधान नहीं है। केवल पार्टिसिपेटिंग (लाभ के साथ) बीमा पालिसी में ही बोनस की सुविधा होती है। इन पालिसी में कंपनी के लाभ का एक हिस्सा बोनस के तौर पर पालिसीधारक को मिलता है। टर्म प्लान और यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूलिप) में बोनस नहीं मिलता। इसका कारण यह है कि इन प्राफिट शेयरिंग (लाभ साझेदारी) का विकल्प नहीं होता है। सिंपल रीवर्शनरी बोनसः यह पालिसी की सम एश्योर्ड राशि पर हर साल तय प्रतिशत के हिसाब से जुड़ता रहता है। भुगतान केवल परिपक्वता या डेथ क्लेम पर होता है। मान लीजिए, आपका सम एश्योर्ड पांच लाख रुपये है और बोनस रेट दो प्रतिशत है। ऐसे में साल का बोनस ड्ट10 हजार रुपये होगा। कंपाउंड रीवर्शनरी बोनसः इसमें हर साल के बोनस की गणना पिछले बोनस को जोड़कर कुल राशि पर की जाती है। यानी यह कंपाउंड ब्याज की तरह बढ़ता है। मान लीजिए, पांच लाख रुपये के सम एश्योर्ड पर दो प्रतिशत की दर से पहले साल 10 हजार रुपये का बोनस मिला है। अगले साल कुल राशि पांच लाख दस हजार रुपये पर दो प्रतिशत की दर से 10,200 रुपये का बोनस मिलेगा।

दैनिक राशिफल शनिवार 03 अक्टूबर 2026

मेष – जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी।

वृष – कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे।

मिथुन : अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। किसी नजदीकी शुभ चिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी।

कर्क – संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें।

सिंह– स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वविवेक से कार्य करें।

कन्या – कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। आलस्य का त्याग करें।

तुला – प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी।

वृश्चिक – स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं।

धनु – नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें।

मकर – एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए।

कुंभ – सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें।

मीन – धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। "आगे-आगे गौरख जागे" वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें।

दैनिक पंचांग

3 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

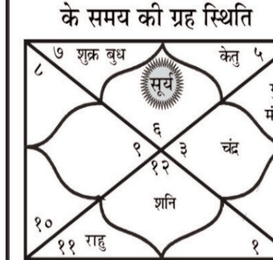

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.59 बजे से
चंद्र	मिथुन में	वृश्चिक	09.14 ब.से
मंगल	कर्क में	धनु	11.30 बजे से
बुध	तुला में	मकर	13.35 बजे से
गुरु	कर्क में	कुंभ	15.21 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	16.54 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.25 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	20.05 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	22.03 बजे से
राहुकाल		कर्क	00.16 बजे से
9.00 से 10.30		सिंह	02.32 बजे से
बजे तक		कन्या	04.44 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 276 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** सप्तमी 08.00 बजे तदनन्तर अष्टमी 05.52 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** आर्द्रा 01.30 बजे रात्र को समाप्त। **योग** वरीयान 15.22 बजे को समाप्त। **करण** बव 08.00 बजे, बालव 18.55 बजे तदनन्तर कौलव 05.52 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 21.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 03° 53' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872851 **जूलियन दिन** 2461316.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 21 **विशेष** महालक्ष्मी व जीवित्पुत्रिका व्रत।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

स्वच्छता ही सेवा अभियान में सफाई मित्रों का सम्मान, लिया स्वच्छता का संकल्प

जिला महिला चिकित्सालय में गांधी जयंती पर हुआ भव्य कार्यक्रम, स्वच्छता में सहभागः स्वच्छ भारत, विकसित भारत की थीम पर दिया स्वच्छता का संदेश

मुजफ्फरनगर। महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर शुक्रवार को जिला महिला चिकित्सालय मुजफ्फरनगर में ह्यस्वच्छता ही सेवा अभियान-2026ह्न के अंतर्गत विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा एवं मुख्य विकास अधिकारी कंडारकर कमल किशोर देशभूषण के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में स्वच्छता को जनभागीदारी से जोड़ते हुए सफाई मित्रों और स्वच्छता नायकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला महिला चिकित्सालय की मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका डॉ. मुरली भास्कर ने की। कार्यक्रम में वर्ष 2026 की थीम ह्यस्वच्छता में सहभागः स्वच्छ भारत, विकसित भारतह्न के तहत स्वच्छता को केवल अभियान नहीं, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाने का संदेश दिया गया।

महात्मा गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित कर किया नमन

कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित कर की गई। उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने गांधी जी के स्वच्छता, अनुशासन और सेवा के विचारों को याद करते हुए स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी को आवश्यक बताया। इस अवसर पर चिकित्सालय परिसर को स्वच्छ, सुंदर और हरित बनाए रखने में जुटे सफाई एवं गार्डनिंग स्टाफ के कार्यों की विशेष सराहना की गई। कार्यक्रम में कहा गया कि अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थान पर साफ-सफाई का सीधा संबंध मरीजों और उनके तीमारदारों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षित वातावरण से है।

सफाई मित्रों और स्वच्छता नायकों को किया सम्मानित

ह्यस्वच्छता ही सेवाह्न अभियान के तहत जिला महिला चिकित्सालय में दिन-रात सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने में योगदान देने वाले सफाई मित्रों एवं स्वच्छता नायकों को सम्मानित किया गया। उनके योगदान को स्वच्छ एवं समृद्ध भारत की दिशा में महत्वपूर्ण बताते हुए उनके कार्यों की प्रशंसा की गई। कार्यक्रम के दौरान अस्पताल परिसर की स्वच्छता व्यवस्था, साफ-सफाई और हरित वातावरण को बनाए रखने में जुटे

कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया गया। अधिकारियों ने कहा कि स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत बनाने में सफाई कर्मचारियों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है और उनके योगदान को सम्मान देना समाज की जिम्मेदारी है।

डॉ. राजीव कुमार ने दिलाई स्वच्छता शपथ

कार्यक्रम के दौरान डॉ. राजीव कुमार द्वारा उपस्थित चिकित्सालय स्टाफ एवं अन्य कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। सभी ने स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने, अस्पताल परिसर को स्वच्छ रखने तथा आसपास के लोगों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। शपथ के माध्यम से स्वच्छता के साथ-साथ जिम्मेदारी, सहभागिता और सामूहिक प्रयासों को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में इस बात पर जोर दिया गया कि स्वच्छ भारत का लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है, जब प्रत्येक नागरिक अपने स्तर पर स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी निभाए।

स्वच्छ एवं हरित परिसर के लिए मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका को बधाई जिला महिला चिकित्सालय के स्वच्छ एवं हरित परिसर को लेकर मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका डॉ. मुरली भास्कर के प्रयासों की भी सराहना की गई। अस्पताल परिसर को साफ-सुथरा और हरा-भरा बनाए रखने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर उन्हें बधाई दी गई। चिकित्सालय परिसर में स्वच्छता और हरियाली को बढ़ावा देने के लिए क्लीनिंग एवं गार्डनिंग स्टाफ की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया गया। कार्यक्रम के माध्यम से अस्पताल परिसर में स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए लगातार किए जा रहे प्रयासों को आगे भी जारी रखने का संकल्प लिया गया।

मैट्रन और स्टाफ की रही महत्वपूर्ण भूमिका

कार्यक्रम के सफल आयोजन में मैट्रन रीमा रानी, आईसीएन रिंका एवं एचडीएम सबा रानी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में सहयोग करते हुए आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया। कार्यक्रम में चिकित्सालय के क्लीनिंग एवं गार्डनिंग स्टाफ सहित अन्य कर्मचारियों ने भी सहभागिता की। सभी ने स्वच्छता अभियान को सफल बनाने तथा चिकित्सालय परिसर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाए रखने में अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया।

खतौली जैन कॉलेज में नुक्कड़ नाटकः छात्र-छात्राओं ने दिया नशामुक्ति और स्वच्छता का संदेश

श्री कुन्द कुन्द जैन कॉलेज में एनएसएस एवं एनसीसी के संयुक्त तत्वावधान में चला सेवा संकल्प योजना अभियान

खतौली (मुजफ्फरनगर)। श्री कुन्द कुन्द जैन पीजी कॉलेज, खतौली में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएनएस) एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के संयुक्त तत्वावधान में सेवा संकल्प योजना अभियान के अंतर्गत सामाजिक जागरूकता का विशेष आयोजन किया गया। अभियान के तहत छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटिका के माध्यम से 'नशा मुक्त भारत' एवं 'स्वच्छ भारत अभियान' का प्रभावी संदेश दिया। नाटिका को देखने के लिए कॉलेज परिसर में छात्रों और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। दर्शकों ने विद्यार्थियों के शानदार अभिनय और सामाजिक संदेश की जमकर सराहना की। कार्यक्रम का संयोजन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी विकास जैन, डॉ. दीप्ति जैन एवं डॉ. विपिन कुमार बंसल के नेतृत्व में किया गया। विद्यार्थियों ने अपनी भावपूर्ण प्रस्तुति और दमदार संवादों से नाटक के माध्यम से समाज को नशा मुक्त बनाने और आसपास सफाई बनाए रखने की सख्त जरूरत पर बल

दिया। वहीं सत्य, अहिंसा और राष्ट्रसेवा के सिद्धांतों को जीवन में उतारने तथा महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के आदर्शों को अपनाकर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करने का संदेश दिया। नुक्कड़ नाटिका के उपरांत महाविद्यालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के उपलक्ष्य में संगोष्ठी आयोजित की गईः भजन प्रस्तुतिः छात्रा मीनू देवी ने सुमधुर स्वर में भजन प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया और गांधी जी के सत्य, अहिंसा व स्वच्छता के विचारों को साझा किया। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. नीतू वशिष्ठ ने दोनों महापुरुषों के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से प्रेरणा लेने की बात कही। उन्होंने कहा कि युवाओं को न केवल अपने करियर बल्कि देश और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का भी पूरी मुस्तैदी से निर्वहन करना चाहिए। कार्यक्रम का सफल एवं कुशल संचालन डॉ. संजीव कुमार ने किया। इस दौरान एनसीसी व एनएसएस के 103 स्वयंसेवकों एवं कैडेट्स सहित महाविद्यालय के शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

गांधी-शास्त्री जयंती पर कलेक्ट्रेट में गूंजा सत्य, अहिंसा और ईमानदारी का संदेश

डीएम उमेश मिश्रा ने दोनों महापुरुषों को नमन कर कहा- उनके आदर्शों को जीवन और प्रशासनिक कार्यों में उतारना ही सच्ची श्रद्धांजलि, अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती तथा पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 122वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार को कलेक्ट्रेट प्रशासनिक कार्यालय भवन में श्रद्धा और सम्मान के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने की। जिलाधिकारी सहित कलेक्ट्रेट के अधिकारियों और कर्मचारियों ने दोनों महान विभूतियों के चित्रों पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान ह्यरघुपति राघव राजा राम, पतित पावन सीता रामह्न भजन के माध्यम से राष्ट्रनायकों को याद किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के जीवन, संघर्ष और उनके द्वारा स्थापित आदर्शों को याद करते हुए कहा कि दोनों महान विभूतियों ने अपने जीवन और कर्मों से जो आदर्श स्थापित किए, उन्हें आत्मसात करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धा होगी। उन्होंने जनपदवासियों को गांधी जयंती और शास्त्री जयंती की शुभकामनाएं भी दीं। जिलाधिकारी ने कहा कि महात्मा गांधी के जीवन-दर्शन में सत्य, अहिंसा, सत्याग्रह, स्वच्छता, आत्मनिर्भरता, स्वदेशी और अंतिम व्यक्ति के कल्याण का विशेष महत्व रहा। गांधी जी ने अपने विचारों और कार्यों के माध्यम से समाज को सत्य एवं अहिंसा के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि गांधी जी का अहिंसा और सहनशीलता का संदेश आज भी प्रासंगिक है। किसी विवाद की स्थिति में तत्काल प्रतिक्रिया देने के बजाय कुछ क्षण स्वयं को संयमित रखना कई गंभीर परिस्थितियों को टाल सकता है। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से कहा कि आमजन की आवश्यकताओं को समझते हुए नियमों और प्रक्रियाओं को सरल एवं सुगम बनाने की भावना से

कार्य किया जाना चाहिए। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जीवन को सादगी, ईमानदारी, नैतिकता और कर्तव्यनिष्ठा का अनुकरणीय उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि शास्त्री जी ने अपने जीवन से यह संदेश दिया कि सार्वजनिक जीवन में सादगी और ईमानदारी के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि दोनों महापुरुषों के जीवन से मिले संदेशों को शासन की योजनाओं और प्रशासनिक कार्यों में प्रभावी रूप से लागू करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। अधिकारी और कर्मचारी पूरी ईमानदारी, संवेदनशीलता तथा कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करें, ताकि शासन की योजनाओं का वास्तविक लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने जनसेवा को प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि सरकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना अधिकारियों-कर्मचारियों का महत्वपूर्ण दायित्व है।

आमजन अपनी समस्याओं और जरूरतों को लेकर सरकारी कार्यालयों तक पहुंचता है, ऐसे में उसकी बात को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कार्यालयों में आने वाले लोगों के साथ व्यवहार ऐसा होना चाहिए, जिससे उन्हें शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास का अनुभव हो। नियमों का पालन करते हुए जनहित से जुड़े मामलों का सरल, पारदर्शी और संवेदनशील तरीके से निस्तारण किया जाना चाहिए। अपर जिलाधिकारी प्रशासन देश दीपक सिंह ने गांधी एवं शास्त्री जयंती के अवसर पर दोनों महापुरुषों के आदर्शों और योगदान को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि गांधी जी ने सत्य, अहिंसा और जनएकता के बल पर उस समय देश का नेतृत्व किया, जब अंग्रेजी शासन के पास अत्याधुनिक हथियार और संसाधन थे।

महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती पर श्रद्धा, प्रेरणा और राष्ट्रसेवा का संकल्प

मुजफ्फरनगर। द एस.डी. पब्लिक स्कूल, द्वारिका सिटी मुजफ्फरनगर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती श्रद्धा, उत्साह और गरिमापूर्ण वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम का उद्देश्य दोनों महान विभूतियां के जीवन मूल्यों को स्मरण करने के साथ ही उनके आदर्शों से प्रेरणा प्राप्त करना था।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होती लाल शर्मा रहे। समारोह में सीताराम, अशोक कुमार गुप्ता एवं शिवकुमार की विशिष्ट उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा बढ़ाई। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत से हुआ । इसके पश्चात गांधी जी एवं शास्त्री जी के चित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ विद्यालय परिसर राष्ट्रभक्ति की भावना से ओतप्रोत हो उठा। गांधी जी के प्रिय रामधुन की भावपूर्ण प्रस्तुति ने वातावरण को श्रद्धा और शांति से भर दिया।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि होती लाल शर्मा ने गांधी जी एवं शास्त्रीजी के जीवन से जुड़े प्रेरणादायी प्रसंग साझा

करते हुए उनके सत्य, सादगी और निःस्वार्थ सेवा के आदर्शों को रेखांकित किया। उन्होंने व्यक्तिगत हित से ऊपर उठकर पृथ्वी और समस्त मानवता के कल्याण की भावना से कार्य करने के लिए प्रेरित किया,और कहा कि महापुरुषों के विचार तभी सार्थक हैं, जब वे हमारे आचरण में दिखाई दें।

समापन अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती नीलम माहना जीने मुख्य अतिथि एवं सभी सम्माननीय अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, ह्लगांधी जी का सत्य और शास्त्री जी की सादगी आज भी हमारे जीवन को दिशा देने वाले मूल्य हैं। इन आदर्शों को अपने आचरण में उतारना और समाज व प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के Eco Club द्वारा परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। व शिक्षकों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी का संदेश दिया। इस पहल ने समारोह के संदेश को सार्थक रूप देते हुए सत्य, सेवा, प्रकृति-संरक्षण और सर्वकल्याण की भावना को सुदृढ़ किया।

खतौली में मोबाइल झपटमारीः एक आरोपी गिरफ्तार,चोरी का फोन व बाइक बरामद

दयालपुरम निवासी से छीना गया था सैमसंग गैलेक्सी फोन

खतौली (मुजफ्फरनगर)। थाना खतौली पुलिस ने क्षेत्र में मोबाइल झपटमारी की घटना का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से पीड़ित का छीना गया मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। इसके साथ ही मामले में शामिल एक बाल अपचारी को भी पुलिस ने संरक्षण में लिया है।

मामले की जानकारी देते हुए कोतवाल दिनेश चन्द्र बघेल ने बताया कि बीती 26 सितंबर को दयालपुरम निवासी कुलदीप कुमार ने थाने में तहरीर दी थी। शिकायत में उन्होंने बताया था कि अज्ञात बदमाशों ने झपट्टा मारकर उनका सैमसंग गैलेक्सी मोबाइल फोन छीन लिया है। पीड़ित की शिकायत पर तत्काल मुकदमा पंजीकृत कर जांच उपनिरीक्षक रजत चौधरी को सौंपी गई थी। घटना के खुलासे के लिए गठित पुलिस टीम ने सुरागरसी और मुखबिर की सूचना के आधार पर नहर पटरी पर खजूर के पेड़ों के पास से दबिश देकर अब्दुल शमद उर्फ शानू (निवासी जैन नगर, खतौली) और उसके एक साथी बाल अपचारी को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी लेने पर पुलिस को आरोपियों के पास से छीना गया सैमसंग मोबाइल और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद हुई। पुलिस के अनुसार बरामदगी के आधार पर दर्ज मुकदमे में संबंधित सुसंगत धाराओं की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त अब्दुल शमद उर्फ शानू को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा, वहीं मामले से

जुड़े बाल अपचारी के खिलाफ नियमानुसार बाल न्याय बोर्ड के समक्ष अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। कोतवाल दिनेश चन्द्र बघेल के कुशल नेतृत्व में इस सराहनीय कार्य को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक रजत सिंह, उपनिरीक्षक तेजवीर सिंह, हेड कांस्टेबल जितेन्द्र कुमार, कांस्टेबल अमित कुमार और कांस्टेबल हेमंत कुमार शामिल रहे।

खतौली में गांधी जयंती पर सपा नेताओं ने ली लोकतंत्र रक्षा की शपथः 4 अक्टूबर को 'लोकतंत्र बचाओ मार्च' का ऐलान

पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश जिला मुख्यालय पर होगा प्रदर्शन

खतौली (मुजफ्फरनगर)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर कस्बा खतौली में समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं व नेताओं ने दोनों महापुरुषों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान सपा नेताओं ने देश के लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए संघर्ष करने का सामूहिक संकल्प लिया। 4 अक्टूबर को जिला मुख्यालय पर विशाल 'लोकतंत्र बचाओ मार्च'

शिवपुरी कॉलोनी स्थित समाजवादी पार्टी के विधानसभा जिला उपाध्यक्ष पंकज सैनी के आवास पर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए खतौली विधानसभा अध्यक्ष सत्यदेव शर्मा ने इंडिया गठबंधन और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के फैसलों की जानकारी दी। बीती 30 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित इंडिया गठबंधन की बैठक में 2 से 8 अक्टूबर तक देश भर के हर जिला मुख्यालय पर 'लोकतंत्र बचाओ मार्च' निकालने का निर्णय लिया गया था। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार 4 अक्टूबर को मुजफ्फरनगर जिला मुख्यालय पर "लोकतंत्र बचाओ, वोट बचाओ, देश बचाओ" नारे के तहत विशाल मार्च निकाला जाएगा। मुख्य चुनाव आयुक्त पर साधा निशानाः 'वोट चोरी

से लोकतंत्र खतरे में' सत्यदेव शर्मा ने पार्टी कार्यकताओं और आम जनता से 4 अक्टूबर के प्रदर्शन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की।मुख्य चुनाव आयुक्त ने वोट चोरी के माध्यम से देश के लोकतंत्र को गंभीर खतरे में डाल दिया है। चुनाव आयोग का यह कृत्य अपराध की श्रेणी में आता है। जब तक मुख्य चुनाव आयुक्त अपने पद से इस्तीफा नहीं दे देते, तब तक मुख्य विपक्षी दल और इंडिया गठबंधन अपना आंदोलन जारी रखेंगे। इसके साथ ही उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों को लेकर कार्यकताओं को अभी से जमीनी स्तर पर एकजुट होकर जुटने का आह्वान किया। जयंती समारोह और रणनीति बैठक के दौरान समाजवादी पार्टी के नगर अध्यक्ष हाजी वसीम सिद्दीकी, ब्लॉक अध्यक्ष शेखर गुर्जर, विधानसभा जिला उपाध्यक्ष पंकज सैनी, इरफान टेंपो, इरशाद गुर्जर, हाजी इकबाल, शादाब कुरेशी, दानिश काजी, हकीम सैय्यद ताजुद्दीन, भूपेंद्र प्रजापति, राजेंद्र कुमार, शान हैदर, अमित गुर्जर, सत्येंद्र कुमार, अंकुश चौधरी, ठाकुर गजेंद्र सोम, दिलशाद, घनश्याम प्रजापति, निशांत शर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पोक्सो कानून को लेकर छात्र-छात्राओं ने निकाली प्रभात फेरी, दिया जागरूकता का संदेश

गांधी जयंती पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का विशेष अभियान; छह इंटर कॉलेजों के विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा, मंसूरपुर में नुक्कड़ नाटक और ड्राइंग-पेंटिंग प्रतियोगिता से किया जागरूक

मुजफ्फरनगर। गांधी जयंती के अवसर पर पोक्सो अधिनियम-2012 के संबंध में विशेष जागरूकता एवं संवेदीकरण अभियान के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से शुक्रवार को विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत छात्र-छात्राओं ने प्रभात फेरी निकालकर बाल संरक्षण एवं बच्चों के कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अभियान का उद्देश्य बच्चों में पोक्सो कानून के प्रति जागरूकता पैदा करना है, उन्हें भयभीत करना नहीं। कार्यक्रम का आयोजन उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशों के अनुपालन में किया गया। प्रभात फेरी में शहर के विभिन्न इंटर कॉलेजों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रभात फेरी में छोटू राम इंटर कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज, डीएवी इंटर कॉलेज, एसडी इंटर कॉलेज, इस्लामिया इंटर कॉलेज तथा जैन इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों ने जागरूकता अभियान के तहत लोगों को बच्चों की सुरक्षा और पोक्सो अधिनियम के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। प्रभात फेरी का शुभारंभ प्रभारी जनपद न्यायाधीश के कुशल निर्देशन में सिविल जज (सीनियर डिवीजन) एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मुजफ्फरनगर डॉ. सत्येन्द्र कुमार चौधरी ने किया।

प्रभात फेरी राजकीय इंटर कॉलेज के मैदान से शुरू हुई। इसके बाद विद्यार्थी महावीर चौक, प्रकाश चौक और कचहरी गेट होते हुए वापस राजकीय इंटर कॉलेज के मैदान पहुंचे। इस दौरान विद्यार्थियों के साथ संबंधित विद्यालयों के शिक्षक भी

मौजूद रहे। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को पोक्सो अधिनियम-2012 के प्रावधानों और बच्चों की सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं के संबंध में जागरूक किया गया। उन्हें बताया गया कि किसी भी प्रकार की परेशानी अथवा समस्या सामने आने पर उसे छिपाने के बजाय विश्वसनीय बड़े व्यक्ति तक पहुंचाना आवश्यक है। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डॉ. सत्येन्द्र कुमार चौधरी ने बताया कि पोक्सो अधिनियम को लेकर चलाए जा रहे जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य बच्चों को उनके अधिकारों और कानून की जानकारी देना है। उन्होंने कहा कि बच्चों को कानून के बारे में जागरूक किया जाना जरूरी है, ताकि वे किसी भी समस्या की स्थिति में उचित व्यक्ति से सहायता ले सकें। उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि यदि कोई बच्चा किसी जानी या अनजानी समस्या में फंस जाता है तो उसे तत्काल अपनी समस्या शिक्षक अथवा अभिभावक के साथ साझा करनी चाहिए। समय रहते समस्या की जानकारी मिलने से उसका प्रभावी समाधान निकाला जा सकता है।

प्रभात फेरी के बाद मंसूरपुर स्थित महर्षि दयानंद इंटर कॉलेज में भी पोक्सो अधिनियम-2012 के संबंध में विशेष जागरूकता एवं संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां प्रभात फेरी के साथ नुक्कड़ नाटक तथा ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव डॉ. सत्येन्द्र कुमार चौधरी, पीएलवी गौरव मलिक, विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकगण मौजूद रहे। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों को बाल सुरक्षा और अपनी समस्याओं को उचित व्यक्ति तक पहुंचाने के महत्व को समझाया गया।

खतौली वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के सम्मान में गूंजा भावुक संदेशः मां-बाप का सम्मान ही असली संस्कार

समाज कल्याण विभाग का आवासीय वृद्धाश्रम में कार्यक्रम आयोजित

खतौली (मुजफ्फरनगर)। अंतरराष्ट्रीय वृद्ध दिवस के अवसर पर गांव पमनावली पुलिस चौकी क्षेत्र स्थित समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित आवासीय वृद्धाश्रम में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अपनों से दूर रह रहे वृद्धजनों को फलाहार, खाद्य सामग्री एवं वस्त्र वितरित कर उनके साथ समय बिताया गया। उपहार और अपनों जैसा स्नेह पाकर बुजुर्गों के चेहरों पर खुशी और अपनत्व की चमक बिखर गई।

बुजुर्गों की सेवा सामाजिक और पारिवारिक जिम्मेदारीः रुहामा अहमद

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद गोल्डन हार्ट एकेडमी की एमडी एवं प्रधानाचार्या श्रीमती रुहामा अहमद ने बुजुर्गों का हाल-चाल जाना और उनसे आत्मीय बातचीत की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि माता-पिता और बुजुर्गों का सम्मान ही हमारे जीवन का वास्तविक संस्कार है। जिस मां ने अपनी नींद और खुशियों का त्याग कर बच्चों को पाला और जिस पिता ने अपनी जरूरतों को भूलकर बच्चों

के सपने पूरे किए, जीवन के अंतिम पड़ाव में उन्हीं माता-पिता का हाथ थामना संतान का सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने कहा कि बच्चों को शुरूआत से ही बुजुर्गों की सेवा और सम्मान करने की सीख दी जानी चाहिए। आधुनिक जीवन की दौड़भाग में यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि जिन हाथों ने हमें चलना सिखाया, बुढ़ापे में वही हाथ सहारा मांगते हैं। उनके पास बैठना और सुनना हमारी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के दौरान जिला समाज कल्याण अधिकारी कमलेश कुमार, वृद्धाश्रम की अधीक्षिका रेखा सिंह सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने बुजुर्गों को वस्त्र, फल और खाद्य सामग्री भेंट की। वृद्धाश्रम की अधीक्षिका रेखा सिंह ने आए हुए अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए आश्रम में वृद्धजनों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बुजुर्ग समाज की वह अनमोल धरोहर हैं, जिनके अनुभव और संघर्षों की नींव पर नई पीढ़ी का भविष्य टिका है। इस आयोजन ने समाज को यह महत्वपूर्ण संदेश दिया कि वृद्ध दिवस केवल वर्ष में एक दिन मनाने तक सीमित न रहे, बल्कि बुजुर्गों के प्रति सम्मान, सेवा और अपनत्व की भावना हर परिवार की दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बननी चाहिए। माता-पिता की सेवा कोई एहसान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे खूबसूरत संस्कार है।

वहलना जैन तीर्थ में उमड़ा आस्था का सैलाब, भव्य रथयात्रा में गूंजे जयकारे

वार्षिक मेला एवं रथांगना महोत्सव में देश-विदेश से पहुंचे श्रद्धालु, मुनि श्री 108 अनुपम सागर जी महाराज के ससंघ सानिध्य में हुए धार्मिक आयोजन

मुजफ्फरनगर। प्रसिद्ध श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र वहलना में 2 अक्टूबर को प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार वार्षिकोत्सव, वार्षिक मेला एवं रथांगना महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। भगवान श्रीजी की भव्य रथयात्रा और वार्षिक पदयात्रा में मुजफ्फरनगर समेत आसपास के जनपदों तथा देश-विदेश के विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। सुबह से ही तीर्थ क्षेत्र में श्रद्धालुओं की आवाजाही शुरू हो गई थी। दिनभर पूरा परिसर भक्ति और आस्था के रंग में रंगा नजर आया।

मुनि श्री 108 अनुपम सागर जी महाराज के ससंघ सानिध्य में धार्मिक आयोजन

वार्षिक धार्मिक कार्यक्रम परम पूज्य पट्टाचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य, वात्सल्य दिवाकर एवं जैनत्व संस्कार शिरोमणि मुनि श्री 108 अनुपम सागर जी महाराज के ससंघ सानिध्य में संपन्न हुआ। जैन संतों के सानिध्य और आशीर्वाद से श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह रहा। श्रद्धालुओं ने विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया और भगवान के दर्शन कर धर्मलाभ प्राप्त किया।

भगवान चिंतामणि पार्श्वनाथ के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

रथयात्रा और वार्षिक पदयात्रा में बड़ी संख्या में जैन समाज के लोगों ने सहभागिता की। श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ भगवान चिंतामणि पार्श्वनाथ के दर्शन किए और परिवार की सुख-समृद्धि, शांति एवं मंगल की कामना की। धार्मिक जयकारों से पूरा तीर्थ क्षेत्र गूंजता रहा। देश के कोने-कोने से पहुंचे श्रद्धालु वहलना तीर्थ के वार्षिकोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। मुजफ्फरनगर के अलावा आसपास के कई जनपदों तथा देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु यहां पहुंचे। श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या के कारण तीर्थ क्षेत्र में दिनभर विशेष चहल-पहल बनी रही।

डॉ. चंद्र मोहन जैन समेत कई गणमान्यजन हुए शामिल

कार्यक्रम में गुलशन केमिकल के डायरेक्टर डॉ. चंद्र मोहन जैन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इसके अलावा सपा नेता गौरव जैन समेत अनेक गणमान्यजनों ने कार्यक्रम में सहभागिता की। आयोजन समिति की ओर से अतिथियों का पटका पहनाकर, तिलक लगाकर और प्रतीक चिह्न भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया गया।

आयोजन समिति ने संभाली व्यवस्थाओं की कमान

वार्षिकोत्सव के सफल आयोजन में आयोजन समिति के अध्यक्ष राजेश जैन, कोषाध्यक्ष मनोज जैन, महामंत्री संजय जैन सहित पदाधिकारी विप्लव जैन, रोहित जैन एवं अन्य कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। समिति के पदाधिकारियों ने श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न व्यवस्थाएं संभालीं और धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में सहयोग किया।

2 अक्टूबर को रथयात्रा निकालने की वर्षों पुरानी परंपरा

आयोजकों ने बताया कि वहलना जैन तीर्थ में प्रत्येक वर्ष 2 अक्टूबर को भगवान श्रीजी की रथयात्रा निकालने की परंपरा निभाई जाती है। रथयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। आयोजकों के अनुसार रथयात्रा के माध्यम से अधिक से अधिक श्रद्धालुओं को भगवान श्रीजी के दर्शन का अवसर मिलता है।

दस वर्षों से विकास कार्यों पर भी हुई चर्चा

धार्मिक कार्यक्रम के दौरान वहलना तीर्थ क्षेत्र में पिछले करीब दस वर्षों में हुए विकास कार्यों और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर भी चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि तीर्थ क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विस्तार और क्षेत्र के निरंतर विकास के लिए लगातार कार्य किए गए हैं। इसके लिए तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष आदेश जैन एवं उनकी टीम के प्रयासों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

समाज के हितों और धार्मिक विषयों पर रखे विचार

कार्यक्रम में जैन समाज के सामाजिक एवं धार्मिक विषयों के साथ समाज के अधिकारों और हितों को लेकर भी वक्ताओं ने अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि जैन समाज अहिंसा, शांति, सेवा और मानव कल्याण की भावना में विश्वास रखता है तथा समाजहित से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए सदैव प्रयासरत रहा है। धार्मिक आयोजन की गरिमा को ध्यान में रखते हुए वक्ताओं ने राजनीतिक टिप्पणियों से दूरी बनाए रखी। समाज के वरिष्ठजनों और समाज के सहयोग से समाजहित में कार्यों को आगे बढ़ाने की बात कही गई।

श्रद्धालुओं के लिए भोजन-प्रसाद की विशेष व्यवस्था

वार्षिकोत्सव एवं मेले में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं के लिए भोजन-प्रसाद की विशेष व्यवस्था की गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। मेले के चलते तीर्थ क्षेत्र में दिनभर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही और पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल नजर आया।

मशीन खरीद के नाम पर 47.95 लाख रुपये हड़पने का आरोप, तमिलनाडु की कंपनी के निदेशक पर मुकदमा

बिंदल्स पेपर्स मिल्स ने मशीन खरीद के लिए आरटीजीएस से भेजे थे 47,95,200 रुपये; रकम लेने के बाद न मशीन भेजी और न पैसे लौटाए, कानूनी कार्रवाई की धमकी देने का भी आरोप

मुजफ्फरनगर। नई मंडी थाना क्षेत्र स्थित बिंदल्स पेपर्स मिल्स लिमिटेड की ओर से मशीन खरीदने के नाम पर तमिलनाडु की एक कंपनी को दिए गए 47 लाख 95 हजार 200 रुपये वापस नहीं करने का मामला सामने आया है। कंपनी के डायरेक्टर ने आरोप लगाया है कि मशीन खरीदने के लिए तय रकम का अग्रिम भुगतान आरटीजीएस के माध्यम से करने के बाद भी संबंधित कंपनी ने मशीन उपलब्ध नहीं कराई। रकम वापस मांगने पर कथित तौर पर धमकी दी गई कि कानूनी कार्रवाई करने पर उनकी कंपनी बंद करा दी जाएगी। मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दी गई शिकायत के आधार पर नई मंडी पुलिस ने संबंधित कंपनी के निदेशक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार बिंदल्स पेपर्स मिल्स लिमिटेड, आठ किलोमीटर भोपा रोड, थाना नई मंडी के डायरेक्टर मयंक बिंदल ने बताया कि उनकी कंपनी को एक मशीन की आवश्यकता थी। इसी सिलसिले में उन्होंने तमिलनाडु के कोयंबटूर स्थित सरवाल इंजीनियरिंग वर्क्स, करमादाई, मेट्टुपालयम के डायरेक्टर रामप्रसाद से संपर्क किया था। तहरीर के मुताबिक मशीन खरीदने को लेकर दोनों पक्षों के बीच बातचीत हुई और 28 मई 2025 को मशीन की खरीद की डील 2 करोड़ 40 लाख रुपये में तय हुई। समझौते के अनुसार मशीन की कीमत का कुछ हिस्सा अग्रिम रूप से कंपनी को दिया जाना था। तहरीर में बताया गया है कि मशीन की खरीद के लिए प्रचेज ऑर्डर संख्या 22502 दिनांक 21 जुलाई 2025 को तैयार किया गया था। इसमें तय शर्तों के अनुसार करीब 20 प्रतिशत अग्रिम राशि का भुगतान किया जाना था। कंपनी के डायरेक्टर के मुताबिक डील के तहत उनकी ओर से 47,95,200 रुपये की राशि आरटीजीएस के माध्यम से 31 जुलाई 2025 को संबंधित कंपनी के खाते में ट्रांसफर कर दी गई। तहरीर में कहा गया है कि यह रकम संबंधित कंपनी को प्राप्त भी हो गई थी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि अग्रिम रकम प्राप्त होने के बावजूद संबंधित कंपनी ने मशीन उपलब्ध नहीं कराई। कंपनी की ओर से लगातार मशीन भेजने को लेकर आश्वासन दिया जाता रहा, लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी मशीन बिंदल्स पेपर्स मिल्स को नहीं भेजी गई। इसके बाद बिंदल्स पेपर्स मिल्स की ओर से संबंधित कंपनी से लगातार संपर्क किया गया और डील के अनुसार मशीन उपलब्ध कराने अथवा पहले से दी गई 47.95 लाख रुपये की अग्रिम रकम वापस करने की मांग की गई। आरोप है कि इसके बावजूद न तो मशीन उपलब्ध कराई गई और न ही अग्रिम रकम वापस की गई। तहरीर में गंभीर आरोप लगाते हुए कहा गया है कि जब कंपनी की ओर से अपनी रकम वापस मांगी गई तो संबंधित कंपनी की ओर से कथित तौर पर धमकी दी गई। शिकायत के मुताबिक कहा गया कि रकम वापस नहीं की जाएगी और यदि इस मामले में कोई कानूनी कार्रवाई करने का प्रयास किया गया तो उनकी कंपनी बंद करा दी जाएगी।

शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि लगातार प्रयास करने के बाद भी जब न मशीन मिली और न रकम वापस हुई तो उसे मजबूर होकर पुलिस की शरण लेनी पड़ी। मयंक बिंदल ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर को प्रार्थना पत्र देकर पूरे मामले की शिकायत की और रिपोर्ट दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की मांग की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित पक्ष के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रालोद कार्यालय में गांधी-शास्त्री जयंती पर गूंजा सत्य, सादगी और किसान सम्मान का संदेश

वक्ताओं ने कहा—महापुरुषों के विचारों को राजनीति और आचरण का हिस्सा बनाना ही सच्ची श्रद्धांजलि

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय लोक दल के मुजफ्फरनगर स्थित कार्यालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। पार्टी पदाधिकारियों और विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों ने दोनों महापुरुषों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके राष्ट्रहित में किए गए योगदान को याद किया। कार्यक्रम में सत्य, सादगी, ईमानदारी, राष्ट्रसेवा और किसान सम्मान को लेकर विचार रखे गए। कार्यक्रम में बुढ़ाना विधायक राजपाल बालियान, जिला अध्यक्ष संजय राठी, रामनिवास पाल, प्रदेश सचिव उमादत्त शर्मा, जिला महासचिव राकेश बालियान, क्षेत्रीय अध्यक्ष सामाजिक न्याय मोर्चा हरेंद्र पाल, नगर अध्यक्ष राहुल शर्मा, जिला संयोजक एडवोकेट रॉबिन लाटियान, सदर विधानसभा प्रभारी विदित मलिक, नदीम बबलू, चौधरी जगपाल सिंह सहित राष्ट्रीय लोक दल के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी और विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन व्यापार प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष सतबीर वर्मा ने किया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने महात्मा गांधी के जीवन और उनके विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने सत्य और अहिंसा को अपने संघर्ष का आधार बनाया। उनके विचारों ने देश के स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा देने का काम किया। वक्ताओं ने कहा कि गांधी का जीवन सत्य, आत्मसंयम और समाज के कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशीलता का संदेश देता है। वहीं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जीवन को याद करते हुए वक्ताओं ने उनकी सादगी, ईमानदारी और राष्ट्रसेवा का उल्लेख किया। वक्ताओं के अनुसार शास्त्री ने सार्वजनिक जीवन में सादगी और जिम्मेदारी की मिसाल कायम की तथा कठिन परिस्थितियों में देश का नेतृत्व किया। राजनीति को सेवा का माध्यम बनाने पर जोर

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के जीवन से यह संदेश मिलता है कि सार्वजनिक जीवन का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की सेवा करना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि दोनों महापुरुषों ने अपने आचरण के माध्यम से राजनीति में नैतिक मूल्यों और जनसेवा की महत्ता को स्थापित किया। वक्ताओं ने कहा कि आज के समय में महापुरुषों के विचारों को केवल भाषणों और जयंती कार्यक्रमों तक सीमित रखने के बजाय उन्हें व्यवहार और सार्वजनिक जीवन का हिस्सा बनाने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय लोक दल के पदाधिकारियों ने पार्टी की राजनीतिक विचारधारा का उल्लेख करते हुए कहा कि किसान, मजदूर, गांव, गरीब और आम आदमी का सम्मान राजनीति के केंद्र में होना चाहिए। वक्ताओं ने किसान मसीहा चौधरी चरण सिंह के राजनीतिक जीवन और उनके विचारों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह ने किसानों और ग्रामीण भारत के हितों को अपने राजनीतिक जीवन में प्रमुखता दी। उनके अनुसार सादगी, ईमानदारी और किसानों के हितों के प्रति प्रतिबद्धता सार्वजनिक जीवन के महत्वपूर्ण मूल्य हैं। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री को केवल उनकी जयंती के अवसर पर याद करना पर्याप्त नहीं है।

उनके विचारों और आदर्शों को अपने आचरण में उतारना ही उनके प्रति वास्तविक सम्मान होगा। उन्होंने कहा कि सत्य, अहिंसा, सादगी, ईमानदारी, राष्ट्रसेवा और समाज के कमजोर वर्गों के सम्मान जैसे मूल्यों को सार्वजनिक जीवन में अपनाने की जरूरत है। कार्यक्रम में मौजूद पदाधिकारियों ने दोनों महापुरुषों के आदर्शों को आगे बढ़ाने और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनके बताए मूल्यों और सिद्धांतों को जनसेवा के माध्यम से आगे बढ़ाने की बात कही।

खतौली की छात्राओं को न्यायाधीश ने दी पोक्सो एक्ट की जानकारी: बताए उनके अधिकार और कानूनी संरक्षण

श्री देवी मंदिर कन्या इंटर कॉलेज में लगा जागरूकता शिविर

खतौली (मुजफ्फरनगर)। गांधी जयंती के पावन अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में चलाए जा रहे 'पोक्सो एक्ट-2012 जागरूकता अभियान' के अंतर्गत नगर के श्री देवी मंदिर कन्या इंटर कॉलेज में एक विशेष कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को बाल यौन अपराधों से संरक्षण कानून के विभिन्न प्रावधानों, उनके अधिकारों और कानूनी सुरक्षा कवच के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता ग्राम न्यायालय खतौली के न्यायाधीश दिव्य प्रताप सिंह निमेष ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि पोक्सो अधिनियम (बच्चों को लैंगिक अपराधों और उत्पीड़न से सुरक्षा प्रदान करने वाला एक बेहद मजबूत और सख्त कानून है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार के अनुचित व्यवहार, उत्पीड़न अथवा असुरक्षा की स्थिति में छात्राओं को बिल्कुल चुप नहीं रहना चाहिए। डरने के बजाय तत्काल अपने अभिभावक, शिक्षक, पुलिस या संबंधित कानूनी सहायता तंत्र को इसकी जानकारी दें। न्यायाधीश ने छात्राओं को बाल सुरक्षा के लिए समर्पित आपातकालीन सेवाओं जैसे चाइल्ड हेल्पलाइन (1098), महिला हेल्पलाइन (1090) और कानूनी सहायता के विभिन्न माध्यमों की बारीकियों से अवगत कराया। सत्र के दौरान छात्राओं ने बाल सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और कानून से संबंधित प्रश्नों को बेहद गंभीरता से समझा। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य वक्ताओं ने रेखांकित किया कि कानून बच्चों की सुरक्षा और सम्मान की रक्षा के लिए ही बनाया गया है। किसी भी अप्रिय या संदिग्ध परिस्थिति में सहायता मांगना हर बच्चे का मौलिक अधिकार है। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. कविता गुप्ता ने मुख्य अतिथि न्यायाधीश दिव्य

प्रताप सिंह निमेष का स्वागत किया और छात्राओं को इस महत्वपूर्ण व व्यावहारिक कानूनी ज्ञान से समृद्ध करने के लिए आभार जताया। डॉ. कविता गुप्ता ने कहा कि इस प्रकार के जागरूकता आयोजन छात्राओं में आत्मविश्वास जगाते हैं, उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग बनाते हैं तथा एक सुरक्षित वातावरण के निर्माण में मदद करते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय की समस्त अध्यापिकाओं का पूर्ण सहयोग रहा। समारोह के अंत में सभी छात्राओं को बाल सुरक्षा, कानूनी जागरूकता और अपने आसपास के वातावरण के प्रति सतर्क रहने की शपथ दिलाई गई।

रेलवे स्टेशन की ओर स्मैक बेचने जा रहा था तस्कर, पुलिस ने दबोचा

सिविल लाइन पुलिस की कार्रवाई में 7 ग्राम स्मैक बरामद, कीमत करीब 1.40 लाख रुपये, इलेक्ट्रिक कांटा भी मिला, आरोपी ने खुद नशा करने और पुड़िया बेचकर खर्च चलाने की बात कबूली

मुजफ्फरनगर। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन सवेरा– ह्ननशे के अंधकार से जीवन के उजाले की ओरह्न अभियान के तहत थाना सिविल लाइन पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 7 ग्राम स्मैक (हेरोइन) बरामद की है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 1 लाख 40 हजार रुपये बताई गई है। आरोपी के पास से स्मैक की तौल के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला इलेक्ट्रिक कांटा भी बरामद हुआ है। पुलिस के अनुसार गुरुवार शाम कच्ची सड़क चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक मोहित कुमार अपनी पुलिस टीम के साथ संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थे। इसी दौरान बामनहेड़ी रेलवे

स्टेशन से करीब 200 मीटर पहले पुलिस ने संदिग्ध अवस्था में जा रहे युवक को रोककर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 7 ग्राम स्मैक और एक इलेक्ट्रिक कांटा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी को तत्काल हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपी की पहचान शौकीन पुत्र मुन्ना मिस्त्री निवासी मकान नंबर 316, गली नंबर 6, महमूद नगर, थाना सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर के रूप में हुई। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह स्वयं भी स्मैक का सेवन करता है और अपने खर्चे निकालने के लिए स्मैक की खरीद-फरोख्त करता है। उसके अनुसार वह स्मैक की एक पुड़िया करीब 300 रुपये में बेचता था। आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह सुनसान स्थानों पर जाकर आने-जाने वाले लोगों को स्मैक बेचता था और इससे मुनाफा कमाता था। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने पूछताछ में यह भी बताया कि वह घटना के समय स्मैक बेचने के लिए रेलवे स्टेशन की ओर जा रहा था, तभी पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

1.40 लाख रुपये की स्मैक और इलेक्ट्रिक कांटा बरामद

सिविल लाइन पुलिस ने आरोपी के कब्जे से कुल 7 ग्राम स्मैक (हेरोइन) बरामद की है। इसकी अनुमानित कीमत करीब 1 लाख 40 हजार रुपये बताई है। इसके अलावा स्मैक की तौल के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक इलेक्ट्रिक कांटा भी बरामद किया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं में कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही पुलिस आरोपी के फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंक की जांच कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसे मादक पदार्थ कहां से मिलता था और वह आगे किन लोगों को इसकी सप्लाई करता था। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी शौकीन का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है।

करनाल में सड़क हादसे ने बुझाया घर का इकलौता चिराग, मनु की मौत से गांव में मातम

गुड़गांव से बाइक पर करनाल जा रहा था मनु, रास्ते में दर्दनाक हादसे ने छीनी जिंदगी, इकलौते बेटे की मौत से माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल, गांव में पसरा मातम

मुजफ्फरनगर। मीरापुर थाना क्षेत्र के गांव भुम्मा निवासी 22 वर्षीय युवक की करनाल में हुए सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। युवक की पहचान मनु पुत्र अविनाश के रूप में हुई है। मनु गुड़गांव स्थित एक कंपनी में नौकरी करता था और शुक्रवार सुबह बाइक से गुड़गांव से करनाल की ओर जा रहा था। करनाल क्षेत्र में वह सड़क हादसे का शिकार हो गया। हादसा इतना भीषण था कि मनु की मौके पर ही मौत हो गई। बताया गया कि मनु शुक्रवार सुबह अपनी बाइक लेकर गुड़गांव से करनाल के लिए निकला था। वह अपने काम के सिलसिले में करनाल जा रहा था। रास्ते में करनाल क्षेत्र में अचानक हुए सड़क हादसे ने उसे परिवार से हमेशा के लिए छीन लिया। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने घटना की जानकारी संबंधित अधिकारियों को दी। हादसे की सूचना मिलते ही मनु के परिवार में चीख-पुकार मच गई। परिजन इस दर्दनाक खबर पर

यकीन नहीं कर पा रहे थे। कुछ ही देर में घर पर रिश्तेदारों और ग्रामीणों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। मनु अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। वह नौकरी कर परिवार की जिम्मेदारियों में हाथ बंटाता था। बेटे की अचानक मौत की खबर ने माता-पिता को गहरे सदमे में डाल दिया। जिस बेटे से परिवार को भविष्य की उम्मीदें थीं, उसकी असमय मौत से पूरा परिवार टूट गया। मनु की मौत की खबर सुनकर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मां बेटे को याद कर बार-बार बेसुध हो रही है, जबकि पिता भी बेटे के चले जाने के गम में बदहवास हैं। परिवार के लिए यह हादसा ऐसा गहरा सदमा बन गया, जिसकी भरपाई शायद कभी नहीं हो सकेगी। मनु की मौत की खबर जैसे ही गांव भुम्मा पहुंची, पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जिसने भी 22 वर्षीय युवक की मौत की खबर सुनी, वह गमजदा परिवार को सांत्वना देने उनके घर पहुंच गया। ग्रामीणों ने बताया कि मनु मिलनसार स्वभाव का युवक था और परिवार की जिम्मेदारियों को समझता था। इतनी कम उम्र में उसका दुनिया से चले जाना गांव के लोगों के लिए भी बेहद दुखद है। घर के बाहर लोगों की भीड़ जमा रही और हर किसी की जुबान पर मनु की असमय मौत की चर्चा रही। मनु के जाने से परिवार में जहां मातम पसरा है, वहीं उस घर की रौनक भी जैसे हमेशा के लिए छिन गई है। माता-पिता के लिए इकलौते बेटे की अर्थी का दृश्य किसी बड़े दुख से कम नहीं है। शुक्रवार की सुबह जो युवक रोजमर्रा की तरह बाइक लेकर घर से निकला था, उसके वापस न लौटने की खबर ने परिवार को झकझोर दिया। गांव में भी मनु की मौत को लेकर लोग भावुक नजर आए। ग्रामीणों ने शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया और इस दुख की घड़ी में परिवार के साथ खड़े रहने का भरोसा दिया। सिर्फ 22 वर्ष की उम्र में मनु ने जिंदगी की राह में कदम ही रखा था। नौकरी कर वह अपने परिवार का सहारा बनने की कोशिश कर रहा था, लेकिन सड़क हादसे ने उसके सभी सपनों और परिवार की उम्मीदों पर अचानक विराम लगा दिया। इकलौते बेटे की मौत ने माता-पिता को ऐसा दर्द दिया है, जिसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। करनाल में हुए इस हादसे की खबर ने भुम्मा गांव के माहौल को गमगीन कर दिया।

सपा कार्यालय पर गांधी-शास्त्री जयंती पर गूंजा सत्य, अहिंसा और सादगी का संदेश

सपाइयों ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया नमन, बोले—महान विभूतियों के विचार आज भी देश और समाज के लिए प्रेरणादायी

मुजफ्फरनगर। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में सपा पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने दोनों महान विभूतियों के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और स्वच्छता के संदेश तथा लाल बहादुर शास्त्री के सादगी, ईमानदारी, अनुशासन और राष्ट्रसेवा के आदर्शों को याद किया गया। कार्यक्रम में सपा जिलाध्यक्ष जिया चौधरी ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा को अपना हथियार बनाकर देश को आजादी के आंदोलन में एकजुट करने का काम किया। उन्होंने कहा कि गांधी जी का जीवन केवल स्वतंत्रता आंदोलन तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने समाज में भाईचारे, समानता, मानवता और आपसी सद्भाव की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया। जिया चौधरी ने कहा कि वर्तमान समय में समाज को आपसी भाईचारे और सौहार्द की सबसे अधिक आवश्यकता है। गांधी जी के विचारों को आत्मसात करते हुए समाज में शांति, सद्भाव और एकता को मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे

गांधी जी के बताए सत्य और अहिंसा के रास्ते पर चलते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़ें। कार्यक्रम के दौरान पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर पुष्प अर्पित किए। दोनों महापुरुषों के जीवन और उनके संघर्षों को याद करते हुए वक्ताओं ने कहा कि देश के निर्माण में उनका योगदान हमेशा याद किया जाता रहेगा। कार्यकताओं ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के माध्यम से देश को एक नई दिशा दी, जबकि लाल बहादुर शास्त्री ने सादगी और ईमानदारी के साथ सार्वजनिक जीवन में उच्च आदर्श स्थापित किए। दोनों नेताओं का जीवन देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। कार्यक्रम में सपा जिलाध्यक्ष जिया चौधरी, महानगर अध्यक्ष बॉबी त्यागी, प्रदेश सचिव ईलम सिंह गुजर, जिला महासचिव सोमपाल कोरी, जिला उपाध्यक्ष ओमपाल सिंह, पवन पाल, मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड के जिला अध्यक्ष राशिद मलिक, लोहिया वाहिनी के जिला अध्यक्ष सलमान त्यागी, महिला सभा जिला अध्यक्ष पूजा अंबेडकर सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य तहसील मंसूरी, जिला सचिव पवन पाल, यशपाल चौधरी, बालेंद्र मौर्य, सलीम मलिक, सर्वेंद्र राठी प्रधान, डॉ. मोनिका सिंह, अनुज गुर्जर, सैयद मेहंदी, शमशेर मलिक, अब्बास अली, सभासद सुंदर सिंह, असद पाशा, अनेश निरवाल, जॉनी कुमार, राहुल बालियान, सरफराज सिद्दीकी, अभिजीत बालियान

एनएचएम संविदा कर्मचारियों ने राकेश टिकैत के सामने उठाई 10 साल से लंबित मांगें

पांच से अधिक आंदोलनों और लिखित समझौतों के बावजूद मांगें पूरी न होने का आरोप, टिकैत बोले—स्वास्थ्य मंत्री के सामने प्रमुखता से उठाएंगे कर्मचारियों की समस्याएं

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ के प्रतिनिधिमंडल ने गांधी जयंती के अवसर पर भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत से मुलाकात कर एनएचएम संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों की करीब एक दशक से लंबित मांगों और समस्याओं को लेकर सहयोग मांगा। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि कर्मचारियों की मांगों को लेकर कई बार आंदोलन हुए और शासन स्तर पर लिखित समझौते एवं आश्वासन भी दिए गए, लेकिन संगठन के अनुसार अब तक अनेक मांगें धरातल पर पूरी नहीं हो सकी हैं। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जिला अध्यक्ष डॉ. सचिन जैन ने किया। उन्होंने चौधरी राकेश टिकैत को एनएचएम संविदा कर्मचारियों की समस्याओं से अवगत कराते हुए कहा कि संगठन पिछले करीब 10 वर्षों में अपनी मांगों को लेकर पांच से अधिक बार आंदोलन कर चुका है। हर बार आंदोलन के दौरान शासन एवं संबंधित अधिकारियों की ओर से लिखित आश्वासन दिए जाने के बाद कर्मचारियों ने आंदोलन समाप्त कर स्वास्थ्य सेवाओं में अपनी जिम्मेदारियां संभाल लीं, लेकिन संगठन का कहना है कि कई लिखित आश्वासनों के बावजूद मांगों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई।

तीन साल की सेवा पर 10 प्रतिशत लॉयल्टी बोनस की मांग

प्रतिनिधिमंडल में शामिल डॉ. राहुल वर्मा ने एनएचएम संविदा कर्मचारियों के लिए प्रत्येक तीन वर्ष की सेवा पूरी होने पर 10 प्रतिशत लॉयल्टी बोनस दिए जाने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि यह मांग लंबे समय से शासन के समक्ष रखी जा रही है, लेकिन कई वर्षों के प्रयास के बाद भी इस दिशा में कर्मचारियों को अपेक्षित राहत नहीं मिल सकी है। कर्मचारियों ने कहा कि लगातार सेवा देने वाले संविदा स्वास्थ्य कर्मियों के हित में इस मांग पर जल्द निर्णय लिया जाना चाहिए। डॉ. सुधा गुप्ता ने संविदा कर्मचारियों की वेतन विसंगतियों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सरकार की ओर से कई बार बजट की कमी का हवाला दिया जाता रहा है। संगठन का आरोप है

कि कर्मचारियों के हित में केंद्र सरकार से मिलने वाले बजट का भी पूरी तरह उपयोग नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि वेतन विसंगतियों को दूर करने के लिए राज्य को मिलने वाले लगभग तीन प्रतिशत अतिरिक्त बजट को लेकर भी संगठन लंबे समय से आवाज उठाता रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि संबंधित बजट वापस किए जाने के बाद बाद में केंद्र से ऐसी राशि मिलना भी बंद हो गया। जिला महिला चिकित्सालय के संजय कुमार ने बताया कि करीब 10 वर्ष पूर्व संविदा कर्मचारियों को नियमित पदों पर भर्ती प्रक्रिया में अनुभव के आधार पर अतिरिक्त अंक दिए जाने संबंधी आदेश जारी किए जाने की बात कही गई थी। उस समय इस व्यवस्था को लागू करने के लिए दो माह का समय बताए जाने का दावा किया गया था, लेकिन संगठन के अनुसार आज तक यह व्यवस्था लागू नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था के इंतजार में कई कर्मचारियों की आयु सीमा भी निकल चुकी है। ऐसे में कर्मचारियों के भविष्य को देखते हुए इस मुद्दे पर शासन स्तर से स्पष्ट और प्रभावी निर्णय की आवश्यकता है।

डॉ. देवेंद्र कुमार ने करीब आठ वर्ष पूर्व हुए समझौते का हवाला देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के एनएचएम संविदा कर्मचारियों को दूसरे राज्यों में दिए जा रहे समकक्ष लाभ एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने की बात कही गई थी। संगठन का कहना है कि समझौते के बावजूद इस दिशा में अभी तक प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पाई है। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि दूसरे राज्यों में संविदा स्वास्थ्य कर्मियों को मिल रही सुविधाओं का अध्ययन कर उत्तर प्रदेश में भी कर्मचारियों को उचित लाभ दिया जाए। प्रतिनिधिमंडल ने चौधरी राकेश टिकैत से आग्रह किया कि वह एनएचएम संविदा कर्मचारियों की वर्षों से लंबित समस्याओं को प्रदेश सरकार और स्वास्थ्य विभाग के समक्ष उठाने में सहयोग करें। कर्मचारियों ने कहा कि एनएचएम के संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी लंबे समय से स्वास्थ्य सेवाओं में अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। ऐसे में उनकी सेवा, वेतन और भविष्य से जुड़े मुद्दों पर सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए। प्रतिनिधिमंडल की पूरी बात सुनने के बाद चौधरी राकेश टिकैत ने कर्मचारियों को सहयोग का आश्वासन दिया।

उन्होंने कहा कि एनएचएम संविदा स्वास्थ्य कर्मियों की समस्याओं को स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक के समक्ष रखा जाएगा।

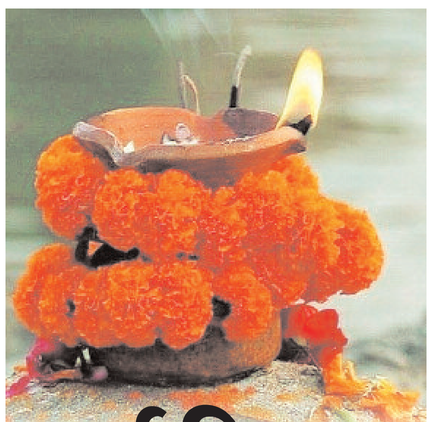

सर्व पितृ अमावस्या पर कब, कितने और कहां जलाएं दीये?

अश्विन माह की अमावस्या को सर्व पितृ अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है।

अश्विन माह की अमावस्या को सर्व पितृ अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है। सर्व पितृ अमावस्या का हिन्दू धर्म में बहुत महत्व है। ज्योतिष एवं धर्म शास्त्रों में भी इस बात का उल्लेख मिलता है कि सर्व पितृ अमावस्या के दिन किया गया पितरों के निमित्त श्राद्ध कर्म पितरों को भगवान विष्णु के धाम वैकुण्ठ में स्थान दिलाता है। इसके अलावा, सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त दीया जलाना भी बहुत लाभकारी माना जाता है। ऐसे में ज्योतिषाचार्य से आइये जानते हैं कि आखिर सर्व पितृ अमावस्या के दिन कितने दीये जलाने चाहिए। साथ ही यह भी जानेंगे कि किस दिशा या किन स्थानों पर दीये जलाना शुभ है एवं किस समय जलाने चाहिए।

सर्व पितृ अमावस्या पर कितने दीये जलाने चाहिए?

शास्त्रों में वर्णित जानकारी के अनुसार, सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त 11 और 1 चौमुखी दीया भगवान विष्णु के निमित्त जलाना चाहिए।

सर्व पितृ अमावस्या पर कहां दीये जलाने चाहिए?

पीपल के पेड़, घर की दक्षिण दिशा, घर का मुख्य द्वार, चौराहा, घर की छत और पवित्र नदी के तट पर सर्व पितृ अमावस्या के दिन दीये जलाने चाहिए।

सर्व पितृ अमावस्या पर किस समय दीये जलाने चाहिए?

सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त दीया दोपहर के समय जलाएं। वहीं, इस दिन भगवान विष्णु के निमित्त दीया ब्रह्म मुहूर्त में जलाना शुभ है।

सर्व पितृ अमावस्या पर कौन सा दीया जलाना चाहिए?

पितरों के लिए सर्व पितृ अमावस्या के दिन सरसों के तेल में तिल मिलाकर दीया जलाएं। भगवान विष्णु के समक्ष घी का चौमुखी दीपक प्रज्वलित करें।

सर्व पितृ अमावस्या पर दीया जलाने के क्या लाभ हैं?

इस दिन पितरों के लिए दीपक जलाने से पितृ प्रसन्न होते हैं और आशीर्वाद देते हैं। भगवान विष्णु के समक्ष दीया जलाने से पितृ दोष में राहत मिलती है।

श्राद्ध पक्ष में ब्राह्मण भोजन का विशेष महत्व है

सनातन धर्म में सर्व पितृ अमावस्या का विशेष महत्व है। इस दौरान पितरों की पूजा विधिवत रूप से करने से पितृ प्रसन्न होते हैं और उनकी कृपा घर-परिवार के सभी सदस्यों पर पड़ती है। ऐसा माना जाता है कि सर्व पितृ अमावस्या के दिन अगर विधिवत रूप से दान-पुण्य किया जाए, तो पूजा का सीधा फल पूर्वजों तक पहुंचता है और उनकी आत्मा को शांति मिलती है।

पंचांग के हिसाब से अश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को सर्व पितृ अमावस्या मनाई जाती है। इस दिन सभी प्रकार के श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करने का विशेष महत्व है। कहते हैं कि पितृ दोष होने पर व्यक्ति को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। सर्व पितृ अमावस्या पर किए गए पिंडदान से पितृ दोष का निवारण होता है। सर्व पितृ अमावस्या का दिन सबसे महत्वपूर्ण अनुष्ठान है। पिंडदान में तिल, जल और कुश आदि का उपयोग किया जाता है। श्राद्ध में अपने पूर्वजों के नाम पर भोजन बनाकर ब्राह्मणों को दान किया जाता है। इस दिन दान करना बहुत शुभ माना जाता है। आप अन्न, वस्त्र, धन आदि दान कर सकते हैं। इस दिन मंदिर जाकर भगवान विष्णु और पितरों का पूजन किया जाता है। अब ऐसे में इस साल सर्व पितृ अमावस्या कब है, पितरों का श्राद्ध किस समय करना शुभ माना जाता है। साथ ही इस अमावस्या तिथि का महत्व क्या है। शास्त्रानुसार ब्राह्मणों के मुख द्वारा ही देवता 'हव्य' एवं पितर 'कव्य' ग्रहण करते हैं। लेकिन श्राद्ध पक्ष में ब्राह्मण भोजन के भी विशेष नियम होते हैं। श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मणों को इनका अनुपालन करना आवश्यक होता है। आइए जानते हैं कि शास्त्रानुसार श्राद्ध का भोजन ग्रहण करने वाले ब्राह्मणों को किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है।

- श्राद्ध भोज करने वाले ब्राह्मण को संध्या करना आवश्यक है। श्राद्ध भोज करने वाला ब्राह्मण श्रोत्रिय होना चाहिए जो गायत्री का नित्य जप करता हो।
- श्राद्ध भोज करने वाले ब्राह्मण को श्राद्ध में भोजन करते समय मौन रहकर भोजन करना चाहिए, आवश्यकतानुसार केवल हाथ का संकेत करना चाहिए।
- श्राद्ध भोज करते समय ब्राह्मण को भोजन की निंदा या प्रशंसा नहीं करनी चाहिए।
- श्राद्ध भोज करने वाले ब्राह्मण से भोजन के विषय में अर्थात 'कैसा है' यह प्रश्न नहीं करना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को पुर्नभोजन अर्थात एक ही दिन दो या तीन स्थानों पर श्राद्ध भोज नहीं करना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को श्राद्ध भोज वाले दिन दान नहीं देना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को श्राद्ध भोज वाले दिन मैथुन नहीं करना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को केवल चांदी, कांसे या पलाश के पत्तों पर परोसा गया भोजन ही करना चाहिए। श्राद्ध में लोहे व मिट्टी के पात्रों का सर्वथा निषेध बताया गया है।

सर्व पितृ अमावस्या का महत्व

सर्व पितृ अमावस्या के दिन स्नान और दान करने से व्यक्ति को पुण्य प्राप्ति होती है। साथ ही पितरों के लिए तर्पण, पिंडदान, श्राद्ध आदि करने से पितरों का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही सुख-शांति और समृद्धि की भी प्राप्ति होती है।

पितृपक्ष में पितरों को खीर का पिंड देने का क्या है महत्व?

हिंदू धर्म में पितृपक्ष का महीना बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दौरान पितरों की पूजा करने की मान्यता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर आपकी कुंडली में पितृदोष है, तो व्यक्ति को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए पितृपक्ष में विधिवत रूप से श्राद्ध कर्म, तर्पण और और पिंडदान करने से लाभ हो सकता है। आपको बता दें, पितृपक्ष में कई बार जातक नियमित रूप श्राद्ध नहीं कर पाते हैं। इसलिए सर्व पितृ अमावस्या के दिन करने से व्यक्ति को उत्तम परिणाम मिल सकते हैं। पितृपक्ष में कई तरह के पिंड बनाएं जाते हैं। जिससे व्यक्ति को लाभ हो सकता है। अब ऐसे में पितृपक्ष में पितरों को खीर का पिंड देने का महत्व क्या है।

पितरों को खीर का पिंड देने का महत्व क्या है?

पितरों को खीर का पिंड देना हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है, विशेषकर पितृ पक्ष के दौरान। यह माना जाता है कि इस अनुष्ठान से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और उन्हें मोक्ष प्राप्त करने में मदद मिलती है। खीर को एक पवित्र भोजन माना जाता है। इसे देवताओं को भी अर्पित किया जाता है। पितरों को खीर देने से यह विश्वास होता है कि वे इस पवित्र भोजन का आनंद लेते हैं। खीर में चावल और दूध दोनों होते हैं। चावल समृद्धि और प्रचुरता का प्रतीक है, जबकि दूध शुद्धता और पवित्रता का प्रतीक है। इसलिए, खीर को शक्ति और शुद्धता का प्रतीक माना जाता है। आपको बता दें, खीर मीठा होता है और माना जाता है कि यह पितरों को तृप्त करता है। इतना ही नहीं, खीर को परिवार के सदस्यों के बीच आत्मिक संबंध को मजबूत करने का भी प्रतीक माना जाता है।

खीर के पिंड से मिलता है पितृ ऋण से छुटकारा

हिंदू धर्म में पितृ ऋण का बहुत महत्व होता है। माना जाता है कि माता-पिता ने हमें जीवन दिया है और हमें पालन-पोषण किया है, इसलिए हमें उनके प्रति कृतज्ञ होना चाहिए। पितरों को खीर का पिंड देकर हम इस ऋण का कुछ अंश चुकाते हैं। पितरों को खुश करके हमें उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है। माना जाता है कि पितरों का आशीर्वाद हमारे जीवन में सुख और समृद्धि लाता है। पितरों को खीर का पिंड देकर हम उनकी आत्मा को शांति प्रदान करते हैं और उन्हें मोक्ष प्राप्त करने में मदद करते हैं।

सर्व पितृ अमावस्या के दिन करें इन चीजों का दान, पितरों का मिलेगा आशीर्वाद

हिंदू पंचांग के अनुसार आश्विन माह की अमावस्या तिथि को बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन पितरों के लिए विधिवत रूप से तर्पण किया जाता है। ताकि उन्हें मोक्ष प्राप्ति हो सके।

सनातन धर्म में सर्व पितृ अमावस्या के लिए पितरों को प्रसन्न करने के लिए कई तरह के उपाय किए जाते हैं। सर्व पितृ अमावस्या कई मायनों में महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन पितरों के लिए तर्पण और श्राद्ध करना बेहद शुभ माना जाता है। अब ऐसे में सर्व पितृ अमावस्या के दिन किन चीजों का दान करना शुभ माना जाता है।

सर्व पितृ अमावस्या के दिन करें तिल का दान

हिंदू धर्म में तिल को पितरों का सबसे प्रिय अन्न माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि तिल का दान करने से पितर प्रसन्न होते हैं और उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है। तिल का दान पितृ दोष को दूर करने का एक प्रभावी उपाय माना जाता है। तिल का दान करने से घर में शांति और समृद्धि आती है। यह माना जाता है कि तिल का दान करने से पितरों का आशीर्वाद मिलता है और जीवन में सफलता मिलती है।

सर्व पितृ अमावस्या के दिन करें पिंडदान

सर्व पितृ अमावस्या के दिन पिंडदान करने से व्यक्ति को पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। ऐसा माना जाता है कि पिंडदान करने से व्यक्ति को सुख-समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। पिंडदान करते समय इस बात का खास ध्यान रखें कि आप अपने पितरों का ध्यान जरूर करें। ऐसा करने से जातकों को पितृदोष से छुटकारा मिल जाता है। साथ ही पितरों के आशीर्वाद की भी प्राप्ति होती है।

सर्व पितृ अमावस्या के दिन करें वस्त्र दान

सर्व पितृ अमावस्या के दिन वस्त्र का दान करना उत्तम फलदायी माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि इस अमावस्या तिथि के दिन जो व्यक्ति वस्त्र दान करता है। उसे पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। साथ ही दरिद्रता से भी छुटकारा मिल जाता है। बता दें, वस्त्र दान करने से पितर प्रसन्न होते हैं और वे अपने वंश पर आशीर्वाद बरसाते हैं।

क्या पुनर्जन्म के बाद भी व्यक्ति को श्राद्ध लगता है?

यह बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है। हिन्दू धर्म के अनुसार कर्मों की गति के अनुसार व्यक्ति को दूसरी योनि मिलती है। यदि किसी को नहीं मिली है तो फिर वह प्रेत योनि में चला जाता है या यदि अच्छे कर्म किए हैं तो पितृलोक या देवलोक में कुछ काल रहने के बाद पुनः मनुष्य योनि में आता है। निश्चित ही है कि जिन्हें प्रेत योनि मिली है और जो पितृलोक चले गए हैं उनके लिए भी श्राद्ध कर्म किया जाता है, लेकिन जिन्होंने दूसरा जन्म ले लिया है क्या उन्हें भी श्राद्ध का फल मिलता है?

प्रेत योनि : गति कई प्रकार की होती है। प्रेतयोनि में जाना एक दुर्गति है। पितरों का श्राद्ध करने वाले और उनका तर्पण करने वाले उनकी सद्गति के लिए सहयोग करते हैं। हमारे जो पूर्वज पितृलोक नहीं जा सके या जिन्हें दोबारा जन्म नहीं मिला ऐसी अतृप्त और आसक्त भाव में लिप्त आत्माओं के लिए 'गया' में मुक्ति-तृपति का कर्म तर्पण और पिंडदान किया जाता है। कहते हैं कि गया में श्राद्ध करने के उपरांत अंतिम श्राद्ध बदरीका क्षेत्र के 'ब्रह्मकपाली' में किया जाता है जहां से आत्मा प्रेत योनी से छूटकर मनुष्य योनी में जन्म ले लेती है या पितृलोक में पितरों के साथ निश्चित काल के लिए चली जाती है।

पितृलोक के पितृ : मान्यता है कि पितृलोक में किसी आत्मा का पहुंचना बहुत ही सौभाग्य की बात होती है। वहां वह अपने सभी पूर्वजों से मिलकर सभी संतापों से मुक्त होकर रहता है और सुख भोगने के बाद एक निश्चित काल के बाद मनुष्य योनी धारण करता है। जब धरती पर पितृपक्ष प्रारंभ होता है तब ऐसी ही हमारे पितृ अपने वंशजों को देखने के लिए धरती पर आते हैं और उनके द्वारा किए जा रहे श्राद्ध कर्म का भोग ग्रहण करके उन्हें आशीर्वाद देकर उनके दुखों को मिटा देते हैं।

पुनर्जन्म लेने वाले पूर्वज : यजुर्वेद में कहा गया है कि शरीर छोड़ने के पश्चात्य, जिन्होंने तप-ध्यान किया है वे ब्रह्मलोक चले जाते हैं अर्थात ब्रह्मलीन हो जाते हैं। कुछ सतकर्म करने वाले भक्तजन स्वर्ग चले जाते हैं। स्वर्ग अर्थात वे देव बन जाते हैं। राक्षसी कर्म करने वाले कुछ प्रेत योनि में अनंतकाल तक भटकते रहते हैं और कुछ पुनः धरती पर जन्म ले लेते हैं। जन्म लेने वालों में भी जरूरी नहीं कि वे मनुष्य योनि में ही जन्म लें। अतः ऐसे पूर्वजों को भी उनके वंशजों द्वारा किया गया श्राद्ध कर्म लगता है। दरअसल, शास्त्रों में कहा गया है कि हम अन्न-जल को अग्नि को दान करते हैं। अग्नि उक्त अन्न-जल को हमारे पितरों तक पहुंचाकर उन्हें तृप्त करती है। श्राद्ध और तर्पण जिसके निमित्त किया गया उस तक जल और अग्नि के माध्यम से यह सुगंध रूप में पहुंचकर उन्हें तृप्त करता है। वास्तव में श्रद्धापूर्वक श्राद्ध में दिए गए भोजन का सूक्ष्म अंश परिणित होकर उसी अनुपात और मात्रा में प्राणी को मिलता है जिस योनि में वह प्राणी वर्तमान में है। इस संबंध में पुराणों में कई जगहों पर उल्लेख मिलता है कि उस जीवित प्राणी को भी श्राद्ध के भोग का अंश मिलता है जिससे कि उसका हृदय तृप्त हो जाता है। जल, अग्नि और वायु उसके अंश को पहुंचाने में माध्यम बनते हैं।

यमलोक की यात्रा : आत्मा सत्रह दिन तक यात्रा करने के पश्चात अठारहवें दिन यमपुरी पहुंचती है। गरूड़ पुराण में यमपुरी के इस रास्ते में वैतरणी नदी का उल्लेख मिलता है। वैतरणी नदी विष्ठा और रक्त से भरी हुई है। जिसने गाय को दान किया है वह इस वैतरणी नदी को आसानी से पार कर यमलोक पहुंच जाता है अन्यथा इस नदी में वे डूबते रहते हैं और यमदूत उन्हें निकालकर धक्का देते रहते हैं। यमपुरी पहुंचने के बाद आत्मा 'पुष्पोदका' नामक एक और नदी के पास पहुंच जाती है जिसका जल स्वच्छ होता है और जिसमें कमल के फूल खिले रहते हैं। इसी नदी के किनारे छायादार बड़ का एक वृक्ष है, जहां आत्मा थोड़ी देर विश्राम करती है। यहीं पर उसे उसके पुत्रों या परिजनों द्वारा किए गए पिंडदान और तर्पण का भोजन मिलता है जिससे उसमें पुनः शक्ति का संचार हो जाता है।

बंद मकानों में रेकी कर चोरी करने वाला शातिर चोर गिरफ्तार, 11 लाख के जेवर बरामद

नोएडा। थाना बीटा-2 पुलिस ने घरों में चोरी करने वाले एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से करीब 11 लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के आभूषण और एक नाजायज चाकू बरामद हुआ है। पुलिस के मुताबिक आरोपी बंद पड़े मकानों की रेकी करके वारदात को अंजाम देता था।

एडीसीपी ग्रेटर नोएडा अभय कुमार मिश्र ने बताया कि शुक्रवार को लेबर गोल चक्कर के पास से पकड़ा गया पुलिस ने आरोपी सारमिन उर्फ शम्भू पुत्र इतवारी को लेबर गोल चक्कर के पास ग्रीन बेल्ट से गिरफ्तार किया। वह थाना दादरी की बादशाह कालोनी का रहने वाला है। आरोपी के कब्जे से चोरी सोने के 3 नेकलेस सोने के 2 माथे का मांग टीका, कानों के ऊपर की सोने की 2 बारीक चैन, चांदी की 2 पाजेब और 2 सैम्पल, चांदी का 1 गले का हार और 1 हाथ का ब्रेसलेट, बच्चों के हाथ के 4 चांदी के कड़े, चांदी के 4 बिछुए, एक चाकू बरामद किया है। आरोपी घूम-घूमकर बंद पड़े मकानों की रेकी करता था और मौका मिलते ही सोने-चांदी के आभूषण चुरा लेता था। चोरी किए गए आभूषणों को बेचकर वह अवैध धन अर्जित करता था।

पूछताछ में आरोपी ने बीटा-2 क्षेत्र में हुई कई वारदातें कबूल की हैं। उसने बताया कि करीब सात-आठ महीने पहले अल्फा-1 में सोने-चांदी के आभूषण चुराए थे। फरवरी 2026 में सेक्टर अल्फा-2 में भी उसने आभूषणों की चोरी की। करीब सात-आठ दिन पहले उसने अल्फा-2 में भी सोने-चांदी के आभूषण चुराए थे। उसने ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में कई अन्य घटनाओं को भी अंजाम देने की बात स्वीकार की है।

ज्वैलर्स से 65 लाख ठगे

नोएडा। नोएडा में ज्वैलर्स समेत लोगों से ऑनलाइन निवेश के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। सेक्टर-12 में कार्यालय चलाने वाला आरोपी अजय राय मकान और दुकान बेचकर फरार हो गया है। बग्गा ज्वैलर्स के सीएमडी पुनीत बग्गा की शिकायत पर सेक्टर-24 थाने में पुलिस से शिकायत की है।

पुनीत बग्गा ने पुलिस को बताया कि अजय राय ने उन्हें ऑनलाइन निवेश के नाम पर अपने जाल में फंसाया। आरोप है कि उनसे 65 लाख रुपये लिए गए। बाद में आरोपी ने रकम वापस नहीं की।

पीड़ित के मुताबिक, अजय राय का सेक्टर-12 में कार्यालय था और वह नोएडा की एक सोसाइटी में रहता था। आरोप है कि उसने कई लोगों को निवेश के नाम पर अपने साथ जोड़ा और उनसे करोड़ों रुपये ले लिए। पुनीत बग्गा का आरोप है कि रकम हड़पने के बाद अजय राय रातोंरात अपना मकान और दुकान बेचकर फरार हो गया। उसकी बेटी और दामाद के भी नोएडा में रहने की जानकारी दी गई है।

सेक्टर -62 के रामलीला मैदान में पुतले, पंडाल व स्टेज बनाने का कार्य जोरों पर

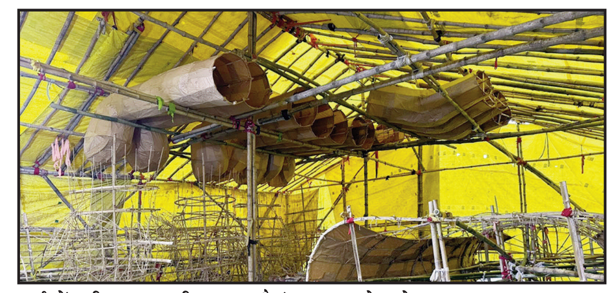

नोएडा। श्रीराम मित्र मंडल,नोएडा के महासचिव डॉ मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया है कि रामलीला मैदान,सेक्टर -62 में आयोजित होने वाले श्रीरामलीला महोत्सव 2026 की तैयारियां जोरों से चल रही हैं। 70 फीट के रावण, 65 फीट के कुंभकरण व 60 फीट के मेघनाद के पुतले बनाने का कार्य तेजी से चल रहा है।पुतले बनाने के कार्य में लोनी के एक दर्जन कलाकार दिन-रात लगे हैं।वहीं पंडाल व स्टेज बनाने का कार्य भी तेजी से जारी है।

इस बार 120 फीट लंबा, 40 फीट चौड़ा व 6 फीट ऊंचा स्टेज बनेगा। इसके ऊपर 18 फीट ऊंची स्टेज की दूसरी मंजिल होगी। दो मंजिल स्टेज बनेंगे। स्टेज के पीछे कलाकारों के लिये 90 फीट लंबा व 30 फीट चौड़ा पंडाल बन रहा है। डॉ?शर्मा ने बताया है कि इस बार श्रीरामलीला मंचन में फिल्म जगत से जुड़े कलाकारों सहित कई अनुभवी कलाकार प्रमुख किरदारों की भूमिका में होंगे। रामलीला मंचन मुरादाबाद की लीला मंडली श्री जानकी कला मंच के लगभग 60 कलाकारों द्वारा की जायेगी। दर्शकों की सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था की जायेगी।रामलीला स्थल पर एक सौ सुरक्षा गार्ड, दो दर्जन सीसीटीवी कैमरे, छः एम्बुलेंस, अग्निशमन यंत्रों सहित सभी प्रकार की सुरक्षा संबंधी व्यवस्थायें की जा रही हैं। बच्चों व दर्शकों के मनोरंजन के लिये कई प्रकार के झूले व खेल तमाशों की व्यवस्था होगी। दर्शकों व श्रद्धालुओं के खान-पान के लिये कई स्टॉल लगेंगे।डॉ?शर्मा ने बताया है कि रामलीला मंचन 11 अक्टूबर 2026 से 21 अक्टूबर 2026 तक प्रतिदिन सायं 07.00 बजे से रात्रि 11.00 बजे तक होगा। 11 अक्टूबर को रामलीला महोत्सव का उद्घाटन व मंचन हवन-पूजन के साथ शुरू हो जायेगा।

समिति के अध्यक्ष धर्मपाल गोयल ने बताया कि 15 अक्टूबर को श्रीराम बारात शोभायात्रा निकलेगी,जो सेक्टर-20 के हनुमान मंदिर से शुरू होकर नोएडा शहर के विभिन्न सेक्टरों से होकर सेक्टर-62 रामलीला स्थल पर पहुंचेगी। 20 अक्टूबर को सायं 05.00 बजे विजयदशमी महोत्सव धूमधाम से मनाया जायेगा तथा 70 फुट के रावण, 65 फुट के कुंभकरण और 60 फुट के मेघनाद के पुतलों का दहन होगा। 21 अक्टूबर को श्रीराम-भरत मिलाप व श्रीराम राज्याभिषेक के साथ ही ग्यारह दिवसीय श्रीरामलीला महोत्सव का समापन हो जाएगा।

किरायेदार से फ्लैट बेचने के नाम पर 25 लाख हड़पे

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-137 स्थित पैरामाउंट फ्लोराविले सोसायटी में किरायेदार से फ्लैट बेचने के नाम पर 25 लाख रुपए हड़पने का आरोप लगा है। पीड़िता गीता नैय्यर ने मकान मालिक राहुल माथुर पर यह आरोप लगाया है। कोर्ट के आदेश पर गुरुवार को सेक्टर-142 थाने में केस दर्ज किया गया है।

गीता नैय्यर ने 1 मार्च 2021 को सोसायटी के टावर-16 स्थित फ्लैट नंबर 904 किराये पर लिया था। फ्लैट के मालिक जयपुर निवासी राहुल माथुर हैं। करीब डेढ़ साल बाद राहुल ने फ्लैट बेचने की बात कही। गीता ने फ्लैट खरीदने की इच्छा जताई। इसके बाद 1 जनवरी 2023 को राहुल और उनके पिता ज्योति माथुर से 45 लाख रुपए में सौदा तय हुआ।

चार बार में दिए 25 लाख रुपए: गीता के मुताबिक, एग्रीमेंट टू सेल कराने के बाद उन्होंने चार बार में राहुल को 25 लाख रुपए एडवांस दिए। इसके बाद उन्होंने फ्लैट अपने नाम ट्रांसफर करने के लिए कहा। आरोप है कि राहुल टालमटोल करने लगा। इसी दौरान गीता को पता चला कि फ्लैट राहुल की पत्नी सानू माथुर के नाम पर है। सानू की काफी समय पहले मौत हो चुकी है। फ्लैट उनके वारिसों के नाम दर्ज होने के बाद ही ट्रांसफर हो सकता था। आरोप है कि राहुल ने इस प्रक्रिया में काफी समय लगा दिया।

फ्लैट पर पहुंचे 4-5 लोग: पीड़िता के मुताबिक, 9 सितंबर 2026 को 4-5 लोग फ्लैट पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि उन्होंने राहुल से फ्लैट खरीद लिया है। इस बारे में राहुल से बात की गई तो उसने भी फ्लैट बेचने की बात कही। गीता ने अपने दिए हुए 25 लाख रुपए वापस मांगे। आरोप है कि राहुल ने उन्हें झूठे केस में फंसाकर जेल भेजने की धमकी दी। पीड़िता ने पुलिस से शिकायत की। थाना प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का नोएडा में आगमन, डीएनडी पर कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

नोएडा। उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के नोएडा आगमन पर स्थानीय कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। शुक्रवार के दिन जब प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ग्रेटर नोएडा की ओर जा रहे थे, तब डीएनडी पर भाजपा नोएडा महानगर के कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह पूरा स्वागत कार्यक्रम भाजपा के जिलाध्यक्ष महेश चौहान की अगुवाई में आयोजित किया गया था, जहां बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता पहुंचे हुए थे।

डीएनडी पर आयोजित इस स्वागत समारोह के दौरान कई प्रमुख नेताओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम में क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष विनोद त्यागी, जिलाध्यक्ष महेश चौहान एवं अमित त्यागी ने उत्तर प्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी को पुष्पगुच्छ भेंट किया। सभी नेताओं ने मिलकर उनका गर्मजोशी से अभिनंदन किया। इस दौरान वहां मौजूद सभी भाजपा कार्यकर्ताओं ने पूरे जोश और उत्साह के साथ प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया और माहौल को पूरी तरह से पार्टीमय बना दिया।

मुख्य अतिथि के रूप में जा रहे थे ग्रेटर नोएडा: उत्तर प्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ग्रेटर नोएडा में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए जा रहे थे। उनके नोएडा आगमन की खबर मिलते ही कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह फैल गया था। डीएनडी पर कार्यकर्ताओं का भारी हुजूम उमड़ पड़ा और सबने मिलकर उनका जोरदार स्वागत किया। स्वागत के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने संगठन के प्रति अपनी पूरी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इसके साथ ही कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के नेतृत्व में पार्टी को और अधिक मजबूत बनाने और इसे जन-जन तक पहुँचाने का दृढ़ संकल्प भी लिया।

मौजूद रहे ये तमाम कार्यकर्ता: इस भव्य स्वागत कार्यक्रम में राकेश शर्मा, ओमवीर अवाना, चंदगीराम यादव, संजय बाली, विनोद शर्मा, डिंपल आनंद, राजकुमार बंसल, अशोक मिश्रा, बबलू यादव, पंकज झा, विपुल शर्मा, मनीष वाल्मीकि, हरिओम जाटव, रविन्द्र प्रधान, गौतम शर्मा, नीरज चौधरी, प्रदीप चौहान, शशिधर उपाध्याय, दीनबंधु कुशवाहा, रामकिशन यादव, मनीष तिवारी, सत्यनारायण महावर, रामनिवास यादव, मुक्तानंद शर्मा, रवि वाल्मीकि, विपिन चौधरी, रुचि चौहान, दीपक शर्मा, अमित कुमार त्यागी, राजीव उपाध्याय, प्रवीण चौहान, कालू पंडित, कृष्णा देवी, जितेंद्र राजपूत, अतुल त्यागी, कमलेश मीणा, लक्ष्मी पटवाल, मंजू शर्मा, रेनू बाला, इंद्रावती, गौरव मेहरा, उत्कर्ष सिन्हा एवं किरण सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

गांधी जयंती पर सवर्ण स्वाभिमान मंच का मौन उपवास, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

नोएडा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर सवर्ण स्वाभिमान मंच, गौतमबुद्धनगर के तत्वावधान में जिला मुख्यालय सूरजपुर स्थित कलेक्ट्रेट में एक अनोखा आंदोलन देखने को मिला। यूजीसी रोलबैक तथा आरक्षण एवं एससी/एसटी एक्ट में कानूनी संशोधन की मांग को लेकर बड़ी संख्या में लोग डीएम कार्यालय के सामने 'मौन उपवास' पर बैठे। कार्यक्रम के पूरा होने के बाद मंच की ओर से देश के राष्ट्रपति के नाम संबोधित एक ज्ञापन एसडीएम को सौंपा गया।

उपवास स्थल पर तिरंगे झंडे के साथ कई तरह की तख्तियां लगाई गई थीं। इन तख्तियों पर यूजीसी रोलबैक तथा आरक्षण एवं एससी/एसटी एक्ट में कानूनी संशोधन की मांग से जुड़े स्लोगन लिखे हुए थे।करीब तीन घंटे तक चले इस मौन उपवास के बाद सभी आंदोलनकारियों ने 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के नारे लगाते हुए अपना मौन उपवास खोला।इस अवसर पर सवर्ण स्वाभिमान मंच के संयोजक कपिल शर्मा एडवोकेट ने अपनी बात रखते हुए कहा कि महात्मा गांधी ने केवल देश को ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को शांति का संदेश देने का काम किया था। गांधी जी का ऐसा विश्वास था कि मौन के अंदर भी बहुत बड़ी ताकत होती है। उनके इसी संदेश पर चलते हुए सवर्ण स्वाभिमान मंच ने गांधी जयंती के दिन 'मौन उपवास' रखकर सरकार के सामने यूजीसी रोलबैक तथा आरक्षण एवं एससी/एसटी एक्ट की संवैधानिक समीक्षा कर कानूनी संशोधन किए जाने की प्रमुख मांग रखी है।

ज्ञापन सौंपने के दौरान मौजूद रहे कई लोग: मौन उपवास पूरा होने के बाद सवर्ण स्वाभिमान मंच की तरफ से अपनी मांगों को लेकर राष्ट्रपति के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया। इस पूरे कार्यक्रम और ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रमोद शर्मा एडवोकेट, सुधीर वत्स, पंडित कृपाराम शर्मा, मनोज गोयल, संजय शर्मा एडवोकेट, भानु प्रकाश शर्मा, गौरव शर्मा, विवेक रावल, राजेश रावत, अंकुश शर्मा एडवोकेट, राजू पंडित, सोनू भगत, सचिन शर्मा, सतेंद्र शर्मा एडवोकेट, शिवम लोधी राजपूत, रामदत्त शर्मा, सतपाल सिंह, ठाकुर सुरेन्द्र तोमर, मनीष अत्री, निधि शर्मा एडवोकेट, अनूप सिंह शिशोदिया, मोहित गुप्ता, रतनवीर शर्मा, अमरेंद्र ठाकुर और शिवओम शर्मा धूम उपस्थित रहे।

युवक की खुदकुशी के मामले में पत्नी और प्रेमी समेत चार पर केस

नोएडा। सेक्टर म्यू वन में चार दिन पहले युवक के खुदकुशी करने के मामले में नया मोड़ आ गया है। भाई ने युवक की पत्नी, उसके प्रेमी और दो अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। आरोप है कि पत्नी की प्रताड़ना से तंग आकर युवक ने जान दी। दादरी कोतवाली पुलिस के मुताबिक ग्रेटर नोएडा के मथुरापुर गांव के रहने वाले पंकज ने पुलिस से शिकायत की कि उसके भाई सोनू की शादी वर्ष 2013 में बुलंदशहर की रहने वाली युवती प्रीति के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही प्रीति ने सोनू के साथ झगड़ा शुरू कर दिया।

वह कहती थी कि वह उसे पसंद नहीं है। उसके साथ नहीं रहना चाहती। सोनू अपने परिवार को बचाने और बदनामी की वजह से पत्नी के कहने पर गांव छोड़कर सेक्टर म्यू दो में आकर रहने लगा। इस दौरान भी सोनू की पत्नी का व्यवहार नहीं बदला। इस बीच प्रीति का प्रेमी सुरेंद्र उसके फ्लैट पर आने लगा। सोनू ने इसका विरोध किया तो प्रीति ने घर में विवाद शुरू कर दिया। सोनू को प्रताड़ित किया जाने लगा। पत्नी की प्रताड़ना से तंग आकर सोनू ने 28 सितंबर को अपने घर में फंदा लगाकर जान दे दी। पंकज का आरोप है कि उनके भाई सोनू की मौत के जिम्मेदार उसकी पत्नी, उसका प्रेमी और दो अन्य लोग हैं। उनके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि परिजनों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

यमुना प्राधिकरण में मनाई गई गांधी और शास्त्री जयंती, सीईओ ने महापुरुषों के विचारों को किया याद

नोएडा। महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के उपलक्ष्य में यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण के कार्यालय में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने दोनों महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण किया और उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके बाद अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, विशेष कार्याधिकारी और महाप्रबंधक समेत अन्य अधिकारियों ने भी दोनों महापुरुषों की तस्वीरों पर फूल चढ़ाए।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने महात्मा गांधी के कई प्रमुख सिद्धांतों पर खुलकर प्रकाश डाला। उन्होंने महात्मा गांधी के स्वराज, स्वदेशी, स्वच्छता, सर्वोदय और ट्रस्टीशिप जैसे महत्वपूर्ण सिद्धांतों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने यह भी कहा कि गांधी जी ने स्वदेशी आंदोलन के जरिए देश के भीतर निर्मित वस्तुओं के उपयोग को काफी ज्यादा बढ़ावा दिया था। इसके अलावा, सर्वोदय का मुख्य उद्देश्य समाज के तमाम वर्गों के जीवन स्तर में सुधारलाना और समानता को बढ़ावा देना था।

लाल बहादुर शास्त्री के योगदान को किया याद: प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के देश के लिए दिए गए योगदान को भी याद किया और उन्हें एक महान प्रेरणास्रोत बताया। उन्होंने कहा कि शास्त्री जी ने देश को 'जय जवान, जय किसान' का प्रसिद्ध मंत्र दिया था और खाद्यान्न संकट के मुश्किल समय से देश को बाहर निकालने में आम जनता की भागीदारी को बहुत बढ़ावा दिया था।

मौजूद अधिकारियों के नाम: प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस पूरे कार्यक्रम के दौरान यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण के कई वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी कार्यालय में मौजूद रहे। कार्यक्रम में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी शैलेंद्र भाटिया, राजेश कुमार सिंह, विशेष कार्याधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह, हरि प्रताप, आरती सिंह, मनोज कुमार, महाप्रबंधक परियोजना राजेंद्र भाटी, नंदकिशोर सुंदरियाल, विकास कुमार और सतेंद्र गिरी सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए नजर आए।

एआई बताएगा कहां और कब लगता है जाम

नोएडा। नोएडा में ट्रैफिक जाम की समस्या का स्थायी समाधान खोजने के लिए अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद ली जाएगी। इसके लिए प्रस्तावित एआई सॉफ्टवेयर को गूगल मैप्स से जोड़ा जाएगा। इससे किसी भी इलाके की मौजूदा ट्रैफिक स्थिति की जानकारी मिल सकेगी। साथ ही पुराने डेटा का एआई के जरिए विश्लेषण कर पता लगाया जाएगा कि किस सड़क पर किस समय नियमित रूप से जाम लगता है और कितनी देर तक रहता है।

इसके आधार पर जाम की वजह समझने और उसके समाधान की योजना बनाने में मदद मिलेगी। सिस्टम से किसी सड़क या स्थान पर वाहनों की आवाजाही का डेटा जुटाया जा सकेगा। इससे पता चलेगा कि किस समय ट्रैफिक का दबाव बढ़ता है और जाम कितनी देर रहता है। डेटा के आधार पर यह तय करने में मदद मिलेगी कि संबंधित सड़क पर क्या बदलाव जरूरी हैं। इसमें ट्रैफिक डायवर्जन, सड़क की क्षमता बढ़ाना, सिग्नल व्यवस्था में बदलाव या दूसरे ट्रैफिक मैनेजमेंट उपाय शामिल हो सकते हैं।

नए कैमरे और फाइबर बिछाने की जरूरत नहीं: प्रस्तावित सिस्टम की खासियत यह होगी कि हर जगह नए कैमरे या फाइबर ऑप्टिकल लाइन बिछाने की जरूरत नहीं होगी। जहां पहले से कैमरे लगे हैं, वहां उनकी फीड का इस्तेमाल किया जा सकेगा।

प्रस्ताव के मुताबिक, कुछ जगहों पर गूगल मैप्स और सैटेलाइट आधारित डेटा से भी ट्रैफिक की जानकारी जुटाई जा सकती है। इससे नया इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा करने की लागत और समय बचाने की कोशिश होगी।

महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती पर भारतीय किसान परिषद का धरना जारी

नोएडा। भारतीय किसान परिषद द्वारा आयोजित धरना आज दिनांक 2 अक्टूबर 2026 को अपने 25वें दिन महात्मा गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के पावन अवसर पर पुष्प अर्पित करते हुए माताओं एवं बहनों की भारी मौजूदगी में जारी रहा।

आज के दिन मंच से डॉ. रुपेश वर्मा द्वारा गांधी जी की शांतिपूर्ण आंदोलन की नीति पर विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि गांधी जी ने अपने आधे बदन को इसलिए नहीं ढका क्योंकि भारतवर्ष में गरीब लोग कपड़े से अपना बदन ढकने में सक्षम नहीं थे। यह उनकी गरीबों के प्रति गहरी संवेदना और त्याग का प्रतीक था।

सुखबीर खलीफा ने मंच से कहा कि गांधी जी का अहिंसा और शांतिपूर्ण स्वराज का विचार संविधान में इसीलिए इंगित किया गया, क्योंकि लगभग 102 देशों में गांधी जी की प्रतिमाओं को उन देशों के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूजते हैं। उसी से प्रेरणा लेकर हम लोग डूब क्षेत्र में कामगार वर्ग के लोगों को बिजली का अधिकार दिलाने के लिए शासन एवं प्रशासन के सम्मुख लड़ते रहेंगे। धरना स्थल पर इस बात पर विशेष चर्चा हुई कि प्रशासन एवं बिजली अधिकारियों के अनुसार डूब क्षेत्र में बिजली दिए जाने के लिए शासन द्वारा आदेश जारी किया गया है, तब अधिकारीगण क्यों उस आदेश को लेकर कामगार वर्ग के लोगों के सामने नहीं आते? यदि उनकी नीयत में खोट है, तो आने वाले रविवार को बिजली न मिल पाने के कारण पीड़ित बच्चों का प्रदर्शन सड़क पर उतरकर किया जाएगा।

महात्मा गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर किसान संघर्ष मोर्चा के तीनों नेता श्री सुखबीर खलीफा, डॉ. रुपेश वर्मा एवं श्री सोरम प्रधान धरना स्थल पर पधारे और भारतीय किसान परिषद के कार्यकर्ताओं को विश्वास दिलाया कि किसान संघर्ष मोर्चा हर पल किसान और मजदूर के अधिकार की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार है।

आईफोन स्नैचिंग करने वाले तीन शातिर गिरफ्तार

नोएडा। थाना बिसरख पुलिस ने मोबाइल फोन स्नैचिंग और लूट की घटनाओं में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एनसीआर क्षेत्र में राह चलते लोगों से छीने गए पांच कीमती मोबाइल फोन, इनमें एक आईफोन-18 प्रो, दो अवैध तमंचे और दो जिंदा कारतूस, 2500 रुपये नकद तथा घटना में प्रयुक्त अपाचे मोटरसाइकिल बरामद की है। थाना प्रभारी निरीक्षक रंजीत कुमार सिंह के अनुसार, 2 अक्टूबर 2026 को लोकल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद से सलमान उर्फ सुहैल, अजाज उर्फ अज्जू उर्फ सोनू और नईम को 6 प्रतिशत एरिया पार्क के पास से गिरफ्तार किया गया। बरामद मोबाइल फोन में चार आईफोन और एक रीयलमी फोन शामिल हैं।

पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने बिसरख क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर कीमती मोबाइल फोन छीनने की घटनाओं को अंजाम दिया था। इन घटनाओं के संबंध में थाना बिसरख में तीन मुकदमे दर्ज हैं। पूछताछ में आरोपियों ने 21 सितंबर को चेरी काउंटी सोसाइटी के पास एक महिला से आईफोन-18 प्रो मोबाइल फोन देखने के बहाने लेकर फरार होने की बात बताई। पुलिस के अनुसार सलमान मोटरसाइकिल चलाता था और अजाज पीछे बैठकर मौका पाकर राहगीरों तथा ई-रिक्शा में बैठे लोगों के मोबाइल छीनता था। सलमान पिछले तीन वर्ष से नोएडा में ऑटो चलाता था, जिससे उसे क्षेत्र के रास्तों की जानकारी थी। छीने गए मोबाइल फोन नईम को बेचे जाते थे। पुलिस का कहना है कि नईम इन मोबाइल फोन को पश्चिम बंगाल और बिहार में सप्लाई करता था।

आरोपियों का आपराधिक इतिहास और बरामद सामान: पुलिस के मुताबिक नईम के खिलाफ गाजियाबाद और गौतमबुद्धनगर में चोरी, लूट, हथियार और गैंगस्टर एक्ट समेत 25 मुकदमे दर्ज हैं। वहीं सलमान के खिलाफ छह और अजाज के खिलाफ चार मुकदमे दर्ज हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक के अनुसार, बरामदगी में आईफोन-18 प्रो, आईफोन-16 के दो फोन, एक आईफोन-16 प्रो, एक रीयलमी मोबाइल, 2500 रुपये, तीन सिल्वर पेपर फायल, बिना नंबर प्लेट की अपाचे मोटरसाइकिल और दो .315 बोर के तमंचे व दो जिंदा कारतूस शामिल हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address : royalnoida@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में चोरों का दुस्साहसः थाने के पास से फॉर्च्यूनर चोरी, 4 दिन बाद भी खाली हाथ पुलिस

नईदिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी दिल्ली में राजौरी गार्डन थाने से कुछ सौ मीटर की दूरी पर चार दिन पहले चोरी हुई हाईटेक सुरक्षा उपकरण से लैस फॉर्च्यूनर का अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। काली क्रेटा कार से पहुंचे चोर चंद मिनट में फॉर्च्यूनर चोरी कर फरार हो गए थे। पूरी वारदात आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई थी और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ था। पर घटना के चार दिन बाद भी पुलिस न तो चोरी की गई फार्च्यूनर बरामद हुई है और न चोरों के बारे में कोई सुराग जुटा पाई है। बताया कि जिस स्थान पर वारदात हुई, वहां से राजौरी गार्डन थाना करीब 300 मीटर और पश्चिमी जिला स्पेशल स्टाफ का कार्यालय करीब 600 मीटर की दूरी पर है। इसके बावजूद चोरों ने बेखौफ होकर वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद से इलाके में वाहन चोरी की रोकथाम को लेकर पुलिस की निगरानी पर भी सवाल उठ रहे हैं। प्रसारित हो रहे सीसीटीवी फुटेज में पता चलता है कि चोरी को तड़क चार बजे अंजाम दिया गया था। इसमें काली क्रेटा से पहुंचे कुछ लोगों ने सफेद रंग की फॉर्च्यूनर एसयूवी को निशाना बनाया और कुछ ही मिनट में उसे चोरी कर फरार हो गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर प्राप्त फुटेज के आधार पर चोरो के एंट्री एग्जिट रूट की जांच की जा रही है। इसके लिए आसपास के मार्गों पर लगे कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

दिल्ली के 11 मेट्रो स्टेशनों की एंट्री-एग्जिट बंद, 5 जगह कर सकेंगे इंटरचेंज

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के जंतर-मंतर पर विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ प्रदर्शन के आह्वान को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। पुलिस और ब्रह्म के जवानों के साथ दंगा नियंत्रण वाहन तैनात किए गए हैं। इसके मद्देनजर आसपास के 11 मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश और निकास द्वार अगली सूचना तक बंद कर दिए गए हैं। कार्यकर्ताओं, राजनीतिक नेताओं और सिविल सोसायटी प्रतिनिधियों ने जारी स्ब्रक्र के खिलाफ प्रदर्शन का आह्वान किया है। प्रदर्शन में मुख्य निर्वाचन आयुक्त की जवाबदेही की मांग की जा रही है। जनपथ ,पटेल चौक, केंद्रीय सचिवालय, राजीव चौक, सेवा तीर्थ, मंडी हाउस, लोक कल्याण मार्ग, आईएनए, चावड़ी बाजार, रामकृष्ण आश्रम मार्ग, नई दिल्ली। एंट्री और एग्जिट बंद रहने के बावजूद राजीव चौक, मंडी हाउस, आईएनए, नई दिल्ली और केंद्रीय सचिवालय स्टेशनों पर इंटरचेंज की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

वन नेशन, वन इलेक्शन पर संसदीय समिति से नहीं मिलेंगे सुप्रीम कोर्ट के जज, बैठक रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में 'एक देश, एक चुनाव' को लेकर सियासत सातवें आसमान पर है। वहीं दूसरी ओर कानूनी गलियारों में भी इस मामले को लेकर हलचल तेज हो गई है। इसी बीच सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि उसके वरिष्ठ न्यायाधीश एक साथ चुनाव कराने से जुड़े संविधान संशोधन बिल पर किसी भी संसदीय समिति के साथ चर्चा नहीं करेंगे। बता दें कि संसद की एक संयुक्त समिति 'संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024' और 'केंद्र शासित प्रदेश विधि (संशोधन) विधेयक, 2024' की जांच कर रही है। इस समिति ने 6 अक्टूबर को भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और अन्य वरिष्ठ जजों को इस विषय पर अनौपचारिक चर्चा के लिए आमंत्रित किया था। हालांकि अब इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के महासचिव ने समिति को पत्र लिखकर यह स्पष्ट कर दिया कि वरिष्ठ जजों की आपसी चर्चा के बाद यह फैसला लिया गया है कि वे इस बैठक में शामिल नहीं होंगे। सुप्रीम कोर्ट के पत्र के अनुसार, चूंकि यह प्रस्तावित संविधान संशोधन भविष्य में अदालत में न्यायिक समीक्षा के दायरे में आ सकता है, इसलिए प्रशासनिक स्तर पर इस विषय पर चर्चा करना उचित या वांछनीय नहीं होगा।

महिलाओं की सुरक्षा में मोबाइल नेटवर्क भी बना चुनौती, दिल्ली पुलिस चिह्नित करेगी 'मोबाइल नेटवर्क हॉटस्पॉट'

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी की सुनसान सड़क से एक महिला अकेले घर जा रही है। तभी कोई मनचला आकर उसे छेड़ दे। हजारों रुपये खर्च करके खरीदे गए मोबाइल को युवती जेब से निकालती है, मदद के लिए किसी को कॉल करना चाहती है तो सिम के नेटवर्क ही नहीं होते हैं। उस वक्त महिला बहुत बेबस होती है। बुरी तरह से फंसी होने के बाद भी वह नेटवर्क की वजह से किसी की मदद नहीं ले पाती है। यह परिस्थिति सोचकर ही भय लगता है।

कुछ दिनों पहले दक्षिणी दिल्ली के पार्क में नाबालिग के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म की वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था की हकीकत बयां कर दी। इस वारदात ने पुलिस को जमीनी स्तर पर सोचने को मजबूर कर दिया है। पुलिस अब तक पुलिस ब्लैक स्पाट बनाती थी। अब पुलिस ऐसे हाटस्पाट की लिस्ट तैयार कर रही है, जहां पर महिलाओं का आगमन रहता है और मोबाइल सिम के नेटवर्क ही

गायब रहते हैं। पहली बार दिल्ली पुलिस मोबाइल नेटवर्क के हॉटस्पॉट बना रही है। बीट अफसर अपने क्षेत्र में जाकर लोगों से पता कर रहे हैं, कौन से ऐसे क्षेत्र है जहां पर महिलाओं की चहल पहल रहती है। लेकिन मोबाइल से नेटवर्क गायब रहते हैं। पुलिस पार्कों में भले ही सुरक्षा व्यवस्था की जांच कर रही है। साथ ही यह भी देख रही है शाम ढलने के बाद मोबाइल नेटवर्क रहता भी या नहीं। दो दिनों में पुलिस को पता चला है कि सोनिया विहार खादर क्षेत्र, न्यू उस्मानपुर तीसरा पुश्ता खादर, असिता ईस्ट, बांसेरा पार्क, समेत स्थानों पर मोबाइल नेटवर्क की बहुत दिक्कत है।

दक्षिणी दिल्ली में जिस नाबालिग के साथ दुष्कर्म हुआ था, उसके पास मोबाइल था। लेकिन पीड़िता ने वारदात के बाद पुलिस को काल न करके सबसे पहले अपने दोस्त को काल किया और वारदात के बारे में बताया। दोस्त ने पीड़िता की हिम्मत बढ़ाई और खुद पुलिस को काल करके वारदात के बारे में बताया। 'सभी थाना पुलिस को निर्देश दिए गए है वह अपने क्षेत्र में ऐसे स्थानों को चिह्नित करें, जहां महिलाओं को आगमन रहता है। मोबाइल के नेटवर्क नहीं होते हैं। लिस्ट बनाकर संबंधित एजेंसी व मोबाइल कंपनियों को सौंपी जाएगी।

बारापुला फेज-3 पर ट्रैफिक दबाव कम, गूगल मैप्स पर जल्द मिलेगा रियल टाइम अपडेट

नईदिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली में बारापुला फेज-3 शुरू होने के बाद मयूर विहार से एम्स जाने वाली लेन पर सराय काले खां के पास साढ़े तीन किलोमीटर हिस्सा लगातार जाम की चपेट में है। सरकारी अवकाश के चलते जहां पूरी दिल्ली की सड़कों पर ट्रैफिक कम रहा, वहीं बारापुला फेज-3 पर भी इसका असर देखने को मिला। सुबह से ही यातायात सामान्य है। जाम जैसी स्थिति नहीं है। वहीं, गूगल सर्च में भी मयूर विहार से एम्स जाने वाला मार्ग क्लियर दिख रहा है। हालांकि, ट्रैफिक पुलिस के मुताबिक अभी गूगल सर्च में रियल टाइम अपडेट नहीं हो रहा है। अगले 3 से 4 दिनों में यह काम करने लगेगा। लोग गूगल सर्च पर रियल टाइम अपडेट के माध्यम से अपनी आगे की यात्रा तय कर सकेंगे। बता दें कि इस हिस्से को जाम से राहत दिलाने के क्रम में ट्रैफिक विभाग ने बृहस्पतिवार को ड्रोन सर्वे कर पीडब्ल्यूडी को चार बिंदुओं पर सुझाव दिए थे। सिग्नल लगाए जाने, सनडायल के पास मर्जर प्वाइंट के आकार (ज्यामिति) में बदलाव कराने व ट्रैफिक का दबाव कम करने के लिए, जहां भी संभव हो एनएच-24 की ओर ट्रैफिक को डायवर्ट करना या नियंत्रित करने की बात थी।

इटली और लंदन की आधुनिक मशीनों से होगी सड़कों की सफाई, दिल्ली में प्रदूषण से निपटने की तैयारी तेज

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में सर्दियों में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए एमसीडी अब इटली और लंदन की आधुनिक मैकेनिकल रोड स्वीपिंग (एमआरएस) मशीनों से सड़कों की धूल साफ करेगा।

इसके लिए यूरोप से आयातित नई इलेक्ट्रिक मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनों का फील्ड ट्रायल शुरू हो गया है। कुल 70 मशीनें मंगाई गई हैं, जिनमें 55 इलेक्ट्रिक और 15 सीएनजी मशीनें हैं। करीब 10 दिन तक चलने वाले इस ट्रायल में मशीनों की सफाई क्षमता, ब्रश, वैक्यूम सिस्टम और सेंसर की कार्यप्रणाली को अलग-अलग परिस्थितियों में परखा जा रहा है।

एमसीडी देगा चलाने की मंजूरी

इस ट्रायल को केंद्र सरकार की एजेंसी आईकैट (अंतरराष्ट्रीय आटोमोटिव प्रौद्योगिकी केंद्र) कर रहा है। उसके मानकों पर खरे उतरने और उसकी रिपोर्ट के बाद एमसीडी इसे चलाने की मंजूरी दे देगा।

नवंबर के मध्य से यह मशीनें सड़कों पर होंगी। फिलहाल 60 फीट से अधिक चौड़ी पीडब्ल्यूडी की सड़कों की सफाई जहां एक दिन छोड़कर एक दिन होती है। अब इस मशीन से रोजाना हुआ करेगी। क्योंकि एमसीडी के पास कुल 140 मशीनों का बेड़ा हो जाएगा।

मानेसर को ट्रायल के लिए चुना

बृहस्पतिवार को एमसीडी आयुक्त संजीव खिरवार ने इन मशीनों के फील्ड ट्रायल का निरीक्षण किया। अधिकारियों के अनुसार, मशीनों को दिल्ली लाने के बाद मानेसर में भी ट्रायल किया जा रहा है। वहां अलग-अलग मात्रा में धूल वाले स्थानों पर मशीनों की कार्यक्षमता जांची जा रही है। जो एजेंसी ट्रायल करवा रही है उसका केंद्र मानेसर में भी है, इसलिए मानेसर को ट्रायल के लिए चुना गया।

ट्रायल की रिपोर्ट के आधार पर मशीनों के संचालन से जुड़े अंतिम निर्णय लिए जाएंगे। एमसीडी अधिकारी ने बताया कि हमारी योजना नवंबर के मध्य से दिल्ली में इन मशीनों के तैनात करने की है।

जमा धूल और मलबे हटेंगे: एमसीडी के अधिकारी ने बताया कि लंदन और इटली में जिन मशीनों से सफाई होती है, उन्हें विशेष तौर पर भारत की परिस्थिति के हिसाब से तैयार कराया गया है। जिसमें कैमरा, ब्रश सेंसर समेत अन्य कई उपकरण लगाए गए हैं। इससे सड़क के किनारे और सतह पर जमा धूल एवं मलबे को अधिक प्रभावी ढंग से हटाने में मदद मिलेगी। मशीन के साफ्टवेयर के जरिये यह भी देखा जा सकेगा की वैक्यूम सिस्टम चालू है या नहीं और सफाई के दौरान मशीन ठीक तरीके से काम कर रही है या नहीं। उन्होंने आगे बताया कि 55 मशीनें दो घन मीटर की क्षमता की हैं, जबकि 15 मशीनें करीब छह घन मीटर वाली क्षमता की हैं। फिलहाल एमसीडी स्वदेशी मशीनों का इस्तेमाल कर रहा था लेकिन प्रभावी और जल्दी इस कार्य को करने के लिए यह मशीनें आयातित की गई हैं।

सर्दी से पहले दिल्ली पर गहराया प्रदूषण का खतरा, एक साल बाद भी 12 प्रमुख हॉटस्पॉट पर नहीं सुधरे हालात

नई दिल्ली, एजेंसी। जैसे-जैसे सर्दी का मौसम करीब आ रहा है, राजधानी दिल्ली में वैसे-वैसे हवा के जहरीले होने का खतरा फिर से मंडराने लगा है। दिल्ली सरकार ने प्रदूषण से निपटने के लिए विंटर एक्शन प्लान तो तैयार कर लिया है, लेकिन धरातल पर दावों और जमीनी हकीकत के बीच बड़ा फासला नजर आ रहा है।

प्रदूषण से सबसे ज्यादा प्रभावित हॉट स्पॉट को लेकर सामने आए आंकड़े चिंता बढ़ाने वाले हैं। एक तरफ जहां सरकार कई इलाकों में स्थिति सुधारने का दावा कर रही है, वहीं शहर के 12 सबसे प्रमुख हॉटस्पॉट अभी भी बदहाली के आंसू रो रहे हैं।

दिल्ली की हवा को सांस लेने लायक बनाने के दावे हर साल किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत साल-दर-साल जस की तस बनी हुई है। राजधानी में प्रदूषण के लिहाज से कुल 62 हॉटस्पॉट की पहचान की गई थी।

20 हॉटस्पॉट आज भी प्रदूषण की चपेट में

दिल्ली सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, इनमें से 42 स्थानों पर सुधारात्मक कार्रवाई पूरी कर ली गई है। लेकिन सच यह भी है कि 20 हॉट स्पॉट आज भी प्रदूषण की चपेट में हैं और वहां स्थिति

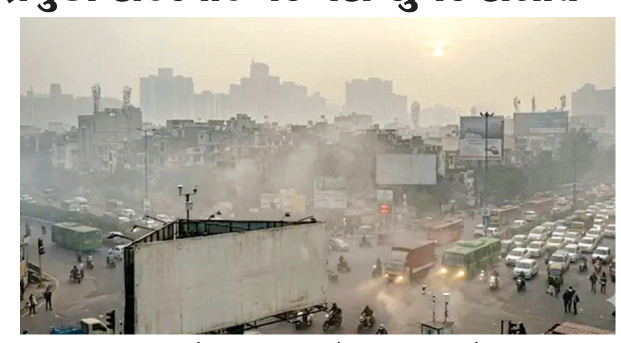

बेहद गंभीर बनी हुई है।

बताया कि इन 20 संवेदनशील इलाकों में से 8 स्थानों पर काम पूरा करने के लिए अक्टूबर तक का लक्ष्य तय किया गया है, लेकिन सबसे बड़ा सवाल उन 12 हॉट स्पॉट पर खड़ा हो रहा है, जहां पूरे एक साल बाद भी कोई खास सुधार नहीं दिख रहा।

वहीं, अधिकारियों का मानना है कि इन 12 इलाकों में प्रदूषण से निपटने के लिए अब केवल अल्पकालिक कदम काफी नहीं हैं, बल्कि यहां लंबे समय तक चलने वाले सख्त और दीर्घकालिक उपाय करने बेहद जरूरी हो गए हैं।

पर्यावरण विभाग के अधिकारी बताते हैं कि बढ़ते प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली सरकार के विंटर एक्शन प्लान के तहत इस बार हर एक यातायात और वायु प्रदूषण हॉटस्पॉट के लिए अलग-अलग कस्टमाइज्ड एक्शन प्लान तैयार किया गया है। वहीं, इतना ही नहीं, किसी भी तरह की ढिलाई को रोकने के लिए संबंधित जिलों के नोडल सचिवों और आयुक्तों को सीधे तौर पर निगरानी की कमान सौंपी गई है। कार्रवाई केवल हॉटस्पॉट तक सीमित न रहे, इसलिए प्रत्येक चिह्नित इलाके के तीन किमी के पूरे दायरे को ध्यान में रखकर कदम उठाए जा रहे हैं। कागजों पर सख्त योजनाएं और प्रशासनिक अधिकारियों को दी गई जिम्मेदारियां बेशक राहत का भरोसा दिलाती हैं, लेकिन अब सवाल समय का है। अक्टूबर का महीना शुरू हो चुका है और धुंध और स्माग का खतरा मंडरा रहा है। अब देखना होगा कि 12 बेहाल हॉट स्पॉट पर सरकार के दीर्घकालिक उपाय कब तक असर दिखाते हैं, या इस बार भी दिल्ली वालों को जहरीली हवा में ही सांस लेने पर मजबूर होना पड़ेगा।

कमरे में बंद कर बेल्ट से पीटा, हापुड़ में 2 युवकों से बेरहमी का वीडियो वायरल; पीटने वाले 6 आरोपी गिरफ्तार

नईदिल्ली (हापुड़) एजेंसी। थाना बाबूगढ़ क्षेत्र में कमरे में दो युवकों को बंद कर बेल्ट से बेरहमी से पीटा गया। मारपीट का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। थाना हाफिजपुर प्रभारी प्रवीण कुमार ने बताया कि मामले में वंश त्यागी, अनिक गिल, तनिश गिल, उचित चौधरी, विचित चौधरी और शिवम यादव को गिरफ्तार किया गया है।

आरोप है कि आरोपियों ने दो युवकों को एक कमरे में ले जाकर उनके साथ मारपीट की। इस दौरान बेल्ट से युवकों की बेरहमी से पिटाई की गई। घटना के दौरान किसी व्यक्ति ने मारपीट का वीडियो बना लिया, जो बाद में प्रसारित हो गया।

वीडियो से आरोपियों की पहचान: वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने वीडियो में दिखाई दे रहे घटनाक्रम और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की। इसके बाद पुलिस टीम ने दबिश देकर छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

मारपीट की वजह तलाश रही पुलिस: पुलिस की कार्रवाई के बाद घटना को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है और मारपीट की वजह का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही पुलिस यह भी जांच कर रही है कि घटना में अन्य लोग शामिल थे या नहीं। किसी भी व्यक्ति को कानून हाथ में लेने की अनुमति नहीं है। युवकों के साथ मारपीट करने वालों के खिलाफ साक्ष्यों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

रोहिणी में 3 मंजिला मकान पर लगी 'लक्ष्मण रेखा, एमसीडी को लिखना पड़ा डेंजर जोन

नईदिल्ली, एजेंसी। रोहिणी सेक्टर 15 में एक तीन मंजिला घर को असुरक्षित मानते हुए दिल्ली नगर निगम ने दो सप्ताह पहले घर के बाहर लक्ष्मण रेखा खींच दी और उसकी दीवार पर डेंजर जोन लिख कर संदेश दे दिया है कि नहीं माने तो यमराज तैयार हैं। निगम ने लक्ष्मण रेखा के रूप में घर के बाहर बल्ली का जाल लगा दिया है और दीवार पर लिखवा भी दिया है कि यह कभी भी गिर सकता है, इससे दूरी बनाएं रखें। इतना करके अधिकारियों ने अपनी जिम्मेदारी पूरी कर ली है। बी-ब्लाक कृष्णा कुंज की बी-6 पाकेट के 18 नंबर आवास की दयनीय दशा आज की नहीं, चार साल पहले की है। इस मकान के खतरे को भांपते हुए यहां के लोगों ने कई बार संबंधित अधिकारियों को शिकायत भी दी है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर यहां के तीन मालिकों को अलग-अलग एक-एक ओर नोटिस। अब तक छह से सात बार तीनों मालिकों को नोटिस दिए जाने की बात सामने आ रही है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। स्थानीय आरडब्ल्यूए अध्यक्ष अतुल रणजीत कुमार ने बताया कि जर्जर मकान के चलते स्थानीय लोग भयभीत हैं। आपदा आने से पहले नियंत्रण होना चाहिए। आपदा प्रबंधन, नगर निगम, अग्निशमन विभाग कोई चिंता ही नहीं कर रहा। इस संबंध में सभी शीर्ष अधिकारियों से संपर्क कर चुके हैं, कोई सुनने वाला नहीं है। डेंजर जोन के चारों और घर हैं, 10 से 15 परिवार व साथ से गुजर रहे राहगीरों पर भी खतरा मंडरा रहा है।

डिफेंस मार्केट में भारत का दबदबा: ब्रह्मोस मिसाइल का निर्यात 58 अरब तक पहुंचा, कई देशों के साथ हुआ सौदा

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रह्मोस मिसाइल भारत की सुरक्षा की ही ध्वजवाहक नहीं है अपितु यह देश के बढ़ते रक्षा निर्यात में भी अग्रणी भूमिका निभा रही है। भारत के लिए सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाले हथियार के रूप में ब्रह्मोस मिसाइल की बिक्री के तीन देशों के साथ 60 करोड़ डॉलर से ज्यादा (करीब 58 अरब रुपये) के सौदे हो चुके हैं।

यह जानकारी देश के रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने दी है। बताया कि अभी तक ब्रह्मोस मिसाइल बेचने के लिए फिलीपींस, इंडोनेशिया और वियतनाम से समझौता हुआ है। रक्षा सचिव ने बताया कि इस मिसाइल का विमान से छोड़ा जाने वाला संस्करण भी तैयार हो चुका है। इसे सुखोई लड़ाकू विमान से दागने का परीक्षण सफल रहा है। ब्रह्मोस मिसाइलों को बेचने का फिलीपींस के साथ करीब 33 करोड़ डालर का समझौता हुआ है। इस समझौते के तहत मिसाइलों की आपूर्ति शुरू हो गई है। जबकि वियतनाम के साथ हुआ समझौता 10 करोड़ डालर का और इंडोनेशिया को मिसाइल बिक्री का समझौता 20 करोड़ डालर का है।

राजेश कुमार सिंह ने कहा, ब्रह्मोस ने हमले में अपनी गुणवत्ता आपरेशन सिंदूर के दौरान साबित की। इसने दुश्मन के ठिकानों पर सटीक हमले कर सैन्य कार्रवाई में हमें बढ़त

दिलाने का काम किया।

यह गाइडेड मिसाइल आवाज से तेज गति से लक्ष्य पर प्रहार करती है। इसके विकास की प्रक्रिया जारी है। ऐसे में पूरा विश्वास है कि यह मिसाइल भविष्य में भी भारतीय हथियारों के निर्यात के सिलसिले में अग्रणी भूमिका निभाती रहेगी। उल्लेखनीय है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी पूर्व में कह चुके हैं कि ब्रह्मोस केवल मिसाइल ही नहीं है बल्कि रक्षा के क्षेत्र में भारत की बढ़ती क्षमता का प्रतीक भी है।

भारत का रक्षा निर्यात अब विश्व के 80 देशों में हो रहा है। वर्ष 2025-26 में यह बढ़कर 38,424 करोड़ रुपये का हो गया है। महज एक वर्ष में निर्यात में हुई यह वृद्धि 62 प्रतिशत से ज्यादा की है।

80 हजार करोड़ में बनेंगी छह पनडुब्बियां: चीन और पाकिस्तान के बढ़ रहे नौसैनिक सहयोग के मद्देनजर भारत भी समुद्र में अपनी शक्ति बढ़ा रहा है। इसके चलते 80 हजार करोड़ रुपये में छह पनडुब्बियों के निर्माण का जर्मनी के साथ समझौता प्रक्रिया के अंतिम दौर में है।

ये पनडुब्बियां भारत में ही बनेंगी। इतना ही नहीं तीन स्कार्पीन श्रेणी के युद्धपोत बनाने पर भी गंभीरता से विचार चल रहा है। यह निर्माण मुंबई के मझगांव डाकयार्ड में होगा। यह जानकारी रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने दी है।

ई-चालान नहीं भरा तो जब्त होगी गाड़ी, आरसी-पीयूसी रिन्यूअल भी होगा बंद; सुप्रीम कोर्ट की सख्त चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या आपने भी अपने वाहन का चालान लंबे समय से नहीं भरा है? तो ये खबर आपके लिए है। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने इसी मामले में सुनवाई की और फिर देशभर में ट्रैफिक चालान न भरने वाले वाहन चालकों पर सख्त रुख भी अपनाया है।

कोर्ट ने साफ कर दिया है कि सिर्फ ई-चालान काट देना काफी नहीं है, बल्कि बकाये की वसूली के लिए अब कड़े कदम उठाने होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि जिन गाड़ियों के चालान लंबे समय से पेंडिंग हैं, उन्हें तुरंत जब्त किया जाए।

मामले में सुनवाई के दौरान जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने कहा कि अधिकारियों को जमीन स्तर पर काम करना होगा। कोर्ट ने इस मामले में सख्त कदम उठाने के आदेश दिए हैं।

सर्वोच्च न्यायलय अपने आदेश में इस बात पर सख्ती के साथ जोर दिया है कि सड़कों पर रैंडम चेकिंग की जाए और अगर किसी वाहन पर पुराना ई-चालान बकाया मिलता है, तो गाड़ी को तुरंत जब्त कर लिया जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि बकायेदार वाहनों की ऑनलाइन सेवाओं को पूरी तरह फ्रीज कर दिया जाए। कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की कि जब तक जुर्माना नहीं भरा जाता, तब तक रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट का रिन्यूअल, डुप्लीकेट आरसी जारी करना और पता अपडेट करने के अनुरोध पर रोक रहेगी।

इसके अलावा कोर्ट ने कहा कि जब तक सभी पेंडिंग चालान पूरी तरह से क्लियर नहीं हो जाते, तब तक गाड़ी का फिटनेस सर्टिफिकेट नहीं दिया जाएगा। इसके अलावा, वाहन को 'परिवहन पोर्टल' पर ब्लैकलिस्ट किया जाएगा ताकि कोई इसे बेच न सके और ओनरशिप

ट्रांसफर पर भी रोक लग सके। सुनवाई के दौरान लाइसेंस और पीयूसी को लेकर भी अहम टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि बार-बार नियम तोड़ने वालों के ड्राइविंग लाइसेंस के रिन्यूअल और मौजूदा लाइसेंस को सस्पेंड करने की कार्रवाई की जाए। साथ ही, किसी भी सेंटर को ऐसे वाहनों का सर्टिफिकेट जारी करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। असुविधा जताते हुए कोर्ट ने कहा कि पुलिस लाखों ई-चालान तो काट देती है, लेकिन जुर्माने की वसूली के लिए क्या किया जा रहा है, यह बड़ा सवाल है। एमिकस क्यूरी की रिपोर्ट के अनुसार, देश भर के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को ई-चालान के जरिए लगभग 49194 करोड़ रुपये वसूलने हैं, जिसमें से अब तक केवल 26,175 करोड़ रुपये ही वसूल हो पाए हैं। गौरतलब है कि यह मामला 2012 की एक जनहित याचिका से जुड़ा है, जिस पर सुप्रीम कोर्ट पिछले 14 सालों से नजर रख रहा है। कोर्ट ने चेतावनी दी है कि यदि मोटर व्हीकल एक्ट के नियमों को केवल कागजों तक सीमित रखा गया और जमीन पर सख्ती से लागू नहीं किया गया, तो कोर्ट को ऐसा सख्त कदम उठाना पड़ेगा जो अधिकारियों को पसंद नहीं आएगा।

संक्षिप्त समाचार

नशे में धुत सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने पैदल चल रहे सात लोगों को गाड़ी से रौंदा

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद के कमला नगर इलाके में कुशाइगुडा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की कार ने पैदल चल रहे लोगों को टक्कर मार दी। यह घटना 29 सितंबर की है। इस मामले में कार ड्राइवर की पहचान सॉफ्टवेयर इंजीनियर के तौर पर हुई है। जांच में सामने आया है कि जब यह हादसा हुआ, तब वो नशे में धुत था। पुलिस ने कार ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस घटना का CCTV फुटेज भी सामने आया है, जो कि सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। इस हादसे में सात लोग घायल हो गए, जिनमें से तीन को गंभीर चोटें आईं। बताया जा रहा है कि पीड़ित बिहार के रहने वाले थे। घायलों को इलाज के लिए ECIL इलाके के एक अस्पताल में ले जाया गया। घटना के CCTV फुटेज में देखा जा सकता है कि लोगों का एक समूह सड़क पर चल रहा है और कुछ ही समय के बाद एक कार पीछे से आती है और सभी को टक्कर मार देती है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी पवन शराब के नशे में गाड़ी चला रहा था, तभी कार सड़क किनारे चल रहे पैदल यात्रियों से टकरा गई। घटना के समय कार में एक और व्यक्ति भी मौजूद था। कुशाइगुडा पुलिस ने पवन और उसके साथ यात्रा कर रहे दूसरे व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की आगे की जांच चल रही है।

अमरावती समृद्धि महामार्ग पर भीषण सड़क हादसा, 5 की मौत, 18 गंभीर घायल

अमरावती, एजेंसी। महाराष्ट्र के अमरावती में आज शुक्रवार तड़के बड़ा सड़क हादसा हो गया. यह हादसा समृद्धि महामार्ग पर हुआ. इस हादसे में करीब 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और लगभग 18 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरा मच गई. वहीं, जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचायाय. दरअसल, धामणगांव रेलवे के पास समृद्धि महामार्ग पर एक ट्रक और बोलेरो पिकअप गाड़ी के बीच भीषण दुर्घटना हुई. हाईवे पर चैनेल नंबर 97 के पास हुई इस टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई और 15 से 18 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. पुलिस ने बताया कि पिकअप में श्रद्धालु सवार थे और मां दुर्गा की मूर्ति लेकर शेगांव से वर्धा जा रहे थे. इस समय समृद्धि महामार्ग पर ट्रक और टेम्पो पिकअप की आपस में टक्कर हो गई. टक्कर इतनी भीषण थी टेंपो पिकअप बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया. स्थानीय लोगों ने राहत कार्य शुरू किया. गंभीर रूप से घायलों का इलाज वर्धा में चल रहा है. पुलिस अधीक्षक निकेतन कदम और धमनगांव नगर परिषद की अध्यक्ष अर्चना रोथे ने अस्पताल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया. पुलिस हादसे की जांच कर रही है. धामणगांव रेलवे के पास समृद्धि महामार्ग पर पहले भी हादसे हुए हैं. जून 2026 में, चंद्रपुर के एक परिवार के पांच सदस्यों की इसी इलाके में मौत हो गई थी, जब उनकी कार एक खड़े कंटेनर ट्रक से टकरा गई थी. सड़क हादसा किस परिस्थिति में हुआ, इसका पता लगाया जा रहा है. वहीं, मृतकों और घायलों की पहचान में पुलिस जुटी है.

सीजेपी को मिला वकीलों का साथः बोले- दमन हुआ तो बिना फीस के लड़ेंगे केस

मुंबई , एजेंसी। महाराष्ट्र के पालघर जिले की वसई लॉयर्स एसोसिएशन ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के समर्थन में सामने आने की बात कही है। संगठन ने कहा है कि अगर पार्टी के सदस्यों को किसी तरह के कथित दमन का सामना करना पड़ता है और उनके खिलाफ मामले दर्ज होते हैं, तो उन्हें मुफ्त कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। एसोसिएशन के प्रवक्ता दिगंबर देसाई ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में यह बात कही। दिगंबर देसाई से पूछा गया था कि अगर सीजेपी के सदस्यों के खिलाफ मामले दर्ज होते हैं तो क्या वकील उनके बचाव के लिए बिना फीस के आगे आएंगे।

भाजपा ने किया कर्नाटक पब्लिक सर्विस कमीशन में पेपर लीक का दावा, कहा- 30 से 40 लाख में हुआ पेपर का सौदा

बेंगलुरु, एजेंसी। बीजेपी ने गुरुवार को कर्नाटक सरकार पर बड़ा आरोप लगाया। बीजेपी का दावा है कि कर्नाटक पब्लिक सर्विस कमीशन का पेपर लीक हुआ। चालीस-चालीस लाख रुपये लेकर पेपर बेचा गया। इस घोटाले में कर्नाटक सरकार के मंत्री और कर्नाटक कांग्रेस के बड़े-बड़े नेता शामिल हैं। इस घोटाले से ध्यान भटकाने के लिए डीके शिवकुमार और उनके मंत्री चुनाव आयोग को निशाना बना रहे हैं। आज संबित पात्रा ने कर्नाटक पब्लिक सर्विस कमीशन में हुए इस पेपर लीक घोटाले को लेकर गंभीर आरोप लगाए।

पेपर के लिए स्टूडेंट्स से मांगे गए 80 लाख रुपयेः दरअसल, इसी साल 8 और 9 जनवरी को कर्नाटक पब्लिक सर्विस कमीशन का एग्जाम हुआ था, लेकिन इससे एक दिन पहले ही पेपर लीक हो गया था। एस. मंजूनाथ नाम के एक व्यक्ति ने स्टिंग ऑपरेशन के जरिए इसके

सबूत जुटाए। फिर पता लगा कि ज्ञानेंद्र कुमार ने एग्जाम में आने वाले क्वेश्चन्स को पेन ड्राइव में लिया। फिर एक बिचौलिए बसवराज कन्नाले को एग्जाम में एपीयर होने वाले छात्रों से संपर्क करने को कहा। स्टूडेंट्स से 80 लाख रुपये मांगे गए। लेकिन सौदा 30 से 40 लाख में हुआ।

11 स्टूडेंट्स से वसूले गए 1 करोड़ 52 लाख रुपये

शुरू में 11 स्टूडेंट्स ने कुल 1 करोड़ 52 लाख रुपये दिए। बाकी की रकम के लिए पोस्ट डेटेड चेक लिए गए। इस पैसे में से 1 करोड़ 30 लाख रुपये ज्ञानेंद्र कुमार को दिए गए। रिश्वत की रकम से ज्ञानेंद्र कुमार ने ज्वेलरी खरीदे। इनमें 22 लाख रुपये का एक डायमंड नेकलैस मिला है। फिर बसवराज ने बेंगलुरु के बाहर रिजॉर्ट बुक किया। कैंडिडेट्स को इस रिजॉर्ट में ठहराया गया। पेपर के क्वेश्चन और आंसर्स बताए गए। 17 जुलाई को जब रिजल्ट आया तो इन सारे कैंडिडेट्स का सेलेक्शन हो गया। जब मामले का खुलासा हुआ तो कर्नाटक सरकार ने इस मामले की जांच सीआईडी को सौंप दी।

रेड में ईडी को मिले सबूत

फिर ईडी की एंट्री भी हो गई। ईडी की रेड में सारे सबूत मिल गए, जिन स्टूडेंट्स ने पैसे देकर पेपर पास किया था, उनमें से 10 लड़के एप्रूवर भी बन गए। अब इस मामले की जांच के लिए हाईकोर्ट नें एसआईटी का गठन कर दिया है। इसीलिए आज संबित पात्रा ने कहा कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार नौजवानों के भविष्य का सौदा कर रही है। कांग्रेस ने कर्नाटक को रिश्वत का एटीएम बना दिया है। संबित ने कहा कि इस पेपर लीक घोटाले में सरकार के बड़े-बड़े नेता और मंत्री शामिल हैं, इसलिए कर्नाटक सरकार इस केस को दबाने में पूरी ताकत लगा रही है।

राज्य मुख्य चुनाव अधिकारी का चुनावी दावों को गलत बताने वालों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश

बेंगलुरु , एजेंसी। स्पेशल इंटेंसिव रिविजन के दौरान 'फॉर्म 7' के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल और उसके गलत इस्तेमाल की आपराधिक जांच की मांग को लेकर मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और उनके कैबिनेट सहयोगियों के विरोध-प्रदर्शन के कुछ घंटों बाद, राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी वी अनबुकुमार ने राज्य भर के चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे उन आवेदकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करें जिन्होंने जानबूझकर झूठे दावे या आपत्तियां दर्ज कराई हैं. बता दें, राज्य मुख्य चुनाव अधिकारी का यह निर्देश गुरुवार 1 अक्टूबर को जिला चुनाव अधिकारियों और डिप्टी कमिश्नरों, बेंगलुरु चुनाव अधिकारियों और सभी 224 विधानसभा क्षेत्रों के चुनावी पंजीकरण अधिकारियों को जारी किया गया था. मुख्य चुनाव अधिकारी वी अनबुकुमार के मुताबिक यह माना गया कि निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी के पास बड़ी संख्या में 'फॉर्म 7' एप्लीकेशन जमा किए जाने के मामले ऑफिस की जानकारी में आए हैं और कुछ एप्लीकेशन की असलियत पर सवाल उठाए गए हैं. निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी के पास फॉर्म 7 में बड़ी संख्या में आवेदन जमा किए जा रहे हैं.

नागालैंड में बड़ा सियासी फेरबदल, एक पार्टी के सभी 5 विधायक सत्तारूढ़ दल में शामिल

कोहिमा, एजेंसी। नागालैंड की राजनीति में गुरुवार को बड़ा बदलाव देखने को मिला। नेशनल पीपुल्स पार्टी यानी कि एनपीपी के सभी 5 विधायक सत्तारूढ़ नगा पीपुल्स फ्रंट यानी कि एनपीएफ में शामिल हो गए। इसके साथ

ही 60 सदस्यीय नागालैंड विधानसभा में एनपीएफ के विधायकों की संख्या बढ़कर 39 हो गई है। विधानसभा सचिवालय की ओर से जारी बयान में इसकी जानकारी दी गई। पांचों विधायकों ने 1 अक्टूबर को एनपीएफ में विलय की जानकारी विधानसभा को दी थी।

मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो की मौजूदगी में हुआ शामिल होनाः एनपीपी के पांचों विधायक दीमापुर में एनपीएफ में शामिल हुए। इस मौके पर एनपीएफ अध्यक्ष और मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो, पार्टी के महासचिव अचुम्बेमो किकोन और पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। एनपीएफ ने देर रात जारी बयान में पांचों विधायकों के पार्टी में शामिल होने की जानकारी दी। पार्टी ने इस कदम का स्वागत करते हुए इसे नागालैंड की राजनीति में एक अहम घटनाक्रम बताया। नागालैंड विधानसभा सचिवालय की संशोधित पार्टी-संबद्धता सूची के मुताबिक, एनपीपी के प्रदेश अध्यक्ष और मोका से विधायक ए. न्यामन्येई कोन्याक, अर्काकोंग से विधायक नुक्लुतोशी, सेयोचुंग-सितिमी से विधायक सी. किपिली संगतम, कोहिमा टाउन से विधायक त्सेइलहौतुओ रुत्सो और थोनोकन्यू से विधायक बेनेई एम. लैमथियू एनपीएफ में शामिल हुए हैं। विधानसभा बुलेटिन के मुताबिक, पांचों विधायकों ने संविधान की दसवीं अनुसूची की संबंधित धाराओं के तहत एनपीएफ के साथ विलय की जानकारी दी थी। विधानसभा के सचिव ख्रुओहितुओनुओ रियो की ओर से जारी बुलेटिन में विलय की तारीख 1 अक्टूबर दर्ज की गई है। जाने को नागालैंड के सत्तारूढ़ राजनीतिक समीकरण में एक और बड़ा बदलाव माना जा रहा है। इससे पहले पिछले साल एनडीपीपी विधायक दल के विलय के बाद एनपीएफ ने सत्ता पक्ष के बड़े हिस्से को अपने साथ मिला लिया था। अब एनपीपी के सभी पांच विधायकों के शामिल होने से विधानसभा में एनपीएफ की संख्या और बढ़ गई है। एनपीपी विधायकों का एनपीएफ में स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री और एनपीएफ अध्यक्ष नेफ्यू रियो ने कहा कि उनका पार्टी में शामिल होने का फैसला नगा लोगों की आकांक्षाओं को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पांचों विधायकों के एनपीएफ में आने से पार्टी और मजबूत होगी। इस नए राजनीतिक समीकरण के बाद नागालैंड विधानसभा में एनपीएफ के 39 विधायक हो गए हैं। इसके अलावा बीजेपी के 12 विधायक हैं। लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के दो, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) के दो और जनता दल (यूनाइटेड) का एक विधायक है। विधानसभा में 4 निर्दलीय विधायक भी हैं। इस तरह एनपीपी के पांचों विधायकों के एनपीएफ में शामिल होने के बाद नागालैंड की 60 सदस्यीय विधानसभा में सत्तारूढ़ एनपीएफ की स्थिति और मजबूत हुई है।

राजस्थान के भरतपुर से कांग्रेस के दिग्गज नेता विश्वेन्द्र सिंह ने दिया इस्तीफ़ा

भरतपुर, एजेंसी। राजस्थान से बड़ी खबर सामने आई है। भरतपुर के दिग्गज नेता, राजघराने के विश्वेन्द्र सिंह ने कांग्रेस से इस्तीफ़ा दे दिया है। पार्टी में हुई कलह की वजह से उन्होंने ये कदम उठाया है। कुछ दिनों पहले ही पीसीसी अध्यक्ष गोविंद डोटासरा और विश्वेन्द्र सिंह के बीच काफ़ी बयानबाज़ी हुई थी, जिसके बाद डोटासरा ने विश्वेन्द्र सिंह के ख़िलाफ़ रिपोर्ट भेजी थी। उसके बाद से उन्हें निष्कासित करने की तैयारी की जा रही थी। विश्वेन्द्र सिंह ने निकाय चुनाव में पार्टी की हार के लिए टिकट वितरण को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर सवाल उठाए थे।

विश्वेंद्र सिंह ने फेसबुक पोस्ट किया, पूछा सवालः पूर्व कैबिनेट मंत्री विश्वेन्द्र सिंह ने अपनी फेसबुक पोस्ट में कांग्रेस के जिला अध्यक्षों को निशाने पर लिया। उन्होंने लिखा, भरतपुर-डीग कांग्रेस का बंटाधार- जिम्मेदार कौन? उन्होंने लिखा, नगर निकाय में कांग्रेस की हार का एक ही कारण है- दोनों जिलाध्यक्षों ने चहेतों को टिकट बांटे और असली कार्यकर्ताओं को दरकिनार किया। जनता ने सबक सिखा दिया। पहले निकाय चुनाव में

जनता को इन लोगों ने कब्र में दफनाया था, लेकिन जनता अब भी तैयार बैठी है। इस बार चुनाव में जनता दोनों जिलाध्यक्षों और इनको बचाने वाले प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को उसी कब्र में दफनाने को तैयार है।

सिंह ने आगे लिखा कि 'ये सीएम का गृह जिला है। यहां कांग्रेस मजबूत होनी चाहिए थी, पर इन लोगों ने पार्टी को डूबो दिया. प्रदेश अध्यक्ष मूक-बधिर बना बैठा है। जब तक ये दोनों कुर्सी पर हैं, कांग्रेस का उठना नामुमकिन है। प्रदेश नेतृत्व होश में आओ। विश्वेंद्र सिंह के अचानक इस्तीफा देने के पीछे मुख्य रूप से संगठनात्मक असंतोष और गुटबाजी को वजह माना जा रहा है। भरतपुर और डीग में निकाय चुनाव के खराब नतीजों के बाद आंतरिक कलह खुलकर बाहर आई। विश्वेंद्र सिंह ने हार का सीधा जिम्मेदार भरतपुर व डीग के कांग्रेस जिलाध्यक्षों और प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को ठहराया।

उन्होंने आरोप लगाया कि निष्ठावान कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर केवल 'चहेतों' को टिकट बांटे गए, जिससे समर्पित कार्यकर्ताओं में भारी रोष था।

स्वाभिमान और 'चापलूसी कल्चर': अपने त्यागपत्र में उन्होंने लिखा कि पार्टी में चापलूसी का माहौल इतना बढ़ गया है कि वहां 'दम घुट रहा था' और घुट-घुट कर जीने से बेहतर स्वाभिमान के साथ अलग होना है। विश्वेंद्र सिंह ने हमला तेज करते हुए डोटासरा के शिक्षा मंत्री रहते ऋक्षश्वञ्ज भर्ती परीक्षा और परिजनों के आरक्षण/चयन से जुड़े मामलों की निष्पक्ष जांच की मांग भी कर डाली। भरतपुर के पूर्व महाराजा विश्वेंद्र सिंह साल 2008 में भारतीय जनता पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे। बीजेपी के तत्कालीन नेता स्वर्गीय दिगंबर सिंह से हुए विवाद के बाद वे कांग्रेस में आए थे।

निर्माणाधीन मंदिर गिराने पहुंचे बुलडोजर के सामने बैठकर भजन गाने लगी महिलाएं, बैरंग लौटी एमडीए की टीम

मेरठ, एजेंसी। परतापुर क्षेत्र स्थित एयरपोर्ट एंक्लेव में निर्माणाधीन मंदिर पर कार्रवाई करने पहुंची मेरठ विकास प्राधिकरण (एमडीए) की टीम को विरोध के चलते वापस लौटना पड़ा। टीम के पहुंचते ही महिलाओं ने ढोलक-मंजीरे लेकर भजन गाते हुए विरोध शुरू कर दिया, जिसके वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

गुरुवार दोपहर में एमडीए की टीम स्थानीय पुलिस बल के बिना मौके पर पहुंची थी। निर्माणाधीन मंदिर पर कार्रवाई की कोशिश की जानकारी मिलते ही मंदिर कमेटी के सदस्य, पार्षद पुत्र आकाश काशी और हिंदू संगठनों से जुड़े कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए। देखते ही देखते वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। महिलाओं ने भजन गाते हुए एमडीए की कार्रवाई का

विरोध किया। मौके पर बढ़ते विरोध और पुलिस बल साथ न होने के चलते एमडीए की टीम बिना कार्रवाई किए वापस लौट गई।

घटना के बाद एमडीए की कार्रवाई को लेकर क्षेत्र में चर्चा शुरू हो गई है। वहीं,निर्माणाधीन मंदिर के संबंध में प्राधिकरण की तरफ से कार्रवाई का आधार और आगे की रणनीति स्पष्ट नहीं हो सकी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मंदिर पर कार्रवाई से पहले प्रशासन को संबंधित पक्ष से बातचीत करनी चाहिए। फिलहाल मौके पर कार्रवाई टल गई है। अब देखना होगा कि एमडीए इस मामले में आगे क्या कदम उठाता है। दरअसल, स्थानीय लोगों का कहना है कि धार्मिक स्थल पर एक्शन से पहले प्रशासन संबंधित पक्षों से बात करे। लोगों का कहना है कि प्रशासन ने नियमानुसार कार्रवाई से पहले कोई नोटिस नहीं दिया। वहीं, प्रशासन का कहना है कि सरकारी जमीन पर अवैध तरीके से मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा है। जिसे रुकवाने के लिए टीम वहां पहुंची थी। बता दें कि इससे पहले भी यूपी में सरकारी जमीन पर बने धार्मिक स्थलों पर कार्रवाई की गई है। पिछले महीने सहारनपुर में एक मस्जिद को गिरा दिया गया था। इस पर भी विवाद हुआ था। मामला अब कोर्ट में है।

बिहार विधान परिषद चुनावः कांग्रेस ने राजद के खिलाफ किन चार सीटों पर उतारे उम्मीदवार, क्या टूट गया महागठबंधन

पटना , एजेंसी। बिहार विधान परिषद की स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में होने वाले द्विवार्षिक चुनाव के लिए कांग्रेस ने अपने पांच उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की मंजूरी के बाद पार्टी के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने गुरुवार को उम्मीदवारों की सूची जारी की। चौंकाने वाली बात यह है कि पांच में चार ऐसी सीट है, जहां पहले से ही राजद अपना उम्मीदवार उतार चुका है। अब ऐसे में इस चुनाव में महागठबंधन के दो दल के उम्मीदवार एक दूसरे को चुनौती देते दिखाई देंगे। कांग्रेस की ओर से बताया कि दरभंगा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से डॉ. मदन मोहन झा को उम्मीदवार बनाया है। वहीं, कोसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से मनोज कुमार जायसवाल को टिकट दिया गया है। इसके अलावा दरभंगा स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से रजनीकांत पाठक, पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से डॉ. संजय यादव और पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से डॉ. असदुल्लाह खान को पार्टी उम्मीदवार बनाया गया है। इधर, कांग्रेस के प्रवक्ता असित नाथ तिवारी महागठबंधन में अगर समन्वय होता तो राजद ने जब सूची जारी की थी तो एक संयुक्त बैठक होती। इसमें महागठबंधन के सभी दल रहते। लेकिन, राजद ने बिना समन्वय किए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। विधान परिषद का चुनाव है। हमलोग लड़ रहे हैं।

महिला वकील से 186 बार बात और 3 बेनामी फोन, पूर्व जज को राहत देने से गुजरात हाई कोर्ट का इनकार

अहमदाबाद, एजेंसी। ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट ने भ्रष्टाचार के आरोपी और एक प्रैक्टिसिंग वकील के संपर्क में रहने के लिए तीन बेनामी मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया था। हाई कोर्ट ने उनके व्यवहार को एक ज्यूडिशियल ऑफिसर के लिए अशोभनीय बताते हुए कहा कि नौकरी से बर्खास्तगी ही एकमात्र उचित सजा थी। यह मामला JMFC अमृतलाल विजोडा से जुड़ा है, जिन्हें 2008 में सस्पेंड कर दिया गया था। उन पर मनचाहे आदेश देने के लिए पैसे लेने, तीन बेनामी मोबाइल फोन रखने के आरोप लगे।

इसके अलावा जून 2007 से मार्च 2008 के बीच महिला वकील को 186 कॉल करने और विभाग को बताए बिना कार खरीदने और पर्सनल लोन लेने के आरोप थे।

मजिस्ट्रेट पर लगे 12 आरोपों में से हाई कोर्ट की कमेटी ने चार को सही माना, जिसमें यह आरोप भी शामिल था कि उनके पास अलग-अलग लोगों के नाम पर रजिस्टर्ड तीन मोबाइल फोन थे, जिनमें से एक महिला वकील के नाम पर था। ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट पर चार आरोप साबित होने के बाद 2016 में उन्हें नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया था। बाद में उन्होंने हाई कोर्ट की ज्यूडिशियल विंग के सामने इस अनुशासनात्मक कार्रवाई को चुनौती दी।

हाई कोर्ट की बेंच ने इस मामले में सुनवाई करते हुए कहा, 'अगर कोई ज्यूडिशियल ऑफिसर किसी प्रैक्टिसिंग वकील से फोन लेने का फैसला करता है और यह साबित हो जाता है कि वह कुछ समय तक उस वकील के संपर्क में था, तो यह अपने आप में अनुचित होगा।' हाई कोर्ट की बेंच ने इस मामले में सुनवाई करते हुए कहा, 'अगर कोई ज्यूडिशियल ऑफिसर किसी प्रैक्टिसिंग वकील से फोन लेने का फैसला करता है और यह साबित हो जाता है कि वह कुछ समय तक उस वकील के संपर्क में था, तो यह अपने आप में अनुचित होगा।' हाई कोर्ट ने आगे कहा, 'इस मामले में, याचिकाकर्ता पर जो आरोप लगाए गए थे और जिन्हें याचिकाकर्ता ने मूल रूप से स्वीकार भी किया था, वे साफ तौर पर दिखाते हैं कि ये याचिकाकर्ता के खिलाफ मामूली शिकायतें नहीं थीं, बल्कि ऐसी शिकायतें थीं जिनसे साबित होता है कि उनमें ईमानदारी की कमी थी।' बेंच ने कहा, 'न्यायपालिका में जनता का भरोसा बनाए रखने के लिए ज्यूडिशियल ऑफिसर्स से उम्मीद की जाती है कि वे प्रैक्टिसिंग वकीलों से उचित दूरी बनाए रखें ।

सीएम फडणवीस ने मुंबई में कैप्टन स्मित मच्छार के परिवार से मुलाकात की, बहादुरी की तारीफ की

मुंबई, एजेंसी। अपनी बहादुरी से भारत का नाम रोशन करने वाले पायलट कैप्टन स्मित मच्छर के चाचा और चाची ने गुरुवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की. मुलाकात के दौरान, मुख्यमंत्री फडणवीस ने कैप्टन स्मित मच्छर के परिवार की सराहना की और उनकी बहादुरी की तारीफ की. उन्होंने कहा कि गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद कैप्टन स्मित ने जिस सूझबूझ का परिचय दिया, वह महाराष्ट्र और भारत दोनों के लिए गर्व की बात है.

फडणवीस ने कैप्टन स्मित मच्छर के परिवार को अपना समर्थन दिया.

दुबई से तेल अवीव (इजराइल) जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट के कॉकपिट में को-पायलट ने कथित तौर पर कैप्टन स्मित पर चाकू से हमला कर दिया था. हालांकि, विमान उड़ा रहे स्मित ने को-पायलट का बहादुरी से मुकाबला किया और 170 से अधिक यात्रियों की जान बचाई. हमले में घायल हुए कैप्टन स्मित का अभी संयुक्त अरब अमीरात के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है और उनकी हालत स्थिर है.

ओमान के एक को-पायलट ने दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट (ख्नं1073) को कथित तौर पर हाईजैक करने की कोशिश की. कॉकपिट के अंदर जानलेवा हमले में गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, कैप्टन स्मित ने उसका मुकाबला किया और कॉकपिट का दरवाजा खोलने में कामयाब रहे, जिससे विमान में सवार यात्री को-पायलट को काबू करने में मदद कर सके. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में इस बहादुरी के लिए कैप्टन स्मित को 'हीरो' बताया. उन्होंने फोन पर कैप्टन के माता-पिता और पत्नी से भी बात की और उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिलाया. मुंबई के घाटकोपर के रहने वाले कैप्टन स्मित मच्छार, जिन्होंने गुड़गांव में पायलट की ट्रेनिंग ली थी, ने 170 से अधिक लोगों की जान बचाई. स्मित की अब पूरी दुनिया में चर्चा हो रही है और वह हीरो बन गए हैं. स्मित मच्छर ने 10 से अधिक वर्षों तक स्पाइसजेट के लिए बोइंग विमान उड़ाए हैं. इस दौरान, उन्हें सीनियर कमांडर और बाद में ट्रेनिंग कैप्टन के पद पर प्रमोट किया गया. इसके बाद 2022 में दुबई चले गए.

इस बीच, संयुक्त अरब अमीरात (ृश्व) में भारतीय दूतावास का कहना है कि कैप्टन स्मित मच्छर ठीक हैं और तेजी से रिकवरी कर रहे हैं. भारतीय दूतावास ने गुरुवार को एक्स पोस्ट में बताया कि राजदूत दीपक मित्तल ने यूएई के उस अस्पताल में कैप्टन स्मित मच्छर और उनके परिवार से मुलाकात की, जहां उन्हें सऊदी अरब से लाया गया था. दूतावास ने आगे कहा, 'कैप्टन मच्छर ठीक हैं और उनके स्वास्थ्य में तेजी से सुधार हो रहा है.

रचा इतिहास

नेत्रा ने महिलाओं की डिंगी सेलिंग में ब्रॉन्ज मेडल जीता

गामागोरी । भारत की सेलर नेत्रा कुमानन ने महिलाओं की डिंगी में ब्रॉन्ज मेडल जीता। काइयोह यॉट हार्बर में दो रेस की फाइनल सीरीज के बाद नेत्रा ने 14 पॉइंट्स के साथ फिनिश किया। थाईलैंड की सोफिया मोंटगोमरी ने पांच पॉइंट्स के साथ गोल्ड जीता, जबकि सिंगापुर की जानिया एंग ने 13 पॉइंट्स के साथ सिल्वर जीता। एशियन गेम्स 2026 में भारत का सेलिंग में यह तीसरा मेडल है। इससे पहले पुरुषों की स्किफ में मनु फ्रांसिस और प्रिंस कुरिसिंकल नोबल ने सिल्वर और महिलाओं की स्किफ में हर्षिता तोमर और शीतल वर्मा ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था। नेत्रा ने सप्ताह की शुरुआत में हुई क्वालीफिकेशन सीरीज से सात रीकैलकुलेटेड पॉइंट्स के साथ फाइनल में एंट्री की।

फाइनल 1 में नेत्रा छठे स्थान पर रहीं, लेकिन फाइनल 2 जीतकर (एक पॉइंट जोड़कर) जवाब दिया, जिससे वह ओवरऑल तीसरे स्थान पर पहुंच गई। नेत्रा 14 नेट पॉइंट्स (क्वालीफिकेशन सीरीज और फाइनल से सात-सात पॉइंट्स) के साथ हांगकांग की स्टेफनी नॉर्टन के बराबर रहीं, लेकिन पूरी सीरीज में बेहतर हेड-टू-हेड रिकॉर्ड रखने के बाद टाई-ब्रेक में ब्रॉन्ज मेडल जीता। नेत्रा ने 2021 में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय महिला सेलर बनकर इतिहास रचा था।

भारत के पुरुष क्वाड्रंट ने सेपकटकराव में ब्रॉन्ज मेडल जीता

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में नागोया सिटी मिजुहो पार्क जिम्नेजियम में शुक्रवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में जापान से 0-2 से हारकर भारतीय पुरुष क्वाड्रंट टीम को सेपकटकराव में ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा। मालेमंगनबा सिंह सोरोखाइबाम, राम कुमार शर्मा, बॉबी कुमार और आकाश युमनाम (लोखोन सिंह एलांगबाम और टेकोंग अरुण सब्स) की भारतीय क्वाड्रंट सेमीफाइनल में युकी सातो, रयोटा हारुहारा, वतारू नारवा और योटा इचिकावा (सेया ताकानो और तोशिताका नाइतो सब्स) की जापानी क्वाड्रंट से 12-15, 13-15 के करीबी अंतर से हार गई। एशियाड में यह भारत का सेपक टकरॉ में सिर्फ तीसरा मेडल है। भारत ने 2018 जकार्ता गेम्स में पुरुषों की टीम रेगु में ब्रॉन्ज मेडल जीता था और उसके बाद 2023 हांगझोऊ गेम्स में महिलाओं की टीम रेगु में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। भारतीय पुरुषों की टीम ने तीनों मैच जीतकर ग्रुप ए में टॉप पर जगह बनाई। उसने लीग स्टेज में वर्ल्ड कप विनर म्यांमार को भी चौंका दिया था और वियतनाम और लाओस को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई और ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। इस बीच, भारतीय महिलाओं की टीम ग्रुप स्टेज में ही बाहर हो गई। वह अपने तीन मैचों में कोई जीत हासिल किए बिना ग्रुप ए में चौथे स्थान पर रही। महिलाओं के डबल्स में भारत अपने ग्रुप बी में चौथे स्थान पर रहा और खेले गए तीनों गेमों में से एक भी गेम नहीं जीत पाया।

भारतीय पुरुषों की रेगु टीम भी नॉकआउट में जगह बनाने में नाकाम रही और एक जीत और दो हार के साथ ग्रुप बी में तीसरे स्थान पर रही।

संक्षिप्त समाचार

एशियन गेम्स

रिकर्व मिक्स्ड टीम इवेंट में भारत को सिल्वर, ओलंपिक कोटा से चूकी भारतीय टीम

ओकाजाकी । धीरज बोम्मादेवरा और कुमकुम मोहोद की मिक्स्ड रिकर्व आर्चरी टीम को ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में चीन के खिलाफ हुए फाइनल मुकाबले में हार के

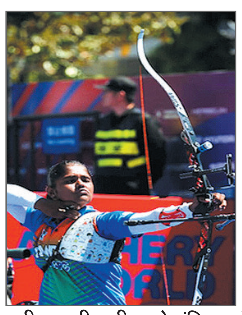

कारण सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। चीन ने गोल्ड मेडल जीतने के साथ ही लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक का कोटा हासिल कर लिया, जबकि दूसरे स्थान पर रही भारतीय टीम ओलंपिक कोटा पाने से चूक गई। रिकर्व तीरंदाजी में यह भारत का दूसरा मेडल है। महिला टीम ने शुक्रवार सुबह एशियन गेम्स में अपना पहला गोल्ड मेडल जीता। महिला टीम ने फाइनल में 10 बार की चैंपियन टीम दक्षिण कोरिया को हराया। मिक्स्ड टीम फाइनल में, भारत ने 9 और 8 के स्कोर से शुरुआत की, जबकि चीन ने 10 और 8 के स्कोर से जवाब दिया।

पुरुष रिकर्व टीम इवेंट में भारत को सिल्वर मेडल, फाइनल में दक्षिण कोरिया से मिली हार

ओकाजाकी । भारतीय पुरुष रिकर्व तीरंदाजी टीम को शुक्रवार को ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में फाइनल में नौ बार की चैंपियन दक्षिण कोरियाई टीम ने हरा दिया। हार के कारण भारतीय टीम को सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। भारतीय टीम में शामिल नीरज चौहान,

यशदीप भोगे और धीरज बोम्मादेवरा की तिकड़ी को दक्षिण कोरिया की किम जे देओक, किम वूजिन और ली वूसोक की तिकड़ी ने 1-5 से हराया। पुरुषों के रिकर्व टीम इवेंट में यह भारत का लगातार दूसरा एशियन गेम्स सिल्वर मेडल है। भारतीय टीम को हांगझोऊ 2023 के फाइनल में भी दक्षिण कोरिया से हार का सामना करना पड़ा था। ओलंपियन बोम्मादेवरा उस सिल्वर मेडल जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे।

गीत के लिए खास है 3 अक्टूबर

1992 में जीता था विश्व पेशेवर बिलियर्ड्स चैंपियनशिप का खिताब

नई दिल्ली । गीत सेठी का नाम भारत के प्रसिद्ध बिलियर्ड्स और स्नूकर खिलाड़ियों में शुमार है। 1990 के दशक में सेठी ने इस खेल में अपना दबदबा बनाया था। गीत सेठी का जन्म 17 अप्रैल, 1961 को दिल्ली में हुआ था। उनका पूरा नाम गीत श्रीराम सेठी है। अहमदाबाद में पले-बढ़े सेठी ने 13 साल की उम्र में बिलियर्ड्स खेलना शुरू किया

था। गुजरात स्पोर्ट्स क्लब में उनकी मुलाकात उस समय के एक बहुत ही सफल बिलियर्ड्स खिलाड़ी सतीश मेनन से हुई और उन्होंने उनसे महत्वपूर्ण टिप्स और मार्गदर्शन लिया। उन्होंने पहली बार 1982 में इंडियन नेशनल बिलियर्ड्स चैंपियनशिप में माइकल फरेरा को हराकर इंटरनेशनल लेवल पर अपनी पहचान बनाई।

वनडे विश्वकप 2027 के ग्रुप घोषित, दो अक्तूबर से शुरू होगा टूर्नामेंट, एक ही ग्रुप में भारत पाकिस्तान

बदले स्वरूप में होगा विश्वकप 2027

भारत-पाक एक ही ग्रुप में

विश्व कप के ग्रुप चरण में भारत और पाकिस्तान को ग्रुप ए में रखा गया है। इस ग्रुप में भारत और पाकिस्तान के अलावा अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे और क्वालिफायर-ए की टीम होगी।

ग्रुप ए

- अफगानिस्तान
- ऑस्ट्रेलिया
- भारत
- पाकिस्तान
- जिम्बाब्वे
- क्वालिफायर-ए

ग्रुप बी

- बांग्लादेश
- इंग्लैंड
- दक्षिण अफ्रीका
- श्रीलंका
- न्यूजीलैंड
- क्वालिफायर-बी

क्वालिफायर-ए और क्वालिफायर-बी की टीमों के नाम बाद में तय होंगे। 2027 विश्व कप के लिए 10 टीमें सीधे अपनी जगह पक्की कर चुकी हैं, जबकि बाकी स्थान क्वालिफिकेशन प्रक्रिया से तय होंगे।

केपटाउन / नई दिल्ली। आईसीसी वनडे विश्व कप 2027 का पूरा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में होने वाला 50 ओवर का यह विश्व कप दो अक्तूबर से 21 नवंबर 2027 तक खेला जाएगा। टूर्नामेंट में कुल 14 टीमें हिस्सा लेंगी और तीन देशों के 12 वेन्यू पर 57 मुकाबले खेले जाएंगे। विश्व कप की शुरुआत नामीबिया की राजधानी विंडहोक में सुपर सीरीज के मुकाबलों से होगी, जबकि खिताबी मुकाबला 21 नवंबर को खेला जाएगा। 2027 विश्व कप की सबसे बड़ी खासियत इसका बदला हुआ प्रारूप है। 2023 में 10 टीमों ने एक ही लीग चरण में एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबले खेले थे, लेकिन इस बार 14 टीमों के टूर्नामेंट को सेमीफाइनल और फाइनल से पहले तीन चरणों में बांटा गया है। इनमें सुपर सीरीज, ग्रुप चरण और सुपर-7 शामिल हैं। इस बदलाव के चलते खिताब जीतने वाली टीम को फाइनल तक पहुंचने के लिए अलग-अलग चरणों में कई मुकाबलों से गुजरना होगा।

दो अक्तूबर से सुपर सीरीज का आगाज

विश्व कप का पहला चरण सुपर सीरीज होगा। इसमें क्वालिफिकेशन प्रक्रिया के आधार पर सबसे निचली रैंकिंग वाली तीन टीमें हिस्सा लेंगी। तीनों टीमें राउंड-रॉबिन आधार पर एक-दूसरे के खिलाफ खेलेंगी। इस चरण में शीर्ष पर रहने वाली टीम ही मुख्य ग्रुप चरण में पहुंचेगी, जबकि बाकी दो टीमों का विश्व कप अभियान समाप्त हो जाएगा। सुपर सीरीज की शुरुआत 2 अक्टूबर 2027 को विंडहोक से होगी।

ग्रुप चरण में 30 मुकाबले

सुपर सीरीज के बाद 12 टीमें मुख्य ग्रुप चरण में उतरेंगी। इन्हें दो ग्रुप में बांटा जाएगा और प्रत्येक ग्रुप में छह-छह टीमें होंगी। हर टीम अपने ग्रुप की बाकी पांच टीमों के खिलाफ एक-एक मुकाबला खेलेगी। इस चरण में कुल 30 मैच होंगे। दोनों ग्रुप से शीर्ष तीन-तीन टीमें सुपर-7 में पहुंचेंगी। इसके अलावा दोनों ग्रुप में चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों में से बेहतर प्रदर्शन करने वाली एक टीम को भी सुपर-7 में जगह मिलेगी। इस तरह कुल सात टीमें अगले चरण में पहुंचेंगी।

2027 विश्व कप में 14 टीमें, 12 वेन्यू और 57 मैच

वनडे विश्व कप 24 साल बाद अफ्रीकी धरती पर लौट रहा है। दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे इससे पहले 2003 विश्व कप की मेजबानी कर चुके हैं, जबकि नामीबिया पहली बार पुरुषों के सीनियर वनडे विश्व कप के लिए मेजबान देश के रूप में सामने होगा। टूर्नामेंट के लिए दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में कुल 12 वेन्यू तय किए गए हैं। इनमें दक्षिण अफ्रीका के आठ, जिम्बाब्वे के तीन और नामीबिया की राजधानी विंडहोक का एक वेन्यू शामिल है।

2023 और 2027 में क्या बदला?

- 2023 विश्व कप 10 टीमें शामिल थीं।
- सभी 10 टीमों ने एक ही लीग चरण में मुकाबले खेले।
- प्रत्येक टीम ने नौ लीग मैच खेले।
- अंक तालिका की शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचीं।
- कुल 48 मैच खेले गए।
- 2027 विश्व कप टीमों की संख्या बढ़ाकर 14 कर दी गई है।
- शुरुआत तीन टीमों की सुपर सीरीज से होगी।
- सुपर सीरीज की विजेता मुख्य ग्रुप चरण में पहुंचेगी।
- 12 टीमों को दो ग्रुप में बांटा जाएगा।
- ग्रुप चरण में 30 मुकाबले होंगे।
- दोनों ग्रुप से शीर्ष तीन-तीन टीमों के अलावा एक और टीम सुपर-7 में पहुंचेगी।
- सुपर-7 में सात टीमें 21 मुकाबले खेलेंगी।
- सुपर-7 की शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल खेलेंगी।
- कुल 57 मैच खेले जाएंगे।

सुपर-7 में होगा बड़ा मुकाबला

2027 विश्व कप के प्रारूप में सबसे बड़ा बदलाव सुपर-7 चरण है। इसमें सातों टीमें राउंड-रॉबिन आधार पर एक-दूसरे से भिड़ेंगी। इस चरण में कुल 21 मैच खेले जाएंगे। सुपर-7 की अंक तालिका में शीर्ष चार स्थान पर रहने वाली टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। पहले स्थान वाली टीम चौथे स्थान वाली टीम से भिड़ेगी, जबकि दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम तीसरे स्थान वाली टीम के खिलाफ खेलेगी। दोनों सेमीफाइनल के विजेता फाइनल में खिताब के लिए आमने-सामने होंगे।

2023 विश्व कप में कैसा था प्रारूप?

भारत में खेले गए 2023 वनडे विश्व कप में कुल 10 टीमें शामिल थीं। सभी टीमों ने लीग चरण में एक-दूसरे के खिलाफ एक-एक मुकाबला खेला था। इस तरह प्रत्येक टीम ने नौ लीग मैच खेले और अंक तालिका की शीर्ष चार टीमें सीधे सेमीफाइनल में पहुंची थीं। इसके बाद दो सेमीफाइनल और फाइनल के साथ टूर्नामेंट समाप्त हुआ था। यानी 2023 में नॉकआउट से पहले सिर्फ एक लीग चरण था। ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल में भारत को हराकर 2023 विश्व कप का खिताब जीता था।

रोहित-कोहली के लिए अहम होगा मौका

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली के लिए 2027 वनडे विश्व कप अंतरराष्ट्रीय करियर को एक और विश्व कप खिताब के साथ यादगार बनाने का आखिरी मौका हो सकता है। रोहित शर्मा ने 2024 टी20 विश्व कप में भारत की खिताबी जीत को याद करते हुए

कहा था कि वह 50 ओवर के प्रारूप में भी उस अहसास को दोबारा महसूस करना चाहते हैं। रोहित ने कहा था कि भारत के लिए विश्व कप जीतना बेहद खास अहसास है। उन्होंने बताया कि उन्होंने टी20 प्रारूप में दो बार विश्व कप जीतने का अनुभव किया है। 2007 में वह महज 20 साल के युवा खिलाड़ी थे, जबकि 2024 में भारत ने लंबे अंतराल के बाद आईसीसी खिताब जीता। वहीं, विराट कोहली ने कहा कि 2027 विश्व कप भारत के लिए उनका आखिरी विश्व कप होगा और यही उनके लिए सबसे बड़ी प्रेरणा है। कोहली ने कहा था कि वह मैदान पर अपना सब कुछ झोंक देना चाहते हैं। उनका लक्ष्य विश्व कप जीतना है और इसके लिए वह हर संभव प्रयास करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य टीम के लिए ज्यादा से ज्यादा मैच जीतना है।

10 अक्टूबर 2027

भारत-पाकिस्तान के बीच होगा मुकाबला

भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप चरण का मुकाबला 10 अक्टूबर 2027 को खेला जाएगा। विश्व कप के कार्यक्रम के सामने आने से पहले ही इस मुकाबले को लेकर प्रशंसकों में खास उत्सुकता थी। दोनों टीमें ग्रुप ए में हैं और नए प्रारूप के तहत ग्रुप चरण में दोनों का आमना-सामना होना तय है। भारत-पाकिस्तान की विश्व कप प्रतिद्वंद्विता का रिकॉर्ड भी भारतीय टीम के पक्ष में रहा है। दोनों के बीच वनडे विश्व कप में अब तक आठ मुकाबले खेले गए हैं और भारत ने सभी आठ मैच जीते हैं। 2023 विश्व कप में अहमदाबाद में हुई पिछली भिड़ंत में भारत ने पाकिस्तान को सात विकेट से हराया था। आईसीसी के मुताबिक यह विश्व कप में दोनों टीमों की आठवीं भिड़ंत थी और भारत ने सभी आठ मैच अपने नाम किए थे।

जापान मेरे लिए लकी है: लवलीना

मुझे जन्मदिन पर खुद को गिफ्ट देना था

निशियो । लवलीना बोरगोहेन ने शुक्रवार को एशियन गेम्स 2026 में 75 किग्रा फाइनल में चीन की जियाई बाओ को हराकर गोल्ड मेडल जीता। यह गोल्ड मेडल बोरगोहेन के लिए यादगार है, क्योंकि यह उनके 29वें जन्मदिन पर आया है। लवलीना एशियन गेम्स में गोल्ड जीतने वाली मैरी कॉम के बाद गोल्ड जीतने वाली दूसरी महिला बॉक्सर बन गई हैं। लवलीना ने चीन की मुक्केबाज को 5-0 के सर्वसम्मत स्कोर से हराया। गोल्ड मेडल जीतने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं बहुत अच्छा महसूस कर रही हूं। मैंने सोचा था कि मुझे अपने जन्मदिन पर खुद को गोल्ड मेडल गिफ्ट करना चाहिए। हार के बारे में एक सेकंड के लिए भी नहीं सोचा। यह बहुत मुश्किल फाइट थी। लेकिन मैं हमेशा सोच रही थी कि मुझे जीतना है। '

उन्होंने कहा, 'कॉमनवेल्थ गेम्स के बाद ऐसा नहीं था। मैं सिल्वर मेडल जीतकर बहुत खुश थी। एक एथलीट की जिंदगी में बहुत सी चीजें होती हैं–हार और चोटें, जिन्हें हमें संभालना होता है और आगे बढ़ना होता है। यह गोल्ड मेडल मेरे लिए बहुत जरूरी था। ' लवलीना ने 3-2 से करीबी शुरुआती राउंड जीतने के बाद बाउट में दबदबा बनाया। उन्होंने अगले दो राउंड 4-1 के समान अंतर से जीते और हांगझोऊ गेम्स में सिल्वर मेडल जीतने के बाद अपना दूसरा एशियन गेम्स मेडल जीता। पहले दो राउंड में आगे रहने के बाद 2026 एशियाड फाइनल में वह आखिरी राउंड में सावधान थीं। उन्होंने कहा, 'आखिरी राउंड बहुत मुश्किल था। विरोधी बहुत मजबूत थी। मैं उसके साथ पहली बार खेल रही थी। इसलिए मुझे कोई अंदाजा नहीं था कि वह कैसे खेलेगी। मैं खुद को मोटिवेट कर रही थी कि मुझे जीतना है। मैं हारना नहीं चाहती, चाहे कुछ भी हो जाए। आखिरी राउंड भी ऐसा ही था। मैंने पहले दो राउंड जीते और मैं सोच रही थी कि मुझे तीसरा राउंड भी जीतना है। ' लवलीना ने कहा, 'मैं एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने आई थी। मैंने खुद को मोटिवेट किया कि मुझे मजबूत रहना है और जीतना है।